खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शनिवार, 06 सितंबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-246

कांग्रेस के बीड़ी-बिहार वाले ट्वीट पर भूचाल

अपमान का हिसाब चुनाव में चुकाएंगे : भाजपा

पटना, 05 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी में किए गए सुधारों पर एक सोशल मीडिया पोस्ट ने न सिर्फ बिहार, बल्कि पूरे देश की राजनीति को गर्मा दिया है। केरल कांग्रेस के आधिकारिक एक्स (ट्विटर) हैंडल से किया गया एक विवादास्पद पोस्ट – बी से बीड़ी और बी से बिहार – अब राजनीतिक तूफान का केंद्र बन गया है। भाजपा और एनडीए के घटक दलों ने इसे बिहार के लोगों का सीधा अपमान बताते हुए कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है।

केरल कांग्रेस के आधिकारिक हैंडल से ट्वीट किया गया था कि बी से बीड़ी और बी से बिहार – जीएसटी में छूट बीड़ी को, बिहार को नहीं। इस पोस्ट के बाद भाजपा और जदयू समेत एनडीए के सभी घटक दलों ने कांग्रेस पर हमला बोल दिया। भाजपा ने इसे घटिया राजनीति और बिहारियों के प्रति अपमानजनक दृष्टिकोण करार दिया।

वरिष्ठ भाजपा नेता और पटना साहिब के सांसद रविशंकर प्रसाद ने इस पोस्ट को शर्मनाक बताया और कहा कि केरल कांग्रेस ने बिहार के लोगों की तुलना बीड़ी से कर उनका अपमान किया है। यह सिर्फ एक ट्वीट नहीं, बल्कि बिहार के स्वाभिमान पर प्रहार है।

उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और सोनिया गांधी से सवाल किया कि क्या आप बिहार की तुलना बीड़ी से कर सकते हैं? क्या आपको बिहार के इतिहास, संस्कृति और योगदान की कोई परवाह नहीं? आप चंद वोटों के लिए किसी भी स्तर तक गिर सकते हैं।

प्रसाद ने चेतावनी दी कि हम इस अपमान का मुंहतोड़ जवाब आगामी विधानसभा चुनाव में देंगे। यह बिहार के लोगों के खिलाफ अपमान है, और वे इसका हिसाब चुनाव में लेंगे।

जदयू ने इस मामले में राजद नेता और बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को भी निशाने पर लिया। पार्टी ने पूछा कि जब कांग्रेस ने बिहार का अपमान किया, तो उनकी प्रतिक्रिया कहां थी?

तेजस्वी यादव ने बाद में कहा कि मैं इस पोस्ट के बारे में अनभिज्ञ था, लेकिन स्पष्ट कर दूं – बिहार के स्वाभिमान से खिलवाड़ किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं है। इस बयान को कांग्रेस के प्रति अप्रत्यक्ष चेतावनी माना जा रहा है।

विवाद बढ़ते देख केरल कांग्रेस ने पोस्ट हटा दिया और एक नया ट्वीट किया कि हम देख रहे हैं कि हमारे जीएसटी सुधार पर किए गए कटाक्ष को तोड़–मरोड़कर पेश किया जा रहा है। अगर किसी को ठेस पहुंची हो, तो हम क्षमा चाहते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह पोस्ट सरकार के जीएसटी फैसले के खिलाफ था, जिसमें बीड़ी पर टैक्स 28% से घटाकर 18% किया गया। सिगरेट और सिगार पर टैक्स 18% से बढ़ाकर 40% कर दिया गया। केरल कांग्रेस का तर्क था कि सरकार ने गरीबों के लिए सस्ती बीड़ी को छूट दी, लेकिन महंगे धूम्रपान उत्पादों पर टैक्स बढ़ाकर मध्यम वर्ग को निशाना बनाया। लेकिन बी से बिहार के तंत्र को लोगों ने अपमानजनक माना। ▶10पर

तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी का आह्वान

सरकारी स्कूलों के टीचर छात्रों के साथ खाएं दोपहर का भोजन

हैदराबाद, 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने शिक्षक दिवस के अवसर पर आज एक महत्वपूर्ण आह्वान किया। उन्होंने सरकारी स्कूलों के शिक्षकों से अपील की कि वे दोपहर का भोजन छात्रों के साथ सामूहिक रूप से करें, ताकि भोजन की गुणवत्ता और स्वच्छता को लगातार सुनिश्चित किया जा सके। यह बात उन्होंने हैदराबाद में आयोजित शिक्षक दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कही। रेवंत रेड्डी जो शिक्षा विभाग का भी कार्यभार संभाल रहे हैं, ने कहा कि मुझे गहरा दुख होता है जब सरकारी स्कूलों में खाद्य विषाक्तता की घटनाएं होती हैं। जबकि सरकार ने मिड–डे मील योजना के लिए बजट बढ़ाया है और बुनियादी सुविधाओं में सुधार किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि शिक्षक छात्रों के साथ भोजन करेंगे, तो इससे न केवल भोजन की गुणवत्ता की निगरानी होगी, बल्कि यह छात्रों के साथ शिक्षकों के बीच भावनात्मक जुड़ाव भी मजबूत होगा।

अगर शिक्षक खुद वही भोजन खाएंगे जो छात्र खाते हैं, तो कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जा सकेगी। यह एक जवाबदेही की संस्कृति बनाएगा। उन्होंने यह भी घोषणा की कि वह खुद नियमित रूप से सरकारी स्कूलों का दौरा करेंगे और छात्रों के साथ भोजन करेंगे, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि योजना ठीक तरीके से लागू हो रही है।

रेड्डी ने शिक्षकों से अपील की कि वे स्कूलों में भोजन, पीने के पानी, स्वच्छता, बच्चों की पढ़ाई और अन्य बुनियादी सुविधाओं में सुधार की आवश्यकता होने पर सरकार को सीधे सूचित करें। आप सिर्फ पढ़ाने तक सीमित न रहें। आप स्कूल के समग्र विकास के लिए भी जिम्मेदार हैं।

मुख्यमंत्री ने एक बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि तेलंगाना सरकार प्रतिवर्ष लगभग 200 शिक्षकों को सिंगापुर, दक्षिण कोरिया और जापान जैसे देशों में भेजेगी, जहां उन्हें वहां की गुण–वत्तापूर्ण शिक्षा प्रणाली का अध्ययन करने का अवसर मिलेगा। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के कारण ही सिंगापुर और जापान जैसे देश विकास के शिखर पर पहुंचे हैं। हमें भी उनके अनुभवों से सीखना होगा।

रेड्डी ने राज्य की शिक्षा स्थिति पर प्रकाश डालते हुए बताया कि राज्य में 27,000 सरकारी स्कूलों में लगभग 24 लाख छात्र पढ़ रहे हैं। वहीं, 11,000 निजी स्कूलों में 34 लाख छात्र पढ़ रहे हैं। ▶10पर

रेवंत रेड्डी के खिलाफ तेलंगाना भाजपा ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया

हैदराबाद/नई दिल्ली 05 सितंबर (एजेंसियां)। तेलंगाना भाजपा ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के खिलाफ लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान दिए गए एक विवादास्पद भाषण को लेकर दायर मानहानि के मामले को बहाल करने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। पार्टी का कहना है कि रेड्डी के बयानों ने भाजपा की छवि को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाया और चुनावी माहौल को भड़काया। 01 अगस्त, 2024 को तेलंगाना हाई कोर्ट ने मानहानि का मामला खत्म कर दिया था, जिसे अब भाजपा बहाल कराने की मांग कर रही है। इसके पीछे सीएम रेड्डी का तर्क था कि राजनीतिक भाषणों को मानहानि का आधार नहीं बनाया जा सकता, और यह कार्यवाही राजनीतिक ▶10पर

शिल्पा शेट्टी–राज कुंद्रा के खिलाफ लुकआउट नोटिस

60 करोड़ की धोखाधड़ी के आरोप

मुंबई 05 सितंबर (एजेंसियां)। मुंबई पुलिस ने अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति, बिजनेसमैन राज कुंद्रा के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी कर दिया है। यह कदम 60.48 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के आरोप में उठाया गया है, जिसमें बिजनेसमैन दीपक कोठारी ने आरोप लगाया है कि उन्होंने शिल्पा और राज को बिजनेस के लिए दी गई रकम को निजी खर्च में लगा दिया।दोनों नियमित रूप से विदेश यात्रा करते हैं। जांच में बाधा न आए, इसलिए लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया है।

दीपक कोठारी, एक बिजनेसमैन, ने 14 अगस्त 2024 को मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा में शिकायत दर्ज कराई। उनका आरोप है कि 2015 से 2023 के बीच उन्होंने शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा के संचालित बिजनेस में कुल 60.48 करोड़ रुपए निवेश किए। यह रकम निजी खर्चों में लगा दी गई, बजाय बिजनेस विस्तार के लिए इस्तेमाल किए जाने के। उन्हें कोई रिटर्न या वापसी नहीं मिली।

2015 में, दीपक कोठारी की मुलाकात एजेंट राजेश आर्या के जरिए शिल्पा और राज कुंद्रा से हुई। दोनों बेस्ट डील टीवी के डायरेक्टर थे, जिसमें शिल्पा के पास 87% से अधिक शेयर थे।

श्रीनगर के हजरतबल दरगाह में अशोक चिन्ह तोड़े जाने पर विवाद

श्रीनगर 05 सितंबर (एजेंसियां)। जम्मू–कश्मीर के श्रीनगर स्थित प्रसिद्ध हजरतबल दरगाह में आधारशिला पर लगे राष्ट्रीय प्रतीक (अशोक चिन्ह) को तोड़ दिए जाने की घटना ने राज्य में राजनीतिक और धार्मिक तूफान खड़ा कर दिया है। यह घटना दरगाह के पुनर्निर्माण और पुनर्विकास कार्यक्रम के दौरान हुई, जिसके वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए।

जम्मू–कश्मीर वक्फ बोर्ड की अध्यक्ष और भाजपा नेता डॉ. दरख्शां अंद्राबी ने घटना को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि राष्ट्रीय प्रतीक चिन्ह को क्षतिग्रस्त करना सिर्फ एक तोड़फोड़ नहीं, बल्कि एक आतंकवादी हमला है। यह भीड़ एक राजनीतिक दल के गुंडों की थी, जो पहले भी कश्मीर को बर्बाद कर चुके हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इस भीड़ ने दरगाह के प्रशासकों पर भी हमला किया और उनकी जान बाल–बाल बची। इन लोगों ने

यह आतंकवादी हमला : वक्फ बोर्ड
यह इस्लाम के खिलाफ : एनसी

खुलेआम दरगाह शरीफ के अंदर घुसकर राष्ट्रीय प्रतीक को तोड़कर एक बड़ा अपराध किया है। दरगाह की गरिमा को ठेस पहुंचाई गई है। डॉ. अंद्राबी ने सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी कि जैसे ही हमलावरों की पहचान होगी, उन्हें आजीवन दरगाह में प्रवेश से प्रतिबंधित किया जाएगा और उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाएगी। डॉ. अंद्राबी ने स्पष्ट किया कि दरगाह के पुनर्विकास का उद्देश्य केवल इसकी पवित्रता, सुरक्षा और जनता के विश्वास को मजबूत करना है।हम इस तरह की शर्मनाक हरकतों को अपने प्रयासों को पटरी से उतारने नहीं देंगे। दरगाहें इबादत और सम्मान की जगहें हैं। यहां किसी को भी राजनीति करने की इजाजत नहीं दी जाएगी।

इस बीच, नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता तनवीर सादिक ने एक्स (ट्विटर) पर एक पोस्ट के जरिए अशोक चिन्ह के दरगाह में रखे जाने का विरोध किया। उन्होंने कहा कि हालांकि मैं कोई धार्मिक विद्वान नहीं हूं, लेकिन मैं जानता हूं कि इस्लाम मूर्ति पूजा की सख्त मनाही करता है। यह तौहीद (एकेश्वरवाद) के खिलाफ है, जो हमारे ईमान की बुनियाद है।

उन्होंने आगे कहा कि अगर अशोक चिन्ह को एक मूर्ति के रूप में वर्णित किया जा रहा है, तो उसे दरगाह के अंदर रखना इस्लाम के मूल सिद्धांतों के खिलाफ है। हजरतबल दरगाह के आंतरिक भाग का नवीनीकरण और उद्घाटन बुधवार को किया गया था। इस दौरान आधारशिला पर लगे राष्ट्रीय प्रतीक चिन्ह (अशोक स्तंभ के सिंह) को कुछ लोगों ने तोड़ दिया। वीडियो में दिख रहा है कि कुछ लोग आधारशिला के पास जमा होकर चिन्ह को तोड़ रहे हैं, जबकि वक्फ बोर्ड के अधिकारी उन्हें रोकने की कोशिश कर रहे हैं।

भारत ने पीटर नवारो के भ्रामक बयानों को खारिज किया

नई दिल्ली, 05 सितंबर (एजेंसियां)।

भारत ने शुक्रवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पूर्व व्यापार सलाहकार पीटर नवारो के हालिया बयानों को सख्ती से खारिज कर दिया, जिनमें उन्होंने भारत पर रूसी तेल खरीद को लेकर गलत और भ्रामक आरोप लगाए थे। विदेश मंत्रालय ने एक आधिकारिक प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि नवारो के दावे तथ्यों से अनजानी पर आधारित, गलत और भ्रामक हैं, और इन्हें भारत–अमेरिका के रणनीतिक संबंधों को समझने की बजाय भ्रम फैलाने की कोशिश के रूप में देखा जाना चाहिए।

विदेश मंत्रालय प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच एक गहरी, व्यापक और वैश्विक रणनीतिक साझेदारी है। यह साझेदारी साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, आर्थिक सहयोग और लोगों के बीच मजबूत जुड़ाव पर आधारित है। ऐसे बयान जो तथ्यों से अलग हों, उस संबंध को प्रभावित नहीं कर सकते।

पीटर नवारो ने हाल ही में कई बयान दिए, जिनमें उन्होंने आरोप लगाया कि भारत रूस से तेल खरीदकर यूक्रेन संघर्ष को बढ़ावा दे रहा है। दावा किया कि भारत रूसी तेल को यूरोप, अफ्रीका और एशिया में फिर से बेचकर भारी मुनाफा कमा रहा है। एक विवादास्पद टिप्पणी में कहा कि रूसी तेल के कारोबार में केवल ब्राह्मण मुनाफाख–ोरी कर रहे हैं। इन बयानों पर विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि भारत ऊर्जा आपूर्ति के लिए अपने राष्ट्रीय हित में निर्णय लेता है। हमारी तेल खरीद वैश्विक बाजार की गतिशीलता और ऊर्जा सुरक्षा की आवश्यकता पर आधारित है। यह न तो किसी देश के खिलाफ है और न ही यूक्रेन संघर्ष को प्रभावित करती है। ▶10पर

अवकाश सूचना

गणेश विसर्जन के अवसर पर शनिवार, 06 सितंबर, 2025 को शुभ लाभ कार्यालय में **अवकाश** रहेगा। अतः अगला अंक सोमवार, 08 सितंबर, 2025 को प्रकाशित होगा।

-प्रबंधक

कार्टून कॉर्नर

काशी-मथुरा मुद्दे पर बातचीत के लिए तैयार मौलाना मदनी

नई दिल्ली, 05 सितंबर (एजेंसियां)। जमीयत उलमा–ए–हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएए–सएस) प्रमुख मोहन भागवत के हालिया बयान का समर्थन करते हुए कहा कि काशी और मथुरा के मुद्दों पर बातचीत और सहभागिता के माध्यम से स्थायी समाधान खोजा जाना चाहिए। मदनी ने स्पष्ट किया कि मुस्लिम समुदाय को आपसी मतभेदों को दूर करने और सामाजिक एकता के लिए आगे आना चाहिए। हम सभी प्रकार की बातचीत का समर्थन करते हैं। दोनों समुदायों के बीच मतभेद हैं, लेकिन उन्हें कम करने की जरूरत है।

कुछ दिन पहले आरएसएस की एक बैठक में मोहन भागवत ने कहा था कि राम मंदिर आंदोलन ही एकमात्र मुद्दा था जिसमें संघ ने आधिकारिक तौर पर समर्थन किया, लेकिन काशी और मथुरा के मुद्दों पर संघ के कार्यकर्ता व्यक्तिगत रूप से शामिल हो सकते हैं। उन्होंने भारत के मुस्लिम समुदाय से स्थायी और शांतिपूर्ण समाधान के लिए बातचीत का आह्वान किया था।

इस बयान के बाद अब मौलाना मदनी ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मोहन भागवत के मुस्लिम समुदाय तक पहुंचने के प्रयासों की प्रशंसा की जानी चाहिए। यह एक सकारात्मक कदम है। हम ऐसे सभी प्रयासों का समर्थन करते हैं जो सामाजिक एकता और सद्भाव को मजबूत करें।

मोहन भागवत के सुझाव का किया समर्थन

मदनी ने बताया कि जमीयत उलमा–ए–हिंद ने पहले ही एक प्रस्ताव पारित किया है, जिसमें दोनों समुदायों के बीच बातचीत और संवाद की आवश्यकता पर जोर दिया गया है। हमारा संगठन पहले से ही सहभागिता के पक्ष में है। हम चाहते हैं कि दोनों पक्ष एक–दूसरे के प्रति संवेदनशील रहें और ऐतिहासिक मतभेदों को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाया जाए। मौलाना मदनी ने हाल के वर्षों में राजनीतिक भाषा और सार्वजनिक संवाद के स्तर में आई गिरावट पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि आज के राजनीतिक नेता, विपक्ष सहित सभी दलों के, अक्सर अनुचित और आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। यह सामाजिक एकता के लिए खतरनाक है। राजनीति में भावनाओं को भड़काना लोकतंत्र के लिए नुकसानदायक है।

उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से आह्वान किया कि वे संवाद, सम्मान और सहिष्णुता के मार्ग पर चलें।

काशी और मथुरा के मुद्दे लंबे समय से धार्मिक और ऐतिहासिक बहस का विषय रहे हैं। मथुरा में कृष्ण जन्मस्थल पर शाही ईदगाह मस्जिद स्थित है, जिसके नीचे पुरातत्विक अवशेषों के मिलने के बाद विवाद गहराया है। काशी में विश्वनाथ मंदिर के पास गौतम बुद्ध मस्जिद को लेकर भी कानूनी और ऐतिहासिक बहस चल रही है। मोहन भागवत के बयान और अब मदनी के जवाब ने इन मुद्दों पर शांतिपूर्ण संवाद की संभावना को जन्म दिया है।

मदनी का यह बयान एक महत्वपूर्ण संकेत है। यह दिखाता है कि धार्मिक नेतृत्व अब विभाजन के बजाय संवाद की ओर बढ़ रहा है। अगर दोनों पक्ष वार्ता के लिए तैयार हो जाएं, तो यह भारत के सामाजिक सद्भाव के लिए एक बड़ा कदम होगा।

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 29^0

न्यूनतम : 23^0

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,09,380/– (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 1,26,590/– (प्रति किलोग्राम)

अफगानिस्तान भूकंप: मौत का आंकड़ा 2200 पार, प्रभावितों को राहत सामग्री की किल्लत

काबुल/मजार दारा ,05 सितंबर (एजेंसियां)।

अफगानिस्तान के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में गुरुवार को 6.2 तीव्रता का भूकंप आया। यह झटका उसी इलाके में आया है, जहां रविवार को आए भीषण भूकंप में 2,200 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज के मुताबिक भूकंप की गहराई 10 किलोमीटर थी।

रविवार को आए 6 तीव्रता वाले भूकंप और मंगलवार के 5.5 तीव्रता के झटके ने कुनार और नंगरहार प्रांतों के गांवों को पूरी तरह तबाह कर दिया। अब तक 2,205 मौतों और 3,640 से अधिक घायल होने की पुष्टि हुई है। 6,700 से ज्यादा घर पूरी तरह ढह गए हैं। राहत एजेंसियों का कहना है कि मलबे में दबे लोगों के चलते मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है।

संयुक्त राष्ट्र और अन्य एजेंसियों ने चेतावनी दी है कि भोजन, दवाइयां और आश्रय की भारी कमी हो रही है। रेड क्रॉस ने कहा कि अब तक लगभग 84,000 लोग प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हुए हैं। इस्लामिक रिलीफ वर्ल्डवाइड की रिपोर्ट के अनुसार कुनार प्रांत के कुछ गांवों में हर तीन में से दो लोग या तो मारे गए हैं या घायल हुए हैं, जबकि 98 प्रतिशत इमारतें क्षतिग्रस्त हैं।

प्रभावित इलाकों में लोग अब भी मलबा हटाकर अपने परिजनों की तलाश कर रहे हैं। शवों को स्थानीय लोग हाथ से बने स्ट्रेचर पर ले जाते दिखे। कई जगह लोग खुले आसमान के नीचे रह रहे हैं क्योंकि बार-बार आने वाले ऑफ्टरशॉक्स के डर से वे घरों में लौटना नहीं चाहते।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 03 मिलियन डॉलर की फंडिंग कमी का जिक्र किया है, जिससे दवाइयों और जरूरी चिकित्सा सामग्री की आपूर्ति पर असर पड़ रहा है। विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) ने कहा है कि उनके पास प्रभावित लोगों को मदद देने के लिए सिर्फ चार हफ्तों तक का स्टॉक और फंड बचा है। नॉर्वेजियन रिफ्यूजी काउंसिल ने दाताओं से अपील की है कि वे केवल आपातकालीन राहत ही नहीं, बल्कि अफगान लोगों के भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए भी आगे आएं।

न्यूज ब्रीफ

बांग्लादेश में डेढ़ लाख से ज्यादा पुलिसकर्मियों को दिया जाएगा चुनाव का प्रशिक्षण

ढाका (बांग्लादेश)। अगले साल फरवरी में होने वाले संसदीय चुनाव के मद्देनजर डेढ़ लाख (1,50,000) से ज्यादा पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। इसका मकसद निष्पक्ष और सुरक्षित चुनाव कराना है। पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) काजी जियाउद्दीन का कहना है, हम स्वतंत्र, निष्पक्ष, तटस्थ और शांतिपूर्ण राष्ट्रीय चुनाव सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसकी सभी तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। रिपोर्ट के अनुसार, डीआईजी काजी ने कहा कि 1,50,000 या उससे अधिक पुलिसकर्मियों को सभी जरूरी प्रशिक्षण दिया जाएगा। पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) में तैनात और मुख्य कानून प्रवर्तन एजेंसी के मानव संसाधन (एचआर) विकास का प्रभार संभाल रहे जियाउद्दीन ने कहा कि पिछले तीन महीनों में चुनाव विशेषज्ञों और वकीलों के सुझावों को शामिल करते हुए नौ प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार किए गए हैं। उन्होंने बताया कि बांग्लादेश पुलिस के दे में 130 छोटे और चार बड़े प्रशिक्षण केंद्र हैं। चुनाव ड्यूटी में हिस्सा लेने वाले सभी पुलिसकर्मियों को इन्हीं केंद्रों में प्रशिक्षित किया जाएगा। 31 अगस्त से तीन सितंबर तक ढाका स्थित पुलिस मुख्यालय में इन मॉड्यूल के तहत 150 मास्टर प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित किया है। आने वाले दिनों में देश भर के 19 पुलिस प्रशिक्षण केंद्रों में 1,292 मास्टर प्रशिक्षक तैयार करने की योजना बनाई गई है। पुलिस मुख्यालय इस सप्ताह के अंत में राजारबाग पुलिस लाइन में प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ के अवसर पर एक औपचारिक उद्घाटन समारोह आयोजित करेगा।

अमेरिकी न्याय विभाग ने फेडरल रिजर्व की गवर्नर लिसा कुक के खिलाफ आपराधिक जांच शुरू की

वाशिंगटन (अमेरिका)। अमेरिका के न्याय विभाग ने फेडरल रिजर्व की गवर्नर लिसा कुक के खिलाफ

धोखाधड़ी (आपराधिक) की जांच शुरू कर दी है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि इस जांच में कौन से अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय शामिल हैं। अदालती रिकॉर्ड के अनुसार, कुक ने पहले अपने खुलासे में बताया था कि उनके जॉर्जिया, मैसाचुसेट्स और मिशिगन में घर हैं। जांच से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि संघीय अभियोजकों ने समन जारी करना शुरू कर दिया है। इसलिए अनुमान है कि इन्हीं क्षेत्रों के कार्यालय जांच में शामिल होंगे। इससे पहले फ़ेडरल हाउसिंग फ़ाइनेंस एजेंसी के निदेशक बिल पुल्टे के कार्यालय ने कुक के खिलाफ जांच कराई थी। इसमें साफ हुआ कि कुक ने एक मामले में अनुकूल शर्तें हासिल करने के लिए बैंक दस्तावेजों में हेराफेरी की। इसके बाद पुल्टे ने इस मामले को आपराधिक जांच के लिए न्याय विभाग को भेजा। इससे पहले ट्रंप ने घोषणा की थी कि वह लिसा कुक को फ़ेडरल रिज़र्व से बाहर कर देंगे। कुछ दिन पहले खबर आई कि कुक को बर्खास्त कर दिया गया। कुक ने प्रशासन के खिलाफ मुकदमा दायर किया। उनके वकीलों ने उनकी संभावित बर्खास्तगी को फ़ेडरल रिज़र्व की पारंपरिक स्वतंत्रता को कमजोर करने की एक अवैध कोशिश बताया। गुरुवार को एक बयान में कुक का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील एब्बे डी. लोवेल ने कहा कि रिपोर्टों से पता चलता है कि ट्रंप प्रशासन अपने अतिक्रमण के लिए नए औचित्य गढ़ने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने न्याय विभाग को अमेरिकी इतिहास में शायद सबसे अधिक राजनीतिकरण वाला विभाग बताया। न्याय विभाग के प्रवक्ता ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है।

अमेरिकी रक्षा विभाग का नाम अब युद्ध विभाग होगा

वाशिंगटन (अमेरिका)। व्हाइट हाउस ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप शुक्रवार को रक्षा विभाग का नाम बदलकर युद्ध विभाग करने संबंधी कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करेंगे। इस तरह द्वितीय विश्व युद्ध के तुरंत बाद तक विभाग का जो नाम था, उसे बहाल करके सैन्य मिशन को पुनर्गठित करने का ट्रंप का वादा पूरा हो जाएगा। खबर के अनुसार, यह कदम, जिसकी कुछ समय से उम्मीद की जा रही थी, युद्ध-लड़ने की क्षमताओं का प्रदर्शन करके एक अधिक आक्रामक छवि पेश करने के अपने लक्ष्यों के अनुरूप सेना को नया रूप देने के ट्रंप के प्रयासों को रेखांकित करता है। ट्रंप उस जागरुकता के बजाय अपनी ताकत का प्रदर्शन करना चाहते हैं, जिसके बारे में उन्होंने और रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने कहा है कि पूर्व राष्ट्रपति बाइडेन के कार्यकाल में सेना के मनोबल और मिशन पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ा था।

अरबों डॉलर की तीस्ता मेगा परियोजना बहुआयामी आपदा को देगी जन्म, जल एवं पर्यावरण विशेषज्ञों ने चेताया

ढाका,05 सितंबर (एजेंसियां)।

प्रतिष्ठित जल एवं पर्यावरण विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि अरबों डॉलर की तीस्ता मेगा परियोजना बहुआयामी आपदा को जन्म देगी। साथ ही मुट्ठी भर लोगों के एक समूह को अंतहीन मुनाफा कमाने का अवसर भी प्रदान करेगी। यही नहीं इस परियोजना से लोगों, पर्यावरण, अर्थव्यवस्था और बांग्लादेश के राजनयिक संबंधों को भी नुकसान पहुंच सकता है।

खबर के अनुसार, परियोजना सामग्री, व्यवहार्यता अध्ययन और समाचारों को आधार बनाकर विशेषज्ञों ने इसके संभावित पहलुओं का विश्लेषण कर निष्कर्ष निकाला है कि यह न तो तकनीकी रूप से सही है, न ही वैज्ञानिक रूप से सही और न ही पर्यावरणीय रूप से उचित। विशेषज्ञों को आशंका है कि जिन संकटों के कारण इस परियोजना को शुरू से ही लागू करना जरूरी था, जैसे कि अचानक बाढ़, नदी तट का कटाव और कम वर्षा वाले मौसम में पानी की कमी, वे और भी बदतर हो जाएंगे।

पेंसिल्वेनिया कॉमनवेल्थ यूनिवर्सिटी में भू-विज्ञान पढ़ाने वाले मोहम्मद खलीकुज्जमां ने कहा, यह परियोजना बांग्लादेश को तीस्ता नदी की निरंतर तलकर्षण और उसके तटों की निरंतर मरम्मत और रखरखाव जैसी जरूरतों से रूबरू कराएगी। उन्होंने कहा, इससे ठेकेदारों, प्रबंधकों, राजनेताओं और चीन की सरकार को लाभ होगा।

उल्लेखीय है कि चीन की सरकारी कंपनी पावर चाइना से पर्याप्त ऋण और तकनीकी सहायता आकार लेने वाली तीस्ता नदी व्यापक प्रबंधन और पुनरुद्धार परियोजना का उद्देश्य 114 किलोमीटर लंबे तटबंध बनाकर और इसकी चौड़ाई को अधिकतम एक किलोमीटर तक करना है। नदी की वर्तमान औसत चौड़ाई तीन किलोमीटर है। इस परियोजना का उद्देश्य 170 वर्ग किलोमीटर भूमि को पुन: प्राप्त करना, बाढ़ और नदी तट के कटाव को नियंत्रित करना और नौवहन एवं सिंचाई को बढ़ाना है। साथ ही एक नहर भी बनाई जाएगी। नदी के किनारों पर 100 किलोमीटर से ज्यादा की दूरी तक तटबंध बनाए जाएंगे।

विशेषज्ञों का तर्क है कि बांग्लादेश में चाहे जितने जतन किए जाएं तीस्ता की मुख्य समस्या का समाधान नहीं हो सकता। कम वर्षा वाले मौसम में पानी की कमी की समस्या खत्म नहीं होगी। पूर्वी हिमालय से सफर

शुरू करने वाली तीस्ता नदी के जलग्रहण क्षेत्र का लगभग 2,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पूरे जलग्रहण क्षेत्र का 17 प्रतिशत है और यह बांग्लादेश के अधीन है। अवरोधों, बैराज और ऊपरी भारतीय राज्यों सिक्किम और पश्चिम बंगाल में पानी की निकासी के कारण पिछले दशकों में तीस्ता में प्रवाह और तलछट जमाव क्रमश: 60 बीसीएम और 49 मीट्रिक टन से घटकर 25 बीसीएम और तीन मीट्रिक टन रह गया है।

मोहम्मद खलीकुज्जमां ने नदी तल को गहरा करने के बाद उसके प्रस्तावित मुख्य चैनल में जो पानी उपलब्ध हो सकता है, वह उथला भूजल ही है। यदि नीचे की ओर कोई बांध या बैराज बनाया जाता है तो अतिरिक्त जल संग्रहण संभव होगा, लेकिन इस मेगा परियोजना में ऐसी कोई योजना नहीं है।

ब्यूएट स्थित जल एवं बाढ़ प्रबंधन संस्थान के प्रो. एकेएम सैफुल इस्लाम ने कहा, नदी के प्राकृतिक प्रवाह में हस्तक्षेप करने से कई पर्यावरणीय परिणाम होंगे। उन्होंने कहा कि नदी के किनारों को कंक्रीट से ढकने से भूजल पुनर्भरण और बाढ़ के मैदान से पानी की निकासी बाधित होगी। इससे पूरी पारिस्थितिकी प्रभावित होगी। विशेषज्ञों ने सर्वसम्मति से सहमति व्यक्त की कि यह विशाल परियोजना, ऊपरी धारा से अधिकांश प्राकृतिक जल प्रवाह प्राप्त किए बिना, सीमा पार जल विवाद को सुलझाने का प्रयास करके, तीस्ता के जल पर भारत के एकतरफा नियंत्रण को वैधता प्रदान करेगी।

खलीकुज्जमां ने अपने विश्लेषण में लिखा, तीस्ता केवल जल परिवहन का माध्यम नहीं है। वह भू-गर्भीय रूप से सक्रिय पहाड़ों से भारी मात्रा में तलछट के साथ उच्च वर्षा और कई नदियों को जन्म देती है। तीस्ता नदी अपने आकार के हिसाब से असामान्य रूप से अधिक मात्रा में तलछट वहन करती है, इसलिए संभावना है कि संकरी जलधारा तलछट की मात्रा से भर जाएगी, जिससे अंतत: रेत के टीले बन जाएंगे।

विश्लेषण में कहा गया है, यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि नदी की औसत चौड़ाई तीन किलोमीटर से घटाकर 700 मीटर करने से प्रवाह वेग और नदी तट पर कटाव बढ़ेगा। इसके पुलों के ऊपर की ओर जल जमाव के कारण बाढ़ की तीव्रता भी बढ़ेगी। जल विशेषज्ञ ऐनुन निशात ने कहा कि जल कानून में ऐसी किसी भी परियोजना को मंजूरी देने से पहले तीस्ता निवासियों, जल संसाधन विशेषज्ञों, समाजशास्त्रियों और नागरिक समाज के सदस्यों से परामर्श करने का प्रावधान है। उन्होंने कहा, लेकिन हमें नहीं पता कि इस परियोजना के लिए सरकार के मन में क्या है।

वाटर कीपर्स बांग्लादेश के प्रमुख शरीफ जमील ने कहा कि इस परियोजना को तब तक रोक दिया जाना चाहिए जब तक कि यह लोगों के हितों और पर्यावरण की रक्षा के लिए ज़रूरी न साबित हो जाए। उन्होंने कहा, यह परियोजना भू-राजनीतिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र से संबंधित है, जिसने लंबे समय से एशिया के कट्टर प्रतिद्वंद्वियों भारत और चीन के हितों को आकर्षित किया है। उन्होंने कहा, ऊपरी नदी पर स्थित देश से पानी का उचित हिस्सा लिए बिना तीस्ता को जीवित रखना असंभव है।

अमेरिका ने इक्वाडोर के दो गिरोहों को विदेशी आतंकी संगठन घोषित किया: रुबियो

क्विटो (इक्वाडोर) ,05 सितंबर (एजेंसियां)।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने गुरुवार को घोषणा की कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने इक्वाडोर के दो कुख्यात गिरोहों 'लॉस लोबोस' और 'लॉस चोनेरोस' को विदेशी आतंकी संगठनों की सूची में शामिल कर लिया है। यह कदम ट्रंप प्रशासन की ओर से ड्रग कार्टेल्स और आपराधिक गिरोहों पर सख्ती की नई कड़ी मानी जा रही है।

रुबियो इक्वाडोर की राजधानी क्विटो पहुंचे, जहां उन्होंने नेताओं से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह कदम अमेरिका और इक्वाडोर की सरकारों को इन गिरोहों पर मिलकर कार्रवाई करने के कई विकल्प देगा, जिनमें इनके नेताओं को मार गिराना, अमेरिका में इनके संपत्तियों और बैंक खातों पर कार्रवाई करना और खुफिया जानकारी साझा करना शामिल है। उन्होंने इन गिरोहों को दरिंदे, आतंकवादी बताते हुए कहा, अब हम सिर्फ नावों पर ड्रग डीलरों को पकड़ने की कोशिश नहीं करेंगे, बल्कि राष्ट्रपति (ट्रंप) ने युद्ध छेड़ने की बात कही है क्योंकि ये गिरोह 30 साल से हम पर युद्ध कर रहे हैं और अब तक किसी ने जवाब नहीं दिया।

इस घोषणा से पहले अमेरिकी सेना ने हाल ही में वेनेज़ुएला के गिरोह ट्रेन डे अरागुआ के कथित ड्रग-तस्करों के जहाज पर हमला कर 11 लोगों को मार गिराया था। यह कदम लैटिन अमेरिकी देशों में चर्चा और चिंता का विषय बना हुआ है। कई देशों ने अमेरिका को चेताया है कि सैन्य हस्तक्षेप बढ़ाना उल्टा असर डाल सकता है।

इक्वाडोर हाल के वर्षों में नशीले पदार्थों की तस्करी का बड़ा ठिकाना बन गया है। यहां केले के निर्यात वाले कंटेनरों का इस्तेमाल मादक पदार्थों की तस्करी के लिए किया जाता है। मेक्सिको, कोलंबिया और बाल्कन देशों के कार्टेल भी यहां सक्रिय हैं। लॉस लोबोस और लॉस चोनेरोस जैसे गिरोह न सिर्फ ड्रग तस्करी बल्कि सुपारी किलिंग, वसूली और जेलों के अंदर भी हिंसा के लिए कुख्यात हैं। 2021 से अब तक जेलों में सैकड़ों कैदियों की हत्या हो चुकी है।

इक्वाडोर के राष्ट्रपति डेनियल नोबोआ ने अमेरिका का आभार जताते हुए कहा कि यह कदम उनके देश में आतंकी खतरों को खत्म करने में मदद करेगा।

एक बार फिर अपने फैसले से पलटे ट्रंप, जापान पर 25 से घटाकर 15 फीसदी किया टैरिफ

टोक्यो/वाशिंगटन,05 सितंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका और जापान के बीच व्यापार संबंधों में एक नया अध्याय जुड़ गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को नए अमेरिका-जापान व्यापार समझौते को लागू करने वाले एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए। ट्रंप ने इसे अमेरिका-जापान व्यापार संबंधों के एक नए युग की शुरुआत बताया।इस आदेश के तहत जापान से अमेरिका में आने वाले लगभग सभी आयातों पर 15 फीसदी का बेसलाइन टैरिफ लगाया गया है।

हालांकि, कुछ खास क्षेत्रों को इस टैरिफ से छूट दी गई है, जिनमें ऑटोमोबाइल और ऑटो पार्ट्स, एयरोस्पेस उत्पाद, जेनेरिक दवाएं और घरेलू स्तर पर उपलब्ध न होने वाले प्राकृतिक संसाधन शामिल हैं।गौरतलब है कि शुरुआती दौर में ट्रंप प्रशासन ने जापान और दक्षिण कोरिया पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। लेकिन व्यापारिक बातचीत में कई बार रुकावटें आने के बाद अंतत: 15 फीसदी बेसलाइन टैरिफ पर सहमति बनी। व्हाइट हाउस के बयान में कहा गया है कि यह समझौता पारस्परिकता के सिद्धांतों और साझा राष्ट्रीय हितों पर आधारित है।इस समझौते की एक प्रमुख विशेषता जापान द्वारा अमेरिका में 550 अरब डॉलर का निवेश करने का वादा है। व्हाइट हाउस के अनुसार यह निवेश अमेरिकी इतिहास में किसी भी अन्य समझौते से कहीं बड़ा है। इस निवेश से अमेरिका में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, मैन्युफैक्चरिंग का विस्तार होगा और राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूती मिलेगी।समझौते के तहत जापान अमेरिका से यूएस-मेड कमर्शियल एयरक्राफ्ट, डिफेंस इक्विपमेंट और कृषि उत्पाद जैसे चावल, मक्का, सोयाबीन, उर्वरक और बायोएथेनॉल की अरबों डॉलर की खरीद करेगा। टोक्यो ने न्यूनतम पहुंच योजना के तहत अपने चावल आयात में 75 फीसदी तक बढ़ोतरी करने पर सहमति दी है, जिससे अमेरिकी कृषि निर्यात में हर साल करीब 8 अरब डॉलर की बढ़त होने की संभावना है।आदेश में यह भी कहा गया है कि यह समझौता अमेरिकी उत्पादों के लिए बराबरी का अवसर देता है, राष्ट्रीय सुरक्षा जरूरतों का ध्यान रखता है, निर्यात और निवेश-आधारित उत्पादन का विस्तार करता है, और जापान के साथ व्यापार घाटा कम करने में मदद करेगा। इस दौरान जापानी मुख्य वार्ताकार अकाज़ावा रयोसेई भी अमेरिका में मौजूद थे और उन्होंने वॉशिंगटन में बातचीत का एक और दौर जारी रखा, जबकि कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए जा रहे थे।

नेपाल में सभी इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर्स ने बंद की सोशल मीडिया साइट्स

मेटा कंपनी ने नेपाल सरकार से रजिस्ट्रेशन के लिए आवश्यक दस्तावेज मांगे

काठमांडु,05 सितंबर (एजेंसियां)।

नेपाल सरकार के आदेश पर देश के सभी मोबाइल और इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर्स ने सभी सोशल मीडिया साइट्स को बंद कर दिया है। देश में रजिस्टर्ड न होने वाली सोशल मीडिया साइट्स अब नेपाल में नहीं चल रही हैं।

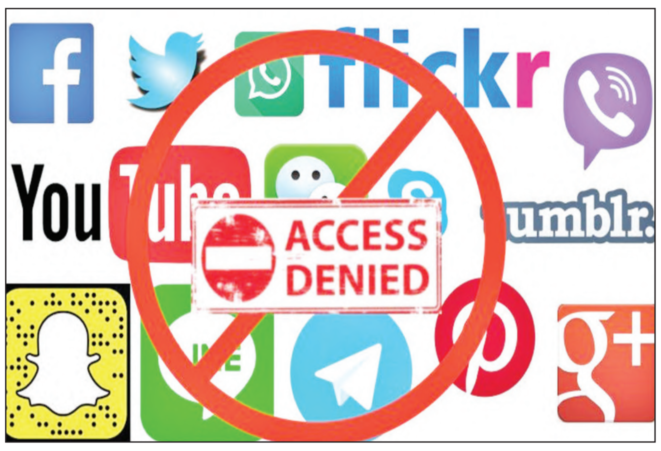

नेपाल सरकार ने गुरुवार को एक आदेश जारी करते हुए नेपाल में रजिस्टर्ड नहीं होने वाले सोशल मीडिया साइट्स पर प्रतिबंध लगाने का फैसला लिया था। सरकार के इस निर्देश के बाद नेपाल की सभी मोबाइल कंपनियों और इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर्स एसोशिएसन ने सोशल मीडिया साइट्स बंद कर दिया है। अब नेपाल में फेसबुक, मैसेंजर, वाट्सएप, ट्विटर, यूट्यूब, इंस्टाग्राम सहित 26 सोशल मीडिया साइट्स बंद हो गई हैं। सभी मोबाइल कंपनियों और इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर्स कंपनियों ने अलग-अलग बयान जारी करके सरकार के निर्देश पर इन 26 सोशल मीडिया साइट्स को बंद किए जाने की जानकारी दी है।

इसी बीच सरकार के सूचना तथा संचार मंत्रालय के प्रवक्ता गजेन्द्र ठाकुर ने बताया कि फेसबुक, इंस्टाग्राम और वाट्सएप जैसे सोशल मीडिया साइट्स की पैरेंट कंपनी मेटा ने नेपाल सरकार से संपर्क स्थापित करने का प्रयास किया है। ठाकुर ने बताया कि मेटा के सिंगापुर दफ्तर से मंत्रालय में फोन करके कंपनी रजिस्ट्रेशन के लिए आवश्यक दस्तावेज की मांग की है।

वेनेजुएला के दो सैन्य विमान अमेरिकी नौसेना के पोत के पास से गुजरे, पेंटागन ने भड़काऊ कदम माना

वाशिंगटन,05 सितंबर (एजेंसियां)।

वेनेजुएला के दो सैन्य विमानों के गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में तैनात अमेरिकी नौसेना के पोत के पास से गुजरने की घटना को पेंटागन ने गंभीरता से लिया है। पेंटागन इसे बेहद भड़काऊ कदम माना है। गुरुवार रात एक्स पर पोस्ट किए गए एक बयान में रक्षा विभाग ने लिखा कि यह कदम हमारे मादक-आतंकवाद विरोधी अभियानों में बाधा डालने के लिए उठाया गया।

रिपोर्ट के अनुसार, पेंटागन ने यह जानकारी देते हुए बयान में वेनेज़ुएला के कार्टेल को सख्त सलाह दी है कि वह अमेरिकी सेना के मादक पदार्थों और आतंकवाद विरोधी अभियानों में हस्तक्षेप करने का प्रयास न करे। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी नौसेना ने हाल ही में कैरिबियन और प्रशांत महासागर में आठ जहाज तैनात किए हैं। इस घटनाक्रम पर सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट में विस्तार से जानकारी दी गई है। रिपोर्ट में रक्षा विभाग के अनेक अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि गुरुवार को वेनेज़ुएला के दो सशस्त्र एफ-16 लड़ाकू विमानों ने यूएसएस जेसन डनहम (युद्धपोत) के ऊपर से उड़ान भरी। कार्टेल ने एक तरह से शक्ति प्रदर्शन किया। हाल ही में अमेरिकी नौसेना के जहाजों को वेनेज़ुएला के तटीय जलक्षेत्र में भेजा गया है, क्योंकि राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप ने ड्रग कार्टेल पर नकेल कसने का संकल्प लिया है। इस वजह से ट्रंप और वेनेज़ुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के बीच तनाव बढ़ रहा है। ट्रंप प्रशासन ने मादुरो पर अमेरिका में नशीले पदार्थों की तस्करी के लिए ड्रग कार्टेल के साथ गठजोड़ करने का आरोप लगाया है। अमेरिकी ने हाल ही में मादुरो की गिरफ्तारी पर इनाम की राशि को दोगुना करके 5 करोड़ डॉलर कर दिया है। उधर, वेनेज़ुएला सरकार ने इन आरोपों का खंडन किया है।मादुरो ने इस सप्ताह की शुरुआत में अमेरिकी युद्धपोतों को आपराधिक और खतरनाक ख़तरा बताया था। ट्रंप और विदेशमंत्री मार्को रुबियो के अनुसार, मंगलवार को अमेरिकी सेना ने वेनेज़ुएला से ड्रग्स ले जा रही थी एक नाव पर हमला किया था। अमेरिकी सेना ने दावा किया था कि उसने नाव पर सवार 11 लोगों को मार डाला। इन 11 लोगों के वेनेज़ुएला के गिरोह ट्रेन डे अरागुआ से जुड़े होने का संदेह था।

कश्मीर डूब चुका है, पर राहत और सहायता अभी कोसों दूर

जम्मू, 05 सितंबर (ब्यूरो)।

बाढ़ में कश्मीर पूरी तरह से डूब चुका है। पर राहत और सहायता अभी कोसों दूर है। जम्मू कश्मीर में बारिश और बाढ़ के चलते आम लोग परेशान हैं और सरकार से मदद की उम्मीद और गुहार लगा रहे हैं। कल पंपोर के चक-शालीना में झेलम के तटबंध के टूट जाने के बाद पुलवामा, बडगाम और श्रीनगर के कई इलाके बाढ़ के पानी में डूब गए। तटबंध के टूटने के 48 घंटे बाद भी भारी मात्रा में पानी इन इलाकों में घुस रहा है। बाढ़ के पानी में तीन जिलों के करीब 112 गांव डूब चुके हैं और यहां पर मकान, दुकान, फैक्ट्री और वेयरहाउस पानी के नीचे आ चुके हैं। अब प्रभावित लोग सिर्फ नुकसान का आकलन कर सकते हैं। क्या गरीब और क्या अमीर सब बाढ़ के विनाश का शिकार हो चुके हैं।

बाढ़ के पानी ने कटाई के लिए तैयार खेतों को बर्बाद कर दिया है। श्रीनगर के बाहरी इलाके में तटबंध टूटने के कारण 5-6 हजार एकड़ पर खड़ी फसल बर्बाद हो चुकी है। राजधानी श्रीनगर से महज 10 किमी की दूरी पर भी चक-शाली के यह इलाके विकसित नहीं हो पाए हैं। सरकारी दस्तावेजों में यह पूरा इलाका फ्लड चैनल, मतलब झेलम के फ्लड एरिया के तौर पर घोषित है, इसीलिए यहां निर्माण नहीं हो सकता। लेकिन सच यह है कि मकान, दुकान, कारोबारी अनुष्ठान और यहां तक कि सरकारी दफ्तर, हाईवे और रेलवे भी इसी जमीन के बीच से बनाए गए हैं। विडंबना यह है कि जिस समय बाढ़ आई, तब जम्मू कश्मीर सरकार का बिजली विभाग इलाके में स्मार्ट मीटर लगा रहा था। मुख्यमंत्री ने जब शुक्रवार को इलाके में आई बाढ़ के बाद दौरा किया, तो लोगों को मदद देने का आश्वासन भी दिया।

केंद्र सरकार से कश्मीर के बाढ़ प्रभावित लोगों को हुए नुकसान के लिए रिलीफ पैकेज की मांग भी उठाई। लेकिन साथ-साथ पिछले 11 सालों में झेलम फ्लड मिटिगेशन प्लान पर काम न होने का ठीकरा बिना नाम लिए पीडीपी-भाजपा सरकार और उपराज्यपाल शासन पर डाल दी। लेकिन सच यह है कि सरकार की अनदेखी के बिना इतना बड़ा इलाका बस नहीं सकता था, और न ही इतना बड़ा नुकसान भी होता।

कश्मीर के प्रमुख स्थानों पर झेलम नदी के खतरनाक स्तर से ऊपर उठने के साथ ही एक और जलप्रलय की आशंका पैदा हो गई है। साल 2014 की विनाशकारी त्रासदी के बाद से अब तक 7 बार बाढ़ की आशंकाएं सामने आई हैं। इससे स्थानीय लोग सुरक्षा के आश्वासन न मिलने से चिंतित और निराश हैं। बुधवार शाम को, अनंतनाग के संगम पर नदी का जलस्तर सुबह 11 बजे 22 फीट से बढ़कर शाम 6 बजे 27 फीट हो गया। यह 25 फीट के खतरे के निशान से काफी ऊपर था। श्रीनगर के राम मुंशी बाग में, आधी रात को पानी 22.25 फीट तक पहुंच गया, जो 21 फीट के बाढ़ के निशान को पार कर गया। ताजा बाढ़ की घटना आपदा की श्रृंखला में नवीनतम है। इसने सितंबर 2014 से घाटी में कदम रखा था, जब 300 से अधिक लोगों की जान गई थी। साथ ही बड़े पैमाने पर विनाश हुआ था। तब से झेलम ने कम से कम 7 बार खतरे के स्तर को छुआ या पार किया है। इसमें मार्च 2015, जुलाई 2017, जुलाई 2018, अप्रैल 2019 और हाल ही में इस साल अगस्त के अंत में भी शामिल है।

प्रदेश के 81 गुरुजन राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित

लखनऊ, 05 सितंबर (एजेंसियां)।

राजधानी के लोकभवन सभागार में शुक्रवार को शिक्षक दिवस के अवसर पर राज्य शिक्षक पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भारत रत्न, पूर्व राष्ट्रपति एवं महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर बेसिक और माध्यमिक शिक्षा क्षेत्र के कुल 81 शिक्षकों को राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसमें बेसिक शिक्षा के 66 और माध्यमिक शिक्षा के 15 शिक्षकों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए शामिल किया गया।

कार्यक्रम में एससीईआरटी द्वारा तैयार की गई बाल कहानी संग्रह गुल्लक, बाल वाटिका, हस्तपुस्तिका, शैक्षिक नवाचारों के संकलन की पुस्तिका उद्गम का विमोचन और उद्गम के डिजिटल प्लेटफॉर्म का शुभारंभ किया गया। बता दें कि गुल्लक के माध्यम से शिक्षक विद्यार्थियों के ज्ञान को सहज और रोचक बनाने के साथ साथ नैतिक एवं मानवीय मूल्यों को विकसित करने में सफल हो सकेंगे। पुस्तक उद्गम में शिक्षकों द्वारा विद्यालयों में किये जा रहे नवाचारों के उत्कृष्ट प्रयासों को समाहित किया गया है। इसके अलावा बेसिक और माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा संचालित समर कैम्प और वृक्षारोपण से संबंधित लघु फिल्म का भी प्रदर्शन हुआ। समारोह की शुरुआत जनता गर्ल्स आलमबाग की छात्राओं ने सरस्वती वंदना से की। मुख्यमंत्री द्वारा इस अवसर पर बेसिक शिक्षा और माध्यमिक शिक्षा से जुड़े 5-5 प्रधानाचार्य/शिक्षकों को सम्मान स्वरूप 25 हजार की धनराशि, प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह के रूप में मां सरस्वती की प्रतिमा एवं शॉल भेंट किया गया।

सम्मानित शिक्षकों में बेसिक शिक्षा विभाग से भदोही के सहायक अध्यापक संतोष कुमार सिंह, मेरठ से सहायक अध्यापिका रेनू सिंह, लखीमपुर खीरी से सहायक अध्यापिका मोहिनी श्रीवास्तव, प्रयागराज से सहायक अध्यापिका डॉ. रीना मिश्रा, गोरखपुर से सहायक अध्यापक प्रमोद कुमार सिंह शामिल रहे। माध्यमिक शिक्षा से जुड़े हमीरपुर के प्रधानाचार्य रामप्रकाश गुप्त, गाजियाबाद की अध्यापिका वाणिज्य कोमल त्यागी, बरेली से प्रधानाचार्य चमन जहां, जौनपुर से प्रधानाचार्य जंगबहादुर, गोरखपुर के विज्ञान अध्यापक डॉ. वीरेन्द्र कुमार पटेल को मुख्यमंत्री ने मंच से सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रदेश के 2204 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को टैबलेट वितरण किया गया। इनमें महोबा से सरगम खरे और ज्ञानवंत सिंह, प्रयागराज के धर्मेन्द्र कुमार, चंदौली के राजेश यादव और गाजियाबाद की डॉ. विभा चौहान को मुख्यमंत्री द्वारा मंच से टैबलेट प्रदान किया गया।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के 1236 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में स्थापित स्मार्ट क्लास का भी लोकार्पण किया और पांच विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को इस बाबत मंच से प्रमाण पत्र प्रदान किया।

इनमें बांदा के अजय प्रकाश सिंह, गाजीपुर के दिनेश यादव, गोरखपुर की किरणमई तिवारी, ललितपुर की अंजना वर्मा और गोरखपुर से विश्वप्रकाश सिंह शामिल थे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ माध्यमिक शिक्षा मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी, बेसिक शिक्षा मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह, प्रभारी मुख्य सचिव एवं माध्यमिक शिक्षा एवं बेसिक शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार, महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा सहित प्रदेशभर से आए शिक्षकगण उपस्थित रहे।

बिजनौर में तेंदुए का आतंक जारी

12 साल की लड़की को खेत में खींच ले गया, गले पर दांत गड़ाकर मारा

बिजनौर, 05 सितंबर (एजेंसियां)।

नगीना देहात थाना क्षेत्र के गांव कंडरावाली में शुक्रवार देर शाम गुलदार (तेंदुए) ने 12 वर्षीय बालिका गुड़िया को मार डाला। गुलदार बालिका को डेरे से खींचकर गन्ने के खेत में ले गया और मार डाला। शोर सुनकर लोग पहुंचे तो गुलदार खेतों में गुम हो गया। ग्रामीणों ने गुलदार के आतंक से निजात दिलाने की मांग की है। लखीमपुर खीरी निवासी प्रेम सिंह अपने परिवार के साथ कई वर्षों से गांव कंडरावाली में रहकर खेतों में मजदूरी कार्य कर रहा है। शुक्रवार देर शाम वह अपने परिवार के साथ डेरे पर था। प्रेम सिंह की पुत्री गुड़िया किसी कार्य से डेरे से बाहर निकली। इसी दौरान घात लगाए बैठे गुलदार ने गुड़िया पर हमला कर दिया। गुलदार गुड़िया को खींचकर गन्ने के खेत में ले गया। शोर सुनकर जब तक परिवार मौके पर पहुंचा, तब तक गुड़िया की मौत हो चुकी थी। सूचना पर सीओ अंजनी कुमार चतुर्वेदी और रेंजर सचिन शर्मा, डिप्टी रेंजर महिपाल सिंह टीम के साथ मौके पर पहुंचे। बालिका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। मंडावली थाना क्षेत्र के गांव रामदासवाली में गुलदार ने सोमवार देर शाम भी आठ वर्षीय कनिष्क पर हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया था।

भारत के सीमा विवाद पर सीडीएस अनिल चौहान का बड़ा बयान

चीन सबसे बड़ी चुनौती पाकिस्तान छद्म युद्ध

गोरखपुर, 05 सितंबर (एजेंसियां)।

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि चीन भारत के लिए सबसे बड़ी रणनीतिक चुनौती है, और यह स्थिति आगे भी बनी रहेगी। उन्होंने यह बात उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में एक राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही।

जनरल अनिल चौहान ने कहा कि चीन के साथ सीमा विवाद भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती है, और आगे भी रहेगी। यह सिर्फ एक सैन्य या सीमा मुद्दा नहीं है, बल्कि एक व्यापक रणनीतिक प्रतिस्पर्धा है।

सीडीएस ने स्पष्ट किया कि चीन के साथ लगातार तनावपूर्ण सीमा विवाद, रणनीतिक विस्तारवाद और क्षेत्रीय प्रभाव को देखते हुए भारत के लिए यह देश सबसे गंभीर राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौती प्रस्तुत करता है।

चीन ने न केवल हमारी सीमाओं पर दावे किए हैं, बल्कि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में अपनी ताकत का प्रदर्शन बढ़ाया है। यह एक लंबी अवधि की चुनौती है, जिसके लिए भारत को रणनीतिक रूप से तैयार रहना होगा।

सीडीएस ने पाकिस्तान को दूसरी बड़ी चुनौती बताया और कहा कि वह भारत के खिलाफ छद्म युद्ध छेड़े हुए है। पाकिस्तान की रणनीति भारत को 'हजार घाव देकर खून बहाना' है। आतंकवाद, सीमा पार से घुसपैठ और गुप्त युद्ध के माध्यम से वह हमारी सुरक्षा और अखंडता को कमजोर करना चाहता है।

उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसी गतिविधियां भले ही सीमित युद्ध न लगें, लेकिन लंबे समय तक राष्ट्र को कमजोर कर सकती हैं।

सीडीएस ने क्षेत्रीय अस्थिरता को भी गंभीर चिंता का विषय बताया। उन्होंने कहा कि हमारे सभी पड़ोसी देश - चाहे बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका, अफगानिस्तान या म्यांमार - सामाजिक, राजनीतिक या आर्थिक अशांति का सामना कर रहे हैं। इससे भारत की सुरक्षा को अप्रत्यक्ष रूप से खतरा हो सकता है।

जनरल चौहान ने यह भी बताया कि आधुनिक युद्ध के क्षेत्र बदल गए हैं। अब युद्ध सिर्फ भूमि, जल और वायु तक सीमित नहीं हैं। साइबर स्पेस और अंतरिक्ष अब युद्ध के महत्वपूर्ण क्षेत्र बन गए हैं। आज कोई भी देश इन्हें नजरअंदाज नहीं कर सकता। भारत को इन डोमेन में भी अपनी क्षमताएं मजबूत करनी होंगी। एक बड़ी चुनौती के तौर पर सीडीएस ने यह भी उल्लेख किया कि भारत के दोनों प्रमुख प्रतिद्वंद्वी - चीन और पाकिस्तान - परमाणु शक्तियां हैं। इससे युद्धकालीन निर्णय लेना और भी जटिल हो जाता है। हमें हर कार्रवाई में संयम और रणनीतिक गहराई बरतनी होगी।

सीडीएस चौहान गोरखनाथ मंदिर पहुंचे थे, जहां महंत दिग्विजयनाथ और महंत अवैद्यनाथ महाराज की पुण्यतिथि पर आयोजित वार्षिक व्याख्यानमाला में उन्होंने भारत के समक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियां विषय पर भाषण दिया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी उपस्थित थे।

जेडीयू को लगा तगड़ा झटका, दो दिग्गज नेताओं ने जन सुराज पार्टी का दामन थामा

पटना , 05 सितंबर (एजेंसियां)।

बिहार में जनता दल यूनाइटेड को एक और झटका लगा है। पार्टी के दो वरिष्ठ नेता, दसाई चौधरी और भुवन पटेल अपने समर्थकों के साथ पूर्व चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर के राजनीतिक दल जन सुराज पार्टी में शामिल हो गए हैं। यह घटनाक्रम बिहार विधानसभा चुनावों से पहले जेडीयू में आंतरिक असंतोष के बीच हुआ है। उदय सिंह के नेतृत्व में जन सुराज पार्टी में इन अनुभवी नेताओं का शामिल होना संगठन के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन माना जा रहा है। उदय सिंह ने इस मौके पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जमकर निशाना साधा और कहा कि वे गलत लोगों से घिरे हुए हैं।

शुक्रवार को शेखपुरा हाउस में स्थित जन सुराज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय सिंह के आवास पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में दसाई चौधरी और भुवन पटेल को पार्टी का पीला स्कार्फ पहनाकर स्वागत किया गया।

उदय सिंह ने मीडिया को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, 'नीतीश कुमार ने कभी अच्छे लोगों के साथ सही रास्ते पर चलना शुरू किया था, लेकिन अब वे भटक गए हैं। वे ऐसे लोगों से घिरे हुए हैं जो बिहार को विनाश की ओर धकेल रहे हैं। इतिहास में उनका नाम सुनहरे अक्षरों में नहीं लिखा जाएगा।' उदय सिंह ने यह भी स्पष्ट किया कि दोनों नेता जेडीयू पद के लिए नहीं छोड़ रहे हैं, बल्कि इसलिए छोड़ रहे हैं क्योंकि वे पार्टी में 'घुटन' महसूस कर रहे थे।

तीन बार के एमएलए और पूर्व सांसद व चंद्रशेखर सरकार में मंत्री रहे दसाई चौधरी ने कहा कि उन्होंने लालू यादव के खिलाफ नीतीश कुमार का समर्थन किया था। लेकिन उन्हें कभी भी संगठन या सरकार में कोई जिम्मेदारी नहीं दी गई। चौधरी ने कहा, 'मैं यहां चुनाव लड़ने के लिए नहीं हूं। मैं केवल सम्मान के साथ संगठन के लिए काम करना चाहता हूं।'

समता पार्टी के संस्थापक सदस्य, पूर्वी और पश्चिमी चंपारण के पूर्व जिला अध्यक्ष और बिहार और उत्तर प्रदेश में जेडीयू के चुनाव पर्यवेक्षक रहे भुवन पटेल ने कहा कि नीतीश कुमार एक प्रतिभाशाली मुख्यमंत्री हैं। लेकिन उन्होंने दावा किया कि उम्र के कारण, अन्य लोग उनकी ओर से सरकार चला रहे हैं और पुराने कार्यकर्ताओं को दरकिनार कर रहे हैं। पटेल ने दावा किया कि उन्होंने पहले जेडीयू में प्रशांत किशोर के साथ काम किया था और अब वे सम्मान और उत्साह के साथ जन सुराज में शामिल हो रहे हैं।

दसाई चौधरी एक अनुभवी नेता हैं। वे पहले भी कई महत्वपूर्ण पदों पर रह चुके हैं। उनका जन सुराज पार्टी में शामिल होना निश्चित रूप से पार्टी को मजबूत करेगा। इसी तरह, भुवन पटेल भी एक अनुभवी नेता हैं। उन्होंने बिहार और उत्तर प्रदेश में जेडीयू के लिए काम किया है। उनका जन सुराज पार्टी में शामिल होना भी पार्टी के लिए फायदेमंद होगा।

जन सुराज पार्टी के नेता उदय सिंह ने नीतीश कुमार पर जो आरोप लगाए हैं, वे गंभीर हैं। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार गलत लोगों से घिरे हुए हैं और वे बिहार को विनाश की ओर धकेल रहे हैं। इन आरोपों पर नीतीश कुमार को जवाब देना होगा। यह देखना दिलचस्प होगा कि जन सुराज पार्टी बिहार की राजनीति में क्या भूमिका निभाती है। पार्टी के नेता प्रशांत किशोर एक जाने-माने राजनीतिक रणनीतिकार हैं। उनकी रणनीति से पार्टी को निश्चित रूप से फायदा होगा। इस घटनाक्रम से बिहार की राजनीति में हलचल मच गई है। जेडीयू को अपने नेताओं को खोने से नुकसान हुआ है।

रैंकिंग में एएमयू दो पायदान नीचे

अलीगढ़, 05 सितंबर (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय संस्थान रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) के सर्वश्रेष्ठ यूनिवर्सिटी, शोध, इंजीनियरिंग, डेंटल, मेडिकल, प्रबंधन, आर्किटेक्चर की रैंकिंग में गिरावट आई है।

यूनिवर्सिटी रैंकिंग में एएमयू को 10वीं रैंक मिली है, जबकि मैनेजमेंट और लॉ की रैंकिंग में सुधार हुआ है। वर्ष 2024 में यूनिवर्सिटी आठवें स्थान पर थी। वर्ष 2025 में 10वें स्थान पर है। वर्ष 2022 में यूनिवर्सिटी की 11वीं रैंक थी। सर्वश्रेष्ठ यूनिवर्सिटी, शोध, इंजीनियरिंग, डेंटल, आर्किटेक्चर की रैंकिंग में गिरावट से इंतजामिया उन कारणों की छानबीन में जुटा है जो रैंकिंग की गिरावट को जिम्मेदार हैं। कहां खामियां रह गई है, इस पर चिंतन में जुट गया है।

नेहा कक्कड़ के नए गाने तू प्यासा है, मैं पानी सनम ने मचाई सोशल मीडिया पर धूम

बॉलीवुड की मशहूर सिंगर नेहा कक्कड़ एक बार फिर अपने नए गाने की वजह से चर्चा में हैं। शुक्रवार को उनका लेटेस्ट गाना 'तू प्यासा है मैं पानी सनम' रिलीज हो गया। यूट्यूब पर अब तक इस गाने को 4.5 लाख से ज्यादा बार देखा जा चुका है। नेहा कक्कड़ का यह गाना उनके फैंस के बीच खूब पसंद किया जा रहा है। इसमें उनके बोल्ड और ग्लैमरस अंदाज ने सबका ध्यान खींचा है। इस गाने में नेहा का जलवा और उनकी आवाज का जादू एक बार फिर देखने को मिका है।

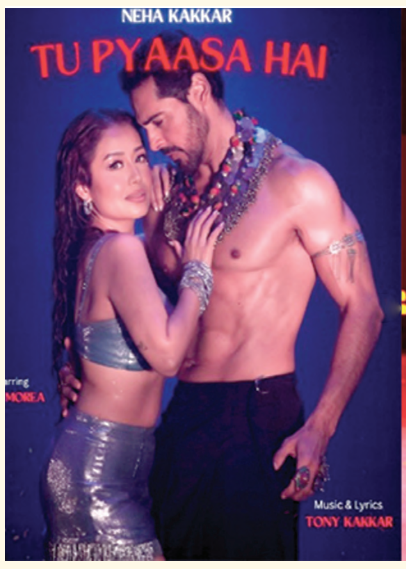

गाने में नेहा कक्कड़ अभिनेता डिनो मोरिया के साथ रोमांस करती नजर आ रही हैं। ऑनस्क्रीन दोनों में कमाल की केमिस्ट्री दिख रही है। गाने की शुरुआत में नेहा की आवाज में एक रोमांटिक अंदाज देखने को मिलता है, जहां वह कहती हैं, भिगा दे हमको तू जालिम, ये बारिश कुछ खास नहीं लगती, ऐसी आदत लगी है, तेरे साथ पीने की, बिन तेरे अब प्यास नहीं लगती। इन लाइंस को आसान और आकर्षक शब्दों में पेश किया गया है, जो सीधे दिल को छू जाते हैं।'तू प्यासा है, मैं पानी सनम' एक रोमांटिक और एनर्जेटिक गाना है, जिसमें नेहा का सिजलिंग अवतार देखने लायक है। गाने का म्यूजिक और बीट्स युवाओं को खूब पसंद आ रहे हैं। डिनो मोरिया की मौजूदगी ने गाने को और भी आकर्षक बना दिया है। इस गाने को यूट्यूब और अन्य म्यूजिक प्लेटफॉर्म्स पर रिलीज किया गया है और कुछ ही घंटों में लाखों व्यूज मिल चुके हैं।

टोनी कक्कड़ ने गाने को लिखने के साथ-साथ संगीतबद्ध भी किया है और इसकी कोरियोग्राफी मोहित और सेरेन ने की है।नेहा कक्कड़ के फैंस इस गाने की जमकर तारीफ कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर लोग उनकी आवाज, स्टाइल और डिनो के साथ उनकी जोड़ी को खूब सराह रहे हैं।

निया शर्मा का पारंपरिक अवतार, पूजा-पाठ में लीन नजर आईं टीवी की बोल्ड अभिनेत्री

टीवी इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री निया शर्मा अपनी बिंदास और बोल्डनेस के लिए जानी जाती हैं। लेकिन इस बार वह पारंपरिक लुक में नजर आईं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए, जिसमें वह सफेद सूट में नजर आ रही हैं, जो उनकी सुंदरता को और निखार रहा है। लुक को आकर्षक बनाने के लिए उन्होंने मिनिमल मेकअप के साथ बड़े-बड़े झुमके पहने हुए हैं।

वीडियो में अभिनेत्री पूजा करती नजर आ रही हैं। वहीं, बाकी तस्वीरों में वह दोस्तों के साथ मस्ती करती दिख रही हैं। उनके इस आध्यात्मिक अंदाज ने फैंस को हैरान कर दिया, क्योंकि वह आमतौर पर अपने ग्लैमरस और स्टाइलिश अवतार के लिए जानी जाती हैं।निया ने वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, पिछले हफ्ते मैं पूरी तरह पूजा-पाठ में डूबी रही! 'गणपति बाप्पा मोरया' जपते हुए और ढेर सारी आरतियां करते हुए मेरा समय बीता।फैंस उनके इस अंदाज की जमकर तारीफ कर रहे हैं और कमेंट्स में उनके लिए प्यार भरे मैसेज लिख रहे हैं।इससे पहले अभिनेत्री ने एक पोस्ट के जरिए बताया था कि वह त्वचा और छोटी-मोटी समस्याओं के लिए केमिकल युक्त उत्पादों की बजाय घरेलू नुस्खों को आजमाने में रुचि रखती हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया था, जिसमें डार्क सर्कल्स को खत्म करने के लिए घरेलू नुस्खा बताया था।

वीडियो में अभिनेत्री बेसन समेत कॉफी, चावल का पानी, हल्दी और थोड़ा शहद को सही अनुपात में लेकर एक पेस्ट बनाकर अप्लाई करती हैं। निया ने इस पैक को सिर्फ डार्क सर्कल्स पर ही नहीं बल्कि अपने पूरे चेहरे पर लगाया। अभिनेत्री ने इसके कैप्शन में लिखा, हर सुबह जब मैं रातभर 5,000 स्किनकेयर और डिटॉक्स ड्रिंक की रील्स देखकर उठती हूं (इतना सब करने के लिए जिंदगी में वाकई बहुत फुर्सत चाहिए), फिलहाल तो कॉफी, बेसन, शहद और हल्दी वाला फेस मास्क ही लगा रही हूं।

द केरला स्टोरी फेम एक्ट्रेस अदा शर्मा ने केरल में धूमधाम से मनाया ओणम

अभिनेत्री अदा शर्मा की फिल्म 'द केरला स्टोरी' एक ब्लॉकबस्टर मूवी थी। इसके लिए उन्हें बेस्ट एक्ट्रेस का नेशनल अवॉर्ड भी मिला था। वह इन दिनों केरल में हैं। यह उनका गृहराज्य है, वहां अदा शर्मा ओणम के त्योहार को मनाने के लिए गई थीं। यहां पर अभिनेत्री ने अपने रिश्तेदारों के साथ ओणम के उत्सव का लुत्फ उठाया। अदा ने बताया कि इस बार का ओणम उनके लिए बहुत ही खास रहा। उन्होंने यहां रंगोली बनाना सीखा और घर के बने लजीज पकवान का भी लुत्फ उठाया।

अदा शर्मा ने कहा, मेरे रिश्तेदार पूरे केरल में हैं। इसलिए अपनी चार दिन की यात्रा में मैं हर एक मौसी के घर एक दिन रुकी। मैंने उनके घर पर ओलान, अवियल और सांभर का भरपूर आनंद लिया। तिरुवनंतपुरम में मेरी दो मौसी हैं, एक मुवत्तुपुझा में और दूसरी त्रिशूर में। जब मैं उनसे मिलने जाती हूं तो वे मुझे बहुत लाड़-प्यार करती हैं।

उन्होंने आगे कहा, जब भी मैं ओणम के लिए केरल जाती हूं तो मैं घर से बाहर भी बहुत कम निकलती हूं, हमारे पास घर पर बातें करने के लिए बहुत कुछ होता है। इस बार मैं उनको एआई से तस्वीरों का रंग बदलना सिखा रही हूं। मैंने कोलम (रंगोली) बनाने की भी कोशिश की, लेकिन अभी इसमें मेरा हाथ थोड़ा तंग है, लेकिन फिर वो मेरी तारीफ करते हैं और इसे कला बताते हैं।

उन्होंने आगे कहा, मैं बहुत खुशकिस्मत हूं कि मुझे इतने शानदार किरदार निभाने और इतने प्रतिभाशाली फिल्म निर्माताओं के साथ काम करने का मौका मिल रहा है। 'द केरला स्टोरी' जैसी कहानियां हों या रीता सान्याल जैसी काल्पनिक कहानियां, मैं उन्हें जितना हो सके, उन्हें उतना असल दिखाने की पूरी कोशिश करती हूं। मैं बहुत खुशकिस्मत हूं कि रचनात्मक फिल्म निर्माता मुझे इतने अलग-अलग प्रकार के किरदार दे रहे हैं।

ब्लू ड्रेस में हिना खान का ग्लैमरस लुक, शेयर की तस्वीर

टेलीविजन की मशहूर अभिनेत्री हिना खान इन दिनों अपने नए रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' को लेकर सुर्खियों में हैं। वह अपने शानदार अभिनय और स्टाइलिश अंदाज के लिए जानी जाती हैं। हिना ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर कीं। हिना ने इन तस्वीरों में डार्क ब्लू कलर की खूबसूरत ड्रेस पहनी है, जो उनकी पर्सनैलिटी को और निखार रही है। इस लुक को और आकर्षक बनाने के लिए उन्होंने मिनिमल मेकअप के साथ ब्लू शेड का आईलाइनर लगाया हुआ है और बालों को हल्के रोल के साथ स्टाइल किया गया है, जो उनके लुक में चार चांद लगा रहा है। हिना ने इन तस्वीरों को कैप्शन दिया, विंग इट आउट, ब्लू ग्लैम।उनकी तस्वीर को लाखों लोगों ने लाइक किया और कमेंट बॉक्स में फैंस 'ब्यूटीफुल,' 'गॉर्जियस,' और 'देसी क्वीन' जैसे शब्दों से सराहना कर रहे हैं।

अभिनेत्री इन दिनों अपने पति रॉकी जायसवाल के साथ रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' में नजर आ रही हैं। वहीं, दर्शक भी उन्हें खूब पसंद कर रहे हैं। उनके स्क्रीन प्रेजेंस ने शो को और भी मजेदार बना दिया है। हिना ने अपने करियर में 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' जैसे धारावाहिकों से लेकर 'बिग बॉस' और 'खतरों के खिलाड़ी' जैसे रियलिटी शो तक में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। अब इस नए शो में उनका अलग अंदाज दर्शकों को बांधे रख रहा है। रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' की बात करें तो इसमें कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी और सोनाली बेंद्रे मिलकर होस्ट कर रहे हैं, जिसमें हिना खान और रॉकी जायसवाल के अलावा, रुबीना दिलैक और अभिनव शुक्ला, अविका गौर और मिलिंद चंदवानी, देबिना बनर्जी और गुरमीत चौधरी, सुदेश लहरी और ममता लहरी, गीता फोगाट और पवन कुमार, साथ ही स्वरा भास्कर और फहाद अहमद नजर आ रहे हैं। शो 2 अगस्त से कलर्स टीवी पर प्रसारित हो रहा है।

51 की उम्र में भी कहर ढा रहीं उर्मिला मातोंडकर

मिनी स्कर्ट में एक्ट्रेस ने दिखाया अपना बोल्ड अवतार

अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर तस्वीरें पोस्ट की। इन तस्वीरों में उर्मिला का स्टाइलिश और आकर्षक अंदाज देखने को मिल रहा है। उर्मिला ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर कई तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनमें वह बेहद खूबसूरत और आत्मविश्वास से भरी नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों में वह स्टाइलिश पोज देती नजर आ रही हैं। लुक की बात करें तो उन्होंने सफेद रंग की शर्ट के साथ नीले रंग की स्कर्ट को पेयर किया है, जिसके ऊपर नीले और सफेद रंग की चेक पैटर्न वाली शर्ट पहनी है। अपने लुक को और निखारने के लिए उन्होंने सफेद रंग के सॉक्स के साथ ट्रेंडी सैंडल कैरी किए। यह लुक उनकी पर्सनैलिटी को भी बखूबी उजागर कर रहा है।

पहली तस्वीर में उर्मिला कैमरे की ओर देखते हुए आत्मविश्वास भरा पोज देती नजर आ रही है। उनकी मुस्कान और आंखों की चमक प्रशंसकों को मंत्रमुग्ध करने के लिए काफी थी। दूसरी तस्वीर में उन्होंने कमर पर हाथ रखकर शानदार अंदाज में पोज दिया, जो उनकी बॉस लेडी वाली छवि को और मजबूत करता है। इन तस्वीरों में उर्मिला का कॉन्फिडेंस और स्टाइल साफ झलक रहा है। उर्मिला ने इन तस्वीरों के साथ कैप्शन दिया, सितंबर के पहले हफ्ते की ओर बॉस लेडी की तरह बढ़ते हुए।उनकी इस पोस्ट को देखकर प्रशंसकों ने कमेंट सेक्शन में उनकी तारीफों के पुल बांध दिए। एक यूजर ने लिखा, आपका स्टाइल हमेशा लाजवाब रहता है, तो दूसरे ने कहा, उर्मिला जी, आप आज भी उतनी ही खूबसूरत लगती हैं।उर्मिला मातोंडकर ने 90 के दशक में अपनी एक्टिंग और खूबसूरती से बॉलीवुड में एक खास मुकाम हासिल किया। उनकी फिल्में आज भी दर्शकों के बीच उतनी ही लोकप्रिय हैं। वह बड़े पर्दे पर आखिरी बार साल 2018 में 'ब्लैकमेल' में नजर आई थीं।

अनन्या पांडे ने पूछा सवाल तो पिता चंकी पांडे ने जवाब दिया कॉमेडी शो

अभिनेत्री अनन्या पांडे ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर एक मजेदार वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने अपने ग्लैमरस लुक से रूबरू कराया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक मजेदार वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह फोटोशूट के लिए तैयार हो रही हैं। वीडियो में अनन्या पिता से हेयर स्टाइल के बारे में पूछती हैं, तो चंकी मजाक में कहते हैं, ये तो कॉमेडी शो जैसा लग रहा है।लुक की बात करें तो अनन्या ने व्हाइट मोतियों से बनी एक ड्रेस पहनी है। उन्होंने मिनिमल मेकअप के साथ कानों में मैचिंग ईयरिंग पहने हैं, जिसमें वह फोटोशूट के लिए पोज देती दिख रही हैं।

इस खास लुक ने उनके प्रशंसकों का ध्यान खींचा। अनन्या ने इसके कैप्शन में लिखा, मेरे पापा कह रहे हैं कि मेरा लुक ग्लैम कॉमेडी शो जैसा है... क्या किसी को मोतियों की आवाज पसंद है? ये वीडियो आपके लिए है। मुझे इस ड्रेस से बहुत प्यार है। वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री जल्द ही कार्तिक आर्यन के साथ 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' में नजर आएंगी। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है, जिसकी जानकारी कार्तिक आर्यन ने खुद इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए दी थी। इसमें नीना गुप्ता और जैकी श्रॉफ जैसे स्टार्स भी अहम भूमिकाओं में होंगे।फिल्म को करण जौहर, अदार पूनावाला, अपूर्वा मेहता और किशोर अरोड़ा मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' अगले साल सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह कार्तिक और अनन्या की दूसरी फिल्म है। इससे पहले दोनों 2019 में 'पति पत्नी और वो' में साथ नजर आ चुके हैं। इसी के साथ ही अभिनेत्री लक्ष्य लालवानी के साथ फिल्म 'चांद मेरा दिल' में नजर आएंगी। यह एक लव स्टोरी है, जिसका निर्देशन विवेक सोनी ने किया है।

गणेश विसर्जन में रखें इन बातों का खास ध्यान

सभी देवताओं में प्रथम गणपति बप्पा इस साल 27 अगस्त 2025 को पधारे हैं। ऐसे में शनिवार 6 सितंबर 2025, अनंत चतुर्दशी के मौके पर बप्पा अपने भक्तों से विदाई लेंगे। ज्यादातर लोग गणेश विसर्जन के महत्वपूर्ण नियमों को भूल जाते हैं, आप भी उनमें से एक न बनें, इसलिए आज हम आपको गणेश विसर्जन से जुड़े कुछ खास नियमों के बारे में बताएंगे।

गणेश विसर्जन 2025 नियम

मुख दिशा

गणपति जी को विसर्जन के लिए ले जाते समय उनका मुख घर की ओर रखें, ताकि जाने से पहले बप्पा घर को आशीर्वाद दे सकें।

आरती सामग्री

बप्पा की विदाई के वक्त उनकी पूजा अर्चना और आरती की जाती है। इसलिए पूजा से जुड़ी समाग्री फल, फूल, सुपारी, चावल, हल्दी, 21 दूर्वा, कुमकुम और मिठाई से बप्पा को विदा करें।

लाल कपड़े से जुड़ा अनुष्ठान

एक नारियल या सुपारी को हल्दी, चावल के साथ लाल कपड़े में लपेटकर ऋद्धि-सिद्धि और शुभ-लाभ के लिए अपनी तिजोरी में एक जगह सुरक्षित रख दें।

प्रसाद

गणेश विसर्जन के दौरान बप्पा को 5 मोदक चढ़ाएं और इसे सभी भक्तों में बांटें।

विसर्जन जल

मुमकिन हो तो घर में ही साफ बर्तन या बाल्टी में पानी भरकर पर्यावरण के अनुकूल ही विसर्जन करें। बाद में इस पानी को किसी पेड़ के नीचे या पौधों में डाल दें।

मंत्र और जप

विसर्जन से पहले 3 बार घड़ी की दिशा में परिक्रमा लगाएं। इस के बाद बप्पा का विसर्जन भक्ति और आनंद के साथ गणपति बप्पा मोरया, पूधच्या वर्षी लवकर या या गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ जैसे जयकारे लगाएं।

घर के लिए आशीर्वाद

बप्पा को विदाई देने से पहले उनके चरणों में झुककर पूरे परिवार की सेहत, धन और समृद्धि का आशीर्वाद मांगे।

अनंत चतुर्दशी पर गणेश विसर्जन के पांच मुहूर्त

गणेश चतुर्थी से अनंत चतुर्दशी तक गणेश उत्सव धूमधाम से मनाया जाता है। अनंत चतुर्दशी पर बप्पा को विदाई दी जाती है और गणेश विसर्जन किया जाता है। इस साल अनंत चतुर्दशी 6 सितंबर 2025 को है, इस दिन गणेश विसर्जन के लिए कौन-कौन से शुभ मुहूर्त बन रहे हैं और कैसे करें गौरी पुत्र गजानन को विदा यहां जानें।

अनंत चतुर्दशी पर गणेश विसर्जन मुहूर्त 2025

चतुर्दशी तिथि प्रारम्भ - 6 सितंबर 2025, सुबह 3:12
चतुर्दशी तिथि समाप्त - 7 सितंबर 2025, सुबह 01:41
प्रातः मुहूर्त (शुभ) सुबह 07:36 - सुबह 09:10
अपराह्न मुहूर्त (चर, लाभ, अमृत) दोपहर 12:19 - शाम 05:02
सायाह्न मुहूर्त (लाभ) शाम 06:37 - रात 08:02
रात्रि मुहूर्त (शुभ, अमृत, चर) रात 09:28 - देर रात 01:45
उषाकाल मुहूर्त (लाभ) 7 सितंबर को सुबह 04:36 - सुबह 06:02

10 दिन बाद गणेश विसर्जन करना क्यों जरुरी ?

अनंत चतुर्दशी पर गणेश उत्सव के 10 दिन पूरे हो जाते हैं इसलिए इस दिन बप्पा को विदा करना जरुरी है, क्योंकि शास्त्रों के अनुसार गणेश चतुर्थी पर अगर आपने 10 दिन बप्पा की स्थापना का संकल्प लिया है तो गणेश मूर्ति उसे उचित समय और विधि से विसर्जित करना आवश्यक होता है, ऐसा नहीं करने पर दोष लगता है।

गणेश विसर्जन विधि

शुभ मुहूर्त में ही गणेश जी की प्रतिमा का विसर्जन करना चाहिए।

विसर्जन से पहले गणपति की अंतिम पूजा करें, उन्हें दूर्वा, फूल, मोदक, और लड्डू का भोग लगाएं।

गणेश मंत्रों का जाप करें, जैसे ॐ गं गणपतये नमः और गणेश स्तोत्र का पाठ करें।

परिवार के सभी सदस्यों के साथ गणेश जी की आरती करें। फिर धूमधाम से नाचते गाते बप्पा की मूर्ति और सामग्री को जल में प्रवाहित करें।

घर पर विसर्जन कर रहे हैं तो किसी साफ बर्तन का इस्तेमाल करें।

मूर्ति को जल में विसर्जित करने से पहले गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ का जयकारा लगाएं।

घर में जब बप्पा की मूर्ति पूरी तरह पानी में गल जाए तो इस जल को पौधों में डाल दें।

अनंत चतुर्दशी तक भूलकर भी न करें ये काम

गणेश चतुर्थी पर्व की शुरुआत 27 अगस्त 2025 से हो चुकी है। इस दौरान भक्त बप्पा की मूर्ति घर पर लाते हैं और श्रद्धा पूर्वक स्थापना करते हैं। इसके 10 दिनों बाद प्रेमपूर्वक बप्पा का विसर्जन कर दिया जाता है। हालांकि कुछ लोग डेढ़, 3, 5 या 7 दिनों के बाद भी विसर्जन कर देते हैं। गणपति उत्सव में बप्पा का घर आना पूरे वातावरण को आध्यात्मिकता से भर देता है। बप्पा के घर आते हैं वातावरण पवित्र और शुद्ध हो जाता है। लेकिन आपको भी ध्यान रखना होगा कि, जब तक गणपति आपके घर पर रहें, तब कुछ कामों को करने से बचें, वरना इसका असर सुख-शांति पर पड़ सकता है।

गणपति स्थापना के दिन से लेकर जब तक बप्पा आपके घर पर रहें तब तक वातावरण को शांतिपूरण और शुद्ध रखें। इस दौरान क्रोध, लड़ाई-झड़गा न करें। ऐसा कोई काम न करें, जिससे घर पर कलह-क्लेश जैसी स्थिति उत्पन्न हो। गणपति स्थापना के दिन से लेकर जब तक बप्पा आपके घर पर रहें तब तक वातावरण को शांतिपूरण और शुद्ध रखें। इस दौरान क्रोध, लड़ाई-झड़गा न करें।

ऐसा कोई काम न करें, जिससे घर पर कलह-क्लेश जैसी स्थिति उत्पन्न हो। गणपति के घर पर होने से घर को भी पूरी तरह से साफ-सुथरा रखें। खासकर पूजास्थल के पास किसी तरह की गंदगी नहीं होनी चाहिए। इस स्थान पर ताजे फूल-माला रखें और वातावरण को सुगंधित रखें। ऐसी भी मान्यता है कि, गणपति उत्सव के समय बाल-दाढ़ी या नाखून भी नहीं काटने चाहिए। साथ ही घर पर जूते-चप्पल पहनकर भी नहीं आना चाहिए। इससे बप्पा का अपमान होता है।

गणेश विसर्जन के बाद क्यों खास मानी गई है विघ्नराज संकष्टी चतुर्थी?

गणेश विसर्जन 6 सितंबर को है, गणेश जी को विदा देने के बाद बप्पा के भक्तों को उनके अगले बरस आने का इंतजार रहता है। गणेश विसर्जन के बाद बप्पा की पूजा के लिए सबसे खास दिन होता है अश्विन माह की संकष्टी चतुर्थी जो इस साल 10 सितंबर 2025 को है।

इसे विघ्नराज संकष्टी चतुर्थी के नाम से जाना जाता है। गणेश उत्सव के बाद विघ्नराज संकष्टी क्यों खास मानी गई है आइए जानते हैं।

विघ्नराज संकष्टी चतुर्थी 2025 मुहूर्त

अश्विन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि 10 सितंबर को दोपहर 3।37 से शुरू होकर 11 सितंबर 2025 को दोपहर 12 बजकर 45 मिनट पर होगा।
गणेश जी पूजा का समय - सुबह 6।04 - सुबह 7।37
सुबह 7.37 - सुबह 9.11
शाम 4.58 - शाम 6.32
चंद्रोदय समय - रात 08.06

विघ्नराज संकष्टी चतुर्थी महत्व

गणेश उत्सव के दौरान 10 दिन तक बप्पा भक्त के भक्त धूमधाम से ये पर्व मनाते हैं। ऐसे में गणेश विसर्जन के बाद ये पहला व्रत होता है जो गणपति जी को समर्पित है, इसलिए इसकी विशेष मान्यता है। विघ्नराज संकष्टी चतुर्थी व्रत संतान प्राप्ति, स्वास्थ्य लाभ और आर्थिक समस्याओं से मुक्ति के लिए भी बहुत फलदायी माना जाता है। संकष्टी चतुर्थी का अर्थ ही संकटों को हरने वाली चतुर्थी है, इसलिए यह व्रत जीवन की सभी बाधाओं को दूर करने में सहायक होता है।

सुख-समृद्धि में वृद्धि - संकष्टी चतुर्थी का व्रत रखने से घर परिवार में सुख-शांति और आर्थिक समृद्धि बनी रहती है।

नकारात्मकता का नाश - सच्चे मन से गणपति बप्पा की आराधना करने से जीवन में सकारात्मकता आती है और नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है।

घर में सुख-समृद्धि बढ़ाने के लिए वास्तु चिन्ह

घर में सुख, समृद्धि और धन का प्रवाह बढ़ाने के लिए वास्तु शास्त्र में कई सरल उपाय बताए गए हैं। ये उपाय ना केवल आर्थिक स्थिरता लाते हैं, बल्कि परिवार में शांति और सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी करते हैं। सही दिशा और सही तरीके से इन उपायों को अपनाने से धन चुंबक की तरह खिंचा चला आता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा। अनीष व्यास ने बताया कि वास्तु के अनुसार यदि घर में कुछ प्रभावशाली चिन्ह को रखा जाए, तो घर में सुख-समृद्धि वास करती हैं। साथ ही बरकत और खुशहाली पर इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। हिंदू धर्म और वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ मंगलकारी चित्र, छाप या मांडना से घर में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है। यह मंगल प्रतीक सुख, शांति, समृद्धि और शुभता लाते हैं। इन्हें घर के द्वार, मंदिर या दीवारों पर उचित दिशा में लगाना चाहिए। हल्दी के हाथ की छाप को पंचसूलक कहते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार यह नकारात्मक शक्तियों को बाहर ही रोक देता है। वास्तु उपायों का पूरा लाभ पाने के लिए कुछ नियमों का पालन करें। स्वास्तिक, गुल्लक, और गंगाजल को साफ और पवित्र स्थान पर रखें। इन चीजों को सकारात्मक मन और श्रद्धा के साथ स्थापित करें। नियमित रूप से पूजा स्थल और लॉकर की साफ-सफाई करें। मंत्र जाप, जैसे 'ॐ श्री लक्ष्मी नारायणाय नमः' के साथ इन उपायों को करें। यह प्रभाव को कई गुना बढ़ाता है।

वास्तु विशेषज्ञ डा। अनीष व्यास ने बताया कि घर में प्रवेश हेतु एक द्वार ही रखें। वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर के मुख्य द्वार पर 3 दरवाजे शुभ नहीं होते हैं। घर में प्रवेश हेतु उत्तर और पूर्व की दिशा बेहतर होती है। दक्षिण की दिशा में भूलकर भी द्वार न दें। इससे घर में नकारात्मक शक्ति का आगमन होता है। घर की उत्तर-पूर्व दिशा में बृहस्पति देव का वास होता है। इसके लिए इस दिशा में पूजा घर रखें। मंदिर में देवी-देवताओं का मुख पूर्व की दिशा में रखें। कहते हैं कि मां लक्ष्मी को साफ-सफाई पसंद होती है इसलिए उनकी कृपा पाने के लिए घर के मुख्य दरवाजे को साफ रखें। घर के बाहर गंदगी फैली होने पर नकारात्मकता बढ़ती है। घर की उत्तर दिशा में मनी प्लांट लगाना लाभदायक होता है। इसके लिए हरे रंग के गमले का प्रयोग करें। अगर आप घर को हरा-भरा बनाना चाहते हैं तो इसी दिशा में कई और पौधे तथा लताएं लगा सकते हैं। इस बात का ध्यान हमेशा रखें कि इसका रंग हरा ही हो। वास्तु के अनुसार घर का रसोईघर दक्षिण-पश्चिम दिशा में होना चाहिए। किचन की दीवारों पर लाल, नारंगी और गुलाबी रंग करें जबकि ड्राइंग रूम और काम करने का स्थान उत्तर दिशा में होना चाहिए। उत्तर दिशा में डस्टबिन, वॉशिंग मशीन, झाड़ू और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को भूलकर भी इस दिशा में न रखें। ऐसा करने से धन की हानि होती है। घर के बाहर उत्तर दिशा में गूलर, पाकड़ आदि वृक्ष न लगाएं। इससे नेत्र संबंधी बीमारियां उत्पन्न होती हैं। साथ ही घर में बेर, केला, पीपल और अनार के पेड़ भी न लगाएं। इससे घर की बरकत चली जाती है।

वास्तु से लाएं सुख-समृद्धि

हर व्यक्ति चाहता है कि उसके घर में धन की कमी न हो और खुशहाली बनी रहे। वास्तु शास्त्र के सरल उपाय मेहनत के साथ-साथ धन और सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करते हैं। मुख्य द्वार, लॉकर, और पूजा स्थल से जुड़े ये उपाय आसान हैं, लेकिन इनका प्रभाव गहरा है।

ओम:

ॐ अनहद नाद का प्रतीक है। ब्रह्मांड में इसी तरह का नाद लगातार गूंज रहा है। ॐ शब्द तीन ध्वनियों से बना हुआ है- अ, उ, म इन तीनों ध्वनियों का अर्थ उपनिषद में भी आता है। भू: लोक, भुव: लोक और स्वर्ग लोक का प्रतीक है। यह धर्म में हमारी आस्था को बढ़ाता है।

पंचसूलक

हल्दी के हाथ की छाप को पंचसूलक कहते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार यह नकारात्मक शक्तियों को बाहर ही रोक देता है। मुख्य प्रवेश द्वार पर लगी पंचसूलक की छाप सुख, शांति, समृद्धि और शुभता लाती है।

मुख्य द्वार पर सही रंग का स्वास्तिक

वास्तु शास्त्र में मुख्य द्वार को सकारात्मक ऊर्जा और धन का प्रवेश द्वार माना जाता है। स्वस्तिक शब्द को 'सु' और 'अस्ति' दोनों से मिलकर बना है। 'सु' का अर्थ है शुभ और 'आस्तिक' का अर्थ है होना यानी जिससे 'शुभ हो', 'कल्याण हो' वही स्वस्तिक है। द्वार पर और उसके बाहर आसपास की दोनों दीवारों पर स्वास्तिक का चिन्ह लगाने से वास्तुदोष दूर होता है और शुभ मंगल होता है। इससे दरिद्रता का नाश होता है। मुख्य द्वार की दिशा के अनुसार सही रंग का स्वास्तिक बनाएं। पूर्व दिशा में हरा, उत्तर में नीला, दक्षिण में लाल और पश्चिम में पीला स्वास्तिक शुभ है। यह ऊर्जा को संतुलित करता है और धन-समृद्धि को आकर्षित करता है।

कमल

हिन्दू पुराणों के अनुसार कमल के फूल की उत्पत्ति भगवान विष्णु जी की नाभि से हुई है और कमल के फूल से ब्रह्माजी की उत्पत्ति मानी जाती है। कमल के पुष्प को ब्रह्मा, लक्ष्मी तथा सरस्वती जी ने अपना आसन बनाया है। कमल का फूल जल से उत्पन्न होकर कीचड़ में खिलता है परंतु वह दोनों से निर्लिप्त रहकर पवित्र जीवन जीने की प्रेरणा देता है। कहते हैं कि कमल के फूल की ही तरह सृष्टि और इस ब्रह्मांड की रचना हुई है और यह ब्रह्मांड इसी फूल की तरह है। मंदिरों के गुंबद और स्तंभों पर कमल की आकृति बनाई जाती है। यह शुभता और समृद्धि का प्रतीक है।

त्रिशूल

त्रिशूल 3 प्रकार के कष्टों दैनिक, दैविक, भौतिक के विनाश का सूचक भी है। यह महाकालेश्वर के 3 कालों (वर्तमान, भूत, भविष्य) का प्रतीक भी है। यह बुरी शक्तियों को रोकता है।

कलश

समुद्र मंथन के दौरान अंत में भगवान धन्वंतरि देव अमृत से भरा कलश लेकर निकले थे। यह कलश उसी का प्रतीक है। कलश को सुख- समृद्धि, ऐश्वर्य देने वाला तथा मंगलकारी माना जाता है। कलश के मुख में भगवान विष्णु, गले में रुद्र, मूल में ब्रह्मा तथा मध्य में देवी शक्ति का निवास माना जाता है। कलश में जल होता है। उसके मुख पर श्रीफल रखते हैं। जल विष्णु और वरुण देव का प्रतीक है और श्रीफल माता लक्ष्मी का प्रतीक माना गया है।

नमस्ते

यह स्वागत का चिन्ह है जो द्वार के दोनों ओर लगाया जाता है। यह अतिथियों के मन में सकारात्मक भाव को लाता है और सौहार्द और विनम्रता का संचार करता है।

शंख

शंख को नादब्रह्म और दिव्य मंत्र की संज्ञा दी गई है। शंख समुद्र मंथन के समय प्राप्त चौदह अनमोल रत्नों में से एक है। लक्ष्मी के साथ उत्पन्न होने के कारण इसे लक्ष्मी भ्राता भी कहा जाता है। शंख सूर्य व चंद्र के समान देवस्वरूप है जिसके मध्य में वरुण, पृष्ठ में ब्रह्मा तथा अग्र में गंगा और सरस्वती नदियों का वास है।

दीपक

सुन्दर और कल्याणकारी, आरोग्य और संपदा को देने वाले दीपक समृद्धि के साथ ही अग्नि और ज्योति का प्रतीक भी है।

मछली

वास्तु के अनुसार यह मछली का चित्र या छाप घर में खुशहाली और शांति को कायम करके उन्नति के रास्ते खोलती है। मछली अच्छे स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि, धन और शक्ति का प्रतीक है। इस छाप को आप अपने घर की उत्तर-पूर्व या पूर्व दिशा में ही लगा सकते हैं।

लॉकर में रखें पीली सरसों

घर का लॉकर धन की स्थिरता का प्रतीक है। वास्तु के अनुसार, लॉकर को पश्चिम दिशा में रखें और उसमें थोड़ी सी पीली सरसों डालें। पीली सरसों बुरी नजर और नकारात्मक ऊर्जा को रोकती है, जिससे धन सुरक्षित रहता है। इसे छोटे लाल कपड़े में बांधकर लॉकर में रखें। यह उपाय आर्थिक स्थिरता और बरकत को बढ़ाता है।

दक्षिण-पश्चिम में मिट्टी का गुल्लक

दक्षिण-पश्चिम दिशा स्थिरता और धन संग्रह के लिए शुभ मानी जाती है। इस दिशा में मिट्टी की गुल्लक रखें और उसमें समय-समय पर सिक्के या नोट डालें। बच्चों के हाथ से गुल्लक में पैसा डलवाना विशेष रूप से शुभ है। यह उपाय धीरे-धीरे धन संचय को बढ़ाता है और आर्थिक मजबूती देता है।

पश्चिम दिशा में लक्ष्मी-नारायण की फोटो

पश्चिम दिशा में लक्ष्मी-नारायण की फोटो लगाना धन और स्थिरता के लिए शुभ है। देवी लक्ष्मी धन की प्रतीक हैं और भगवान नारायण संरक्षण देते हैं। इस फोटो को पूजा स्थल या लिविंग रूम में लगाएं और रोज प्रणाम करें।

ईशान कोण में गंगाजल

उत्तर-पूर्व दिशा (ईशान कोण) को वास्तु में सबसे पवित्र माना जाता है। पूजा स्थल में इस दिशा में गंगाजल की छोटी शीशी रखें। गंगाजल नकारात्मक ऊर्जा को दूर करता है और मानसिक शांति व आत्मिक संतुलन लाता है। समय-समय पर गंगाजल को ताजा करें और पूजा स्थल को साफ रखें। यह धन और सुख को आकर्षित करता है।

डॉ। अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो।9460872809

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे

संपादकीय

दोहरे तोहफों की दीपावली

प्रधानमंत्री मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से देश के साथ जो वायदा किया था, वह साकार होने की प्रक्रिया में है। वाकई इस बार दीपावली और अन्य त्योहारों पर 'दोहरा तोहफा' मिलेगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में जीएसटी परिषद ने 'सुधारों के उपहार' को स्वीकृति दे दी है। अब 22 सितंबर के बाद से आम आदमी, महिलाएं, पुरुष, युवा और औसत घर लाभान्वित होंगे। इस तारीख से 'शारदीय नवरात्र' भी आरंभ हो रहे हैं। सभी का मासिक खर्च कम होगा, तो बचत बढ़ेगी। वह बचत बाजार और औसत खपत में खर्च होगी। इससे एफएमसीजी (तेजी से बिकने वाली उपभोक्ता वस्तुएं), खुदरा और ऑटोमोबाइल आदि कई क्षेत्रों में घटे दामों पर उपभोक्ता-मांग में बढ़ोतरी होगी। विनिर्माण से लेकर सेवा क्षेत्रों में वृद्धि होगी। मांग और खरीद बढ़ेगी, तो उत्पादन भी बढ़ेगा। अंततः देश की अर्थव्यवस्था ही फलेगी-फूलेगी। रोटी, कपड़ा और घर के रोजमर्रा के सामान पर कर (जीएसटी) 12 फीसदी से घट कर 5 फीसदी और इलेक्ट्रॉनिक्स के सामान पर कर 28 फीसदी से घट कर 18 फीसदी हो जाएगा, तो यकीनन आम आदमी राहत महसूस करेगा। महंगाई पहले से ही नियंत्रण में है। यदि प्रधानमंत्री रोजगार के मोर्चे पर भी स्पष्ट योजनाओं की घोषणा कर दें, तो यह देश और भी संपन्न होगा। यदि देश संपन्न होगा और खर्च का माद्दा बढ़ेगा, तो अर्थव्यवस्था भी व्यापक होगी और भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। वैसे जर्मनी और भारत की अर्थव्यवस्था के बीच बहुत कम फासला शेष है, लिहाजा हमारा तीसरी 'आर्थिक महाशक्ति' बनना तय है। जीएसटी 2.0 सुधारों के बाद आठ लंबे सालों के बाद 'ऐतिहासिक बदलाव' है। उसकी प्रक्रिया को आसान बनाया गया है, नतीजतन करोड़ों व्यापारी और खुदरा-व्यवसायी लाभान्वित होंगे। अब कारोबारियों को टैक्स से जुड़े नियमों और कानूनों पर कम खर्च करना पड़ेगा। वे ग्राहक और नवाचार पर अधिक फोकस कर सकेंगे। बताया जा रहा है कि देश में कर घटाने से 2 लाख करोड़ रुपए तक की खपत बढ़ सकती है। इसका फायदा छोटे उद्यमों को ज्यादा होगा। आम आदमी और ग्राहकों को मिलने वाले उत्पादों और सेवाओं की गुणवत्ता में भी सुधार होगा। हालांकि कर्नाटक, तेलंगाना, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, पंजाब, झारखंड, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल जैसी विपक्ष-शासित राज्यों की सरकारों ने करीब 48,000 करोड़ रुपए के राजस्व नुकसान का मुद्दा उठाया है, लिहाजा केंद्र सरकार से मांग की है कि 5 साल तक मुआवजा दिया जाए और वित्तीय सुरक्षा की गारंटी दी जाए। इसमें राजनीति भी हो सकती है। बहरहाल इस मुद्दे पर पर्याप्त विमर्श हुआ होगा! सबसे महत्वपूर्ण यह है कि कैंसर समेत 33 जीवन-रक्षक दवाओं पर कोई जीएसटी नहीं लगेगा। अन्य सभी दवाओं पर अब जीएसटी 12 फीसदी से घट कर 5 फीसदी हो जाएगा। शिक्षण सामग्रियों में नक्शे, चार्ट, ग्लोब, पेंसिल, शार्पनर, पेस्टल, कॉपी, नोटबुक और इरेजर आदि 12 फीसदी और 5 फीसदी से घटा कर 'शून्य जीएसटी' वाले वर्ग में डाल दिए गए हैं। इनके अलावा, हेयर ऑयल, शैंपू, टॉयलेट सोप बार, टूथ ब्रश, शेविंग क्रीम, जिम, सैलून, योग केंद्र आदि पर जीएसटी 18 फीसदी से 5 फीसदी कर दिया गया है। बटर, घी, चीज और डेयरी स्प्रेड, प्री-पैक नमकीन, भुजिया, मिक्सचर, बर्तन, बच्चों के नैपकिन, क्लिनिकल डायपर, सिलाई मशीन और उसके पुर्जे, हैंडीक्राफ्ट आदि पर जीएसटी 12 फीसदी से 5 फीसदी किया गया है। अल्ट्रा हाई टेंपरेचर दूध, छेना, पनीर, रोटी और खाखरा, पराठा, ब्रेड समेत सभी भारतीय रोटी पर जीएसटी अब 5 फीसदी के बजाय शून्य लगेगा। स्वास्थ्य क्षेत्र में व्यक्तिगत स्वास्थ्य और जीवन बीमा 18 फीसदी से घटा कर शून्य किया गया है। हालांकि उपभोक्ताओं पर 5 फीसदी जीएसटी लगेगा। बीमा की दरें अब बहुत कम हो जाएंगी। देश में अभी 57 करोड़ से अधिक लोगों के पास स्वास्थ्य और करीब 31 करोड़ के पास जीवन बीमा है। कृषि, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी सस्ते हो जाएंगे। हालांकि 40 फीसदी का एक और स्लैब रखा गया है, जो सिगरेट, कोल्ड ड्रिंक्स, पान मसाला, तंबाकू, गुटखा आदि विलासिता की वस्तुओं के लिए होगा। इस वर्ग में 350 सीसी से अधिक क्षमता वाली बाइक और निजी विमान भी शामिल हैं। जीएसटी 2.0 से हाथों में सीधे पैसे आएंगे, नतीजतन भारत वैश्विक निर्यात का मजबूत केंद्र बनेगा। हालांकि यह भी सच्चाई है कि आर्थिकी के क्षेत्र में भारत को अभी अमरीका व चीन जैसे देशों की तुलना में लंबी दूरी तय करनी है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में जीएसटी परिषद ने 'सुधारों के उपहार' को स्वीकृति दे दी है। अब 22 सितंबर के बाद से आम आदमी, महिलाएं, पुरुष, युवा और औसत घर लाभान्वित होंगे। इस तारीख से 'शारदीय नवरात्र' भी आरंभ हो रहे हैं। सभी का मासिक खर्च कम होगा, तो बचत बढ़ेगी। वह बचत बाजार और औसत खपत में खर्च होगी। इससे एफएमसीजी (तेजी से बिकने वाली उपभोक्ता वस्तुएं), खुदरा और ऑटोमोबाइल आदि कई क्षेत्रों में घटे दामों पर उपभोक्ता-मांग में बढ़ोतरी होगी। विनिर्माण से लेकर सेवा क्षेत्रों में वृद्धि होगी। मांग और खरीद बढ़ेगी, तो उत्पादन भी बढ़ेगा। अंततः देश की अर्थव्यवस्था ही फलेगी-फूलेगी। रोटी, कपड़ा और घर के रोजमर्रा के सामान पर कर (जीएसटी) 12 फीसदी से घट कर 5 फीसदी और इलेक्ट्रॉनिक्स के सामान पर कर 28 फीसदी से घट कर 18 फीसदी हो जाएगा, तो यकीनन आम आदमी राहत महसूस करेगा। महंगाई पहले से ही नियंत्रण में है। यदि प्रधानमंत्री रोजगार के मोर्चे पर भी स्पष्ट योजनाओं की घोषणा कर दें, तो यह देश और भी संपन्न होगा। यदि देश संपन्न होगा और खर्च का माद्दा बढ़ेगा, तो अर्थव्यवस्था भी व्यापक होगी और भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा।

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में शिरकत करने पहुंचे रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ मोदी ने जो गर्मजोशी दिखाई, वह शेष दुनिया के लिए एक व्यापक संकेत है

पीएम मोदी की चीन व जापान यात्रा के वैश्विक प्रभाव क्या पड़ेंगे?

कमलेश पांडे

अमेरिका से गहराते आर्थिक व नीतिगत तनाव के बीच भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया चीन-जापान यात्रा के अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक मायने बेहद अहम हैं और प्रतिरक्षा रणनीतियों व विकास के लिहाज से भारत के प्रति इसके दुनियावी असर भी बेहद महत्वपूर्ण और कारगर साबित होंगे। ऐसा इसलिए कि पीएम मोदी की इस यात्रा के माध्यम से जहां चीन से द्विपक्षीय सम्बन्धों में गर्माहट आई है, वहीं जापान से पहले से चले आ रहे मधुर सम्बन्धों को और अधिक मजबूती मिली है और कारोबारी विकास का मार्ग प्रशस्त होने के आसार बढ़े हैं। पीएम की इस यात्रा से साफ पता चलता है कि दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने को आतुर भारत अब अपनी रणनीतिक स्वायत्तता के हिसाब से अमेरिका और चीन के साथ गिव एंड टेक के रिश्ते रखते हुए रूस के साथ अपने भरोसेमंद रिश्तों को और प्रगाढ़ बनाना चाहता है। वहीं, अमेरिकी, चीनी और पाकिस्तान परस्त अरब देशों की भावी चुनौतियों का मजबूती पूर्वक सामना करने के लिए दूसरी पंक्ति के देशों, यथा- जापान, इजरायल, फ्रांस, जर्मनी, इंग्लैंड, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, सऊदी अरब, ईरान आदि के साथ मजबूत रणनीतिक सम्बन्ध विकसित करना चाहता है। वहीं, द्विपक्षीय व्यापार हेतु फ्री ट्रेड अग्रीमेंट करने की रणनीति पर भी भारत अमल कर रहा है। इस नजरिए से पीएम मोदी की जापान यात्रा भी बहुत फायदेमंद रही है। वहीं, चीन के तियानजिन में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से पीएम मोदी की मुलाक़ात बेहद सकारात्मक बताई गई है। यहीं पर आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में शिरकत करने पहुंचे रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ मोदी ने जो गर्मजोशी दिखाई, वह शेष दुनिया के लिए एक व्यापक संकेत है। इसके अलावा, मोदी, पुतिन और जिनपिंग की त्रिपक्षीय मुलाकात के हास्य हाव-भाव वाले फ़ोटो ने पश्चिमी दुनिया के नेताओं की नींद उड़ा डाली है। दरअसल, वैश्विक दुनियादारी में हर वक्त खरे उतरे भारत-रूस सम्बन्धों में दरार डालने की जो अमेरिकी चाल चली गई, उसके साइड इफेक्ट्स स्वरूप भारत-चीन ने जो सूझबूझ प्रदर्शित किया है, उससे अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिज्ञों की बोलती बंद हो चुकी है। देखा जाए तो प्रधानमंत्री मोदी की चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ जो द्विपक्षीय मुलाक़ात हुई, इससे दोनों के आपसी रिश्तों में जमी बर्फ कुछ पिघलती प्रतीत हुई है। यह भारत के लिए एक शुभ संकेत है। तभी तो पीएम मोदी के साथ बैठक में शी जिनपिंग ने दो टूक कहा है कि वैश्विक परिदृश्य बदल रहा है। इसलिए दोनों देशों का साथ आना लाजिमी है। इस हेतु जारी कोशिशों को बढ़ावा मिलना दोनों देशों के लिए हित बर्द्धक रहेगा। कहना न होगा कि चीन और भारत सिर्फ़ प्राचीन सभ्यताएँ ही नहीं, बल्कि दुनिया के दो सबसे अधिक आबादी वाले देश हैं, जो ग्लोबल साउथ के प्रमुख स्तम्भ हैं। इसलिए दोनों देशों के लिए यह अहम है कि वो अच्छे संबंध रखने वाले दोस्त बने रहें और ऐसे साझेदार बनें जो एक-दूसरे की

भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया चीन-जापान यात्रा के अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक मायने बेहद अहम हैं और प्रतिरक्षा रणनीतियों व विकास के लिहाज से भारत के प्रति इसके दुनियावी असर भी बेहद महत्वपूर्ण और कारगर साबित होंगे। ऐसा इसलिए कि पीएम मोदी की इस यात्रा के माध्यम से जहां चीन से द्विपक्षीय सम्बन्धों में गर्माहट आई है, वहीं जापान से पहले से चले आ रहे मधुर सम्बन्धों को और अधिक मजबूती मिली है और कारोबारी विकास का मार्ग प्रशस्त होने के आसार बढ़े हैं। पीएम की इस यात्रा से साफ पता चलता है कि दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने को आतुर भारत अब अपनी रणनीतिक स्वायत्तता के हिसाब से अमेरिका और चीन के साथ गिव एंड टेक के रिश्ते रखते हुए रूस के साथ अपने भरोसेमंद रिश्तों को और प्रगाढ़ बनाना चाहता है।

सफलता में योगदान करें। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ठीक ही कहा है कि दोनों देशों के बीच सहयोग से 2.8 अरब लोगों के हित जुड़े हुए हैं। भारत चीन के साथ अपने संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्पित है। देखा जाए तो अमेरिका द्वारा भारत को घेरने के लिए जिस अब्राहम परिवार यानी ईसाई-यहूदी-मुस्लिम की एकता पर बल दिया जा रहा है, वह यदि सफल होता है तो चीन और दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों का साथ भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण और तलबगार हो जाएगा, क्योंकि यहां हिन्दू धर्म से निकले बौद्ध धर्म का प्रभाव ज्यादा है। यूँ तो मोदी-जिनपिंग की मुलाक़ात ऐसे समय पर हुई है, जब भारत 50 फ़ीसदी अमेरिकी टैरिफ़ से उपजे आर्थिक दबाव का सामना कर रहा है, क्योंकि इस टैरिफ़ से भारत के निर्यात क्षेत्र पर अच्छा-ख़ासा असर पड़ेगा। जबतक कि वैकल्पिक व्यवस्था नहीं हो जाए। इसलिए अब भारत और चीन भी आपसी सीमा विवादों के तल्खी भरे अतीत के उलट अपने संबंधों को एक नया स्वरूप देने पर लगातार ज़ोर दे रहे हैं। जिसके लिए पिछले 6 माह से कवायद तेज है। इस बात में कोई दो राय नहीं कि भारत और चीन दोनों देशों के बीच संबंध, मौजूदा वक्त में दुनिया में हो रहे बदलावों पर निर्भर करते हैं और इन रिश्तों में मोदी की चीन यात्रा 'एक मोड़' है, क्योंकि भारत और चीन दुनिया की पाँच बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हैं। अभी तक चीन दूसरे और भारत चौथे पायदान पर खड़ा है। हालांकि भारत शीघ्र ही दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने को ततपर है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ़) के अनुसार, 5 ट्रिलियन डॉलर के शेयर बाज़ार के साथ भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनने की राह पर है, जबकि चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति है। चूंकि दुनिया ने चीन और अमेरिका के संबंधों को बहुत अहमियत दी है। इसलिए अब वक्त आ गया है कि दोनों देश सिर्फ इस बात पर ध्यान दें कि दुनिया की दूसरी और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएँ यानी चीन और भारत, कैसे एक साथ काम कर सकते हैं। हालांकि, दोनों देशों के बीच संबंध में एक बड़ी चुनौती सीमा विवाद भी है। ऐसा इसलिए कि भारत और चीन के बीच लंबे समय से अनसुलझा सीमा विवाद भी रहा है। हालांकि, दोनों देश आपसी विवादों को मिटाना चाहते हैं। विगत छह महीनों में भारत-चीन के बीच सीधी उड़ानें फिर से शुरू करने की घोषणा पहले ही की जा चुकी है। कैलाश- मानसरोवर यात्रा भी शुरू हो चुकी है। इसके अलावा, वीज़ा में और ढील दी जा सकती है और अन्य व्यापारिक समझौतों पर भी हस्ताक्षर हो सकते हैं। वहीं, जो देश दक्षिण एशिया में स्थिरता के लिए भारत और चीन को उम्मीद भरी निगाहों से देखते हैं, उनकी अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए इन दोनों देशों के बीच आपसी संवाद होते रहना चाहिए। क्योंकि सीमा पर तकरार के अलावा भी दोनों देशों के बीच कई विवाद हैं। इनमें भारत में रह रहे तिब्बत के बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा और ब्रह्मपुत्र को लेकर विवाद प्रमुख हैं। पीओके और अरुणाचल प्रदेश को लेकर चीनी नजरिया भी भारत के लिए अस्वीकार्य है। रही बात, चीन द्वारा ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया की सबसे बड़ी जलविद्युत परियोजना बनाने की, तो भारत इससे बहुत ख़ुश नहीं है। इसी तरह पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव में चीन की गुप्त भूमिका भी इन संबंधों के लिए एक गम्भीर चुनौती है। इसके अलावा, हाल के दिनों में पड़ोसी देशों के साथ भारत के उतने अच्छे संबंध नहीं रहे। जबकि चीन, पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका और अफ़ग़ानिस्तान का प्रमुख व्यापारिक साझेदार बन गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने तियानजिन हवाई अड्डे पर उतरने के बाद अपनी तस्वीरें पोस्ट कीं और लिखा कि वह 'एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान विभिन्न देशों के नेताओं से मिलने के लिए उत्सुक हैं।' ऐसा इसलिए कि भले ही एससीओ का प्रभाव सीमित है और इसमें शामिल देशों के बीच संबंध बहुत अच्छे नहीं हैं। फिर भी मोदी सरकार एक सार्थक पहल करने की इच्छुक है। पिछले वर्ष कजान में राष्ट्रपति शी के साथ मोदी की मुलाकात के बाद से द्विपक्षीय संबंधों में स्थिर और सकारात्मक प्रगति हुई है। भारत तो रूस के साथ साथ चीन व अन्य एससीओ सदस्य देशों के साथ आपसी रिश्ते में सुधार हेतु प्रयत्नशील है। लेकिन कैसे ये संबंध बहुत आगे तक जाएँगे, इसकी बहुत गुंजाइश बनानी पड़ेगी। वैसे तो, भारत और चीन के बीच व्यापारिक संबंध बहुत गहरे हैं। भारत और चीन के बीच वर्तमान में 100 अरब डॉलर से अधिक का व्यापार जारी है। भारत इसे और बढ़ाने के साथ-साथ चीन से टेक्नोलॉजी के ट्रांसफ़र की भी इच्छा रखता है। ऐसे में सीधा सवाल है कि भारत और चीन एक दूसरे से क्या चाहते हैं? तो जवाब होगा कि भले ही भारतीय प्रधानमंत्री मोदी पिछले कई सालों से एससीओ की बैठकों में शामिल नहीं हुए थे। लेकिन उन्होंने अपने मंत्रियों को इस बैठक में अवश्य भेजा था। वहीं अब, जब अमेरिका के साथ भारत के संबंध तनावपूर्ण हो गए, तो भारत उन्हें यह दिखाना चाहता है कि उसके पास और भी अधिक विकल्प हैं। यह ठीक है कि भारत और अमेरिका के बीच तनाव की वजह वो अमेरिकी कंपनियाँ हैं जो भारत में काम कर रही हैं, और जिसकी वजह से नौकरियाँ अमेरिका से बाहर जा रही हैं।

देश दुनिया से

शिक्षा का अधिकार, सुप्रीम कोर्ट और अल्पसंख्यक संस्थाएं

भारत का लोकतांत्रिक संविधान नागरिकों को केवल राजनीतिक अधिकार ही नहीं देता, बल्कि उन्हें गरिमामय जीवन जीने की बुनियादी गारंटी भी प्रदान करता है। शिक्षा इस गारंटी की केंद्रीय धुरी है। अनुच्छेद 21ए के तहत छह से चौदह वर्ष तक के सभी बच्चों के लिए मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का प्रावधान इसीलिए किया गया था ताकि कोई भी बच्चा वर्ग, धर्म या आर्थिक स्थिति के कारण ज्ञान के अवसर से वंचित न रह जाए। लेकिन दुर्भाग्य यह है कि शिक्षा के इस सार्वभौमिक अधिकार की सबसे मजबूत दीवार को ही वर्षों पहले एक न्यायिक निर्णय ने दरका दिया। 2014 में सुप्रीम कोर्ट ने प्रमति एजुकेशनल एंड कल्चरल ट्रस्ट बनाम भारत संघ प्रकरण में यह कह दिया गया कि अल्पसंख्यक संस्थान आरटीई अधिनियम से मुक्त रहेंगे। यानी निजी स्कूलों की तरह उन्हें 25 प्रतिशत सीटें वंचित बच्चों के लिए आरक्षित करने की बाध्यता नहीं होगी। देखा जाए तो यह फैसला अपने आप में शिक्षा के अधिकार की सार्वभौमिकता पर प्रश्नचिह्न था। अब, ग्यारह वर्ष बाद, शीर्ष अदालत ने स्वयं यह महसूस किया है कि उस निर्णय से व्यापक अन्याय हुआ है। 1 सितंबर 2025 को न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने बेहद गंभीर टिप्पणी करते हुए इस मुद्दे को संविधान पीठ के पास भेजने की सिफारिश की है। पीठ ने साफ कहा, "यह फैसला अनजाने में अनुच्छेद 21ए के मकसद को कमजोर करता है और समान स्कूल प्रणाली की अवधारणा को चोट पहुँचाता है।" आज न्यायालय ने यह भी इंगित किया कि आरटीई केवल सीट आरक्षण भर नहीं है, बल्कि इसके साथ कई आवश्यक प्रावधान जुड़े हैं; बच्चों को मुफ्त यूनिफॉर्म, किताबें, मिड-डे मील, प्रशिक्षित शिक्षक और बुनियादी ढाँचा उपलब्ध कराना। इन सबसे अल्पसंख्यक संस्थानों को छूट देकर अब तक न जानें कितने लाख बच्चों को इन बुनियादी सुविधाओं से वंचित किया गया है। अभी 2025 तक का इस संबंध में कोई आंकड़ा उपलब्ध नहीं है, हालांकि सरकारी आँकड़ों (यूडीआईएसई+ 2021-22) के अनुसार, देश में 51,627 अल्पसंख्यक प्रबंधित स्कूल हैं। इनमें मुस्लिम संस्थान; 27,259, ईसाई संस्थान; 15,808, जैन संस्थान; 1,140, बौद्ध संस्थान; 720, पारसी संस्थान;126 और शेष में अन्य शामिल हैं। पिछले तीन साल में इस संख्या में और अधिक इजाफा हुआ है। अनुमान है कि उक्त संख्या 55 हजार तक पहुंच गई होगी। ऐसे में यह स्वभाविक है कि यह संख्या अपने आप में बहुत बड़ी है। जब इतने बड़े हिस्से को आरटीई की बाध्यता से छूट मिल जाए, तो स्पष्ट है कि लाखों वंचित बच्चों को समान शिक्षा का अवसर नहीं मिल पाया। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने 23,487 अल्पसंख्यक स्कूलों का विश्लेषण किया था। यह रिपोर्ट बताती है कि इन विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों में केवल 38% विद्यार्थी संबंधित अल्पसंख्यक समुदाय से हैं, शेष 62% गैर-अल्पसंख्यक। महज 8.76% विद्यार्थी सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित पृष्ठभूमि से आते हैं। स्पष्ट है कि अधिकांश अल्पसंख्यक संस्थान अपने ही समुदाय के उत्थान के बजाय शिक्षा को व्यवसाय बना चुके हैं। यदि वे सचमुच अपने वर्ग के बच्चों को प्राथमिकता देते, तो न केवल अपने समुदाय का बड़ा भला करते, बल्कि संविधान की भावना के अनुरूप भी चलते। यहां उदाहरण स्वरूप सबसे छोटा एक आंकड़ा मान लें कि एक औसत स्कूल में 200–300 विद्यार्थी पढ़ते हैं। यदि 25 प्रतिशत सीटें वंचित वर्ग के लिए आरक्षित होतीं, तो प्रति स्कूल लगभग 50 सीटें आरटीई के अंतर्गत आतीं। 51,627 स्कूल × 50 सीटें = लगभग 25.8 लाख सीटें प्रति वर्ष। 2010 से 2025 तक यानी 15 वर्षों में यह संख्या करीब 3.8 करोड़ अवसरों के बराबर है। इस मोटे अनुमान से ही स्पष्ट है कि कितने विशाल पैमाने पर वंचित बच्चों को शिक्षा से अब तक इन स्कूलों द्वारा अल्पसंख्यक के नाम पर वंचित रखा गया! राजस्थान के जयपुर में ही इस साल 2025 में 30,000 बच्चों को आरटीई के तहत दाखिला नहीं मिला, जबकि 80,000 सीटों पर 3.8 लाख आवेदन आए। देश की राजधानी दिल्ली में 2023-24 में 2.09 लाख परिवारों ने 35,000 सीटों के लिए आवेदन किया, लेकिन 6,500 सीटें खाली रह गईं। अहमदाबाद में तीसरे राउंड में भी 6,946 सीटें खाली रहीं, खासकर अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में। दक्षिण कर्नाटक; 2025-26 में 326 सीटों में से केवल 31 भरी गईं। यानी अल्पसंख्यक स्कूलों को यदि ये छूट नहीं दी जाती तो जो बच्चे आरटीई के तहत प्रवेश लेने से वंचित रह गए, उनमें किसी एक को भी वंचित नहीं रहना पड़ता। वस्तुतः यह तो कुछ राज्यों की स्थिति है, इस तरह से प्रत्येक राज्य के आंकड़े को जोड़ा जाएगा तो लाखों बच्चों की संख्या सामने आती है जो हर साल आरटीई के तहत स्कूल प्रवेश से वंचित रह जाते हैं। यह सब दिखाता है कि समस्या केवल नाम की नहीं, बल्कि व्यावहारिक है, बच्चे अवसर से वंचित हो रहे हैं। यह दिलचस्प तथ्य यह है कि 2009 में आरटीई लागू होने के बाद अल्पसंख्यक संस्थानों की संख्या में अचानक उछाल आया। 2012 तक हर साल लगभग 2000 नए संस्थान अल्पसंख्यक दर्जा लेने लगे। यहाँ तक कि दिल्ली पब्लिक स्कूल, बेंगलुरु जैसी संस्थाओं ने भी इस दर्जे का लाभ उठाने की कोशिश की। यह प्रवृत्ति बताती है कि आरटीई से बचने के लिए अल्पसंख्यक टैग को एक ढाल की तरह इस्तेमाल किया गया। सवाल उठता है, आखिर ये आरटीई से बचने की होड़ क्यों मची है? मूल प्रश्न यह है कि क्या शिक्षा का उद्देश्य वंचित बच्चों को अवसर देना है या केवल मोटा पैसा कमाना? जब अल्पसंख्यक संस्थान आरटीई से मुक्त होकर भारी फीस लेते हैं, तो वे न तो अपने वर्ग का उत्थान कर रहे होते हैं और न ही समाज के वंचित वर्ग का। वे केवल शिक्षा को व्यापार बना रहे होते हैं। यदि ये संस्थान केवल अपने समुदाय के गरीब बच्चों को प्रवेश देते, तो लाखों अल्पसंख्यक बच्चे पढ़-लिखकर आगे बढ़ सकते थे। लेकिन जब ऐसा नहीं किया गया, तो साफ है कि मकसद शिक्षा नहीं, बल्कि आर्थिक लाभ है। जब वंचित वर्ग के लाखों बच्चे आरटीई सीटों से वंचित रहते हैं, तो इसका असर केवल शिक्षा तक सीमित नहीं रहता। इसका असर उनके भविष्य, रोजगार, सामाजिक गतिशीलता और लोकतांत्रिक भागीदारी पर पड़ता है। एक ओर समृद्ध वर्ग के बच्चे महंगे निजी या अल्पसंख्यक स्कूलों में पढ़ते हैं, दूसरी ओर गरीब बच्चे सरकारी स्कूलों की कमजोर व्यवस्था में सिमट जाते हैं। यह विभाजन समाज में असमानता की खाई को और चौड़ा करता है। संविधान निर्माताओं ने अनुच्छेद 30 के जरिए अल्पसंख्यकों को संस्थान चलाने की स्वतंत्रता दी थी ताकि वे अपनी संस्कृति और पहचान बचा सकें। लेकिन क्या इस स्वतंत्रता का मतलब यह है कि वे बच्चों के बुनियादी अधिकारों से मुकर जाएँ? वास्तव में अनुच्छेद 21ए की आत्मा सार्वभौमिकता है। यानी हर बच्चे को शिक्षा का अधिकार देना है। स्वभाविक है ऐसी स्थिति में हमें अनुच्छेद 30 स्थान पर अनुच्छेद 21ए को ही अधिक महत्व देना होगा। क्योंकि यहां प्रश्न एवं जवाबदेही अपनी पीढ़ियों के निर्माण की है।

आप का नजरिया

भारत की चिप क्रांति : हकीकत की तरफ बढ़ते सपने

भारत आज उस ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ा है जहाँ तकनीकी आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक प्रगति का साधन नहीं, बल्कि राष्ट्रीय गर्व और वैश्विक नेतृत्व की दिशा भी बन गई है। दशकों तक चिप और सेमीकंडक्टर क्षेत्र में केवल उपभोक्ता के रूप में पहचाने जाने वाला भारत अब निर्माता और आपूर्तिकर्ता बनने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। यह परिवर्तन केवल तकनीकी नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और आत्मगौरव का भी प्रतीक है। सेमीकंडक्टर मिशन, वैश्विक सहयोग, और शिक्षा व अनुसंधान में निवेश ने भारत की चिप क्रांति को साकार रूप दिया है। भारत ने सेमीकंडक्टर निर्माण के क्षेत्र में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए विश्व स्तर पर अपनी तकनीकी पहचान बनाई है। गुजरात और कर्नाटक में चिप पार्क, विदेशी निवेश और शिक्षा संस्थानों की सक्रिय भागीदारी ने इस अभियान को गति दी है। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन 2025 में भारत ने सुरक्षा, संपर्क और अवसर के तीन स्तंभों पर बल देकर तकनीक को साझा भविष्य का आधार बताया। यह चिप क्रांति न केवल आर्थिक विकास का मार्ग प्रशस्त कर रही है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, नवाचार और आत्मगौरव की नई उड़ान भी भर रही है। भारत आज उस ऐतिहासिक दौर से गुजर रहा है जहाँ सपने नये यथार्थ का रूप ले चुके हैं। दशकों तक जिस देश को तकनीक के क्षेत्र में उपभोक्ता भर समझा जाता था, वही देश आज निर्माता, आपूर्तिकर्ता और नवप्रवर्तक बनने की राह पर तेज़ी से बढ़ रहा है। सेमीकंडक्टर और चिप निर्माण की दिशा में भारत के प्रयास इसी परिवर्तन की सबसे सशक्त गवाही देते हैं। यह केवल तकनीकी विकास का संकेत नहीं है बल्कि राष्ट्रीय आत्मगौरव, आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास की उड़ान भी है। चिप अथवा सेमीकंडक्टर आज के युग की सबसे अनिवार्य धुरी है। बीसवीं शताब्दी में तेल ने जैसे विश्व राजनीति और अर्थव्यवस्था को संचालित किया था, उसी प्रकार इक्कीसवीं शताब्दी में चिप वैश्विक शक्ति संतुलन का आधार बन चुकी है। आधुनिक जीवन का कोई भी क्षेत्र इससे अछूता नहीं है। मोबाइल फ़ोन, कंप्यूटर, स्मार्ट यंत्र, वाहन, रेल, हवाई जहाज़, रक्षा उपकरण, उपग्रह, स्वास्थ्य सेवाओं के उन्नत यंत्र, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोट तक-हर क्षेत्र में चिप की अनिवार्यता स्पष्ट दिखाई देती है। इसीलिए जो राष्ट्र इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर और सशक्त है, वही आने वाले समय में विश्व की राजनीति और अर्थव्यवस्था में निर्णायक भूमिका निभाएगा। भारत की स्थिति लंबे समय तक इस क्षेत्र में कमजोर रही। भारी पूंजी निवेश, लगातार ऊर्जा और जल संसाधनों की आवश्यकता, प्रशिक्षित मानव संसाधन की कमी और अनुसंधान की उपेक्षा जैसे कारणों से भारत पिछड़ता रहा। चीन, ताइवान, अमेरिका और कोरिया जैसे देशों ने इस स्थिति का लाभ उठाकर वैश्विक बाज़ार पर प्रभुत्व कायम किया और भारत को केवल एक विशाल उपभोक्ता बाज़ार के रूप में देखा जाने लगा। किन्तु राष्ट्रों के जीवन में भी ऐसे क्षण आते हैं जब परिस्थितियाँ बदली हुई राह पर चलने को बाध्य करती हैं। भारत के लिए भी यही अवसर बीते कुछ वर्षों में आया और उसने चुनौती को अवसर में बदलने का संकल्प लिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रारम्भ हुए 'डिजिटल इंडिया', 'मेक इन इंडिया' और 'स्टार्टअप इंडिया' जैसे अभियानों ने तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में नया उत्साह जगाया। इन अभियानों ने यह संदेश दिया कि भारत अब केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि निर्माता भी बनेगा। वर्ष 2021 में घोषित भारत सेमीकंडक्टर मिशन ने इस संकल्प को ठोस आधार प्रदान किया। इसके अंतर्गत गुजरात और कर्नाटक में चिप निर्माण पार्क स्थापित करने की दिशा में कार्य प्रारम्भ हुआ। ताइवान, जापान और अमेरिका की कंपनियों ने भारत में निवेश और सहयोग की इच्छा प्रकट की।

भारत आज उस ऐतिहासिक दौर से गुजर रहा है जहाँ सपने नये यथार्थ का रूप ले चुके हैं। दशकों तक जिस देश को तकनीक के क्षेत्र में उपभोक्ता भर समझा जाता था, वही देश आज निर्माता, आपूर्तिकर्ता और नवप्रवर्तक बनने की राह पर तेज़ी से बढ़ रहा है। सेमीकंडक्टर और चिप निर्माण की दिशा में भारत के प्रयास इसी परिवर्तन की सबसे सशक्त गवाही देते हैं। यह केवल तकनीकी विकास का संकेत नहीं है बल्कि राष्ट्रीय आत्मगौरव, आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास की उड़ान भी है। चिप अथवा सेमीकंडक्टर आज के युग की सबसे अनिवार्य धुरी है। बीसवीं शताब्दी में तेल ने जैसे विश्व राजनीति और अर्थव्यवस्था को संचालित किया था, उसी प्रकार इक्कीसवीं शताब्दी में चिप वैश्विक शक्ति संतुलन का आधार बन चुकी है। आधुनिक जीवन का कोई भी क्षेत्र इससे अछूता नहीं है।

कुछ अलग

कितने संग्रह आए हैं रे तेरे...

हर गली, मोहल्ले, शहर, प्रांत में साहित्य के मठाधीश होने जरूरी हैं, नहीं तो नए लेखकों को उनकी औकात का लेवल भला कौन बताएगा? 'अबे ओ कालिया! कितने संग्रह आए हैं तेरे?' 'जी साब दो।' 'बस दो?' 'और मेरे इक्कीस।' 'नहीं साब, मैं तो बहुत मेहनत से लिखता हूं।' 'अरे यार! तू भी बस, मुझे देख, घिसो और फेंको, घिसो और फेंको।...ओह, मेरा मतलब है, लिखो और भेजो, लिखो और भेजो। तुझे क्या लगता है, ये संपादक लोग बहुत ध्यान से पढ़ते हैं।' 'पर सर जी, आपको कैसे पता कि वो ध्यान से नहीं?' 'चल दिखाता हूं मेरे घर चल। ये देख, वो मेरी बीवी कितने बड़े लेखक की रचना भिंडी काटते-काटते एडिट कर रही है और मेरा बेटा, वो भी अपना होमवर्क करते हुए एक कविता के पेज के पीछे अपनी मोटी मां की फोटू बना रहा है।' ...'और आपकी बेटी सर जी, वो तो अच्छी लेखिका भी है?' 'चल, उसे भी दिखाता हूं?' 'हां सर, ओके सर, आ जाएगी-आ जाएगी आपकी कहानी, पर साउथ सिल्क की वो दो साड़ी, जो आपने मुझे देने को...। आपकी रचना अगले अंक में पक्की।' 'देखा, अब चल तुझे अपना कमरा दिखाता हूं।' 'पर सर जी, आपका तो सब अच्छा ही अच्छा होगा न? चूंकि सर जी, आप तो दो पत्रिकाएं भी निकालते हैं, एक महीने में तीन बड़े-बड़े साहित्यिक कार्यक्रमों और ट्रिप का आयोजन, चार-पांच जगह भाषण, वाहत्सप्प पर रोज अब तक 670 कविताएं, अब तक प्रकाशित 21 कहानी संग्रह। स्कूल में टीचरी और हफ्ते में तीन लेख, कहानियां पत्र-पत्रिकाओं में। कहानी तो, ये बड़ी-बड़ी...।' 'ओए लौंडे, अपनी औकात में रह!

दृष्टि कोण

विभाजन की सिसकियां खारिज करने का कारण

भारत विभाजन को लेकर दो प्रकार की पुस्तकें लिखी गई हैं। पहली श्रेणी में साहित्य की पुस्तकें हैं। उपन्यास, कहानियां, कविता या अन्य विधाओं में लिखी किताबें। इनमें यकीनन विभाजन के कारणों को लेकर साहित्यकार की अपनी दृष्टि ही प्रमुख रही है। इस प्रकार के साहित्यकारों में हिंदी भाषा में तीन उपन्यासकारों का नाम प्रमुखता से लिया जाता है। यशपाल, भीष्म साहनी और वैद्य गुरुदत्त। यशपाल का झूठा सच, भीष्म साहनी का तमस और वैद्य गुरुदत्त का 'देश की हत्या' नामक उपन्यास हिंदी साहित्य की निधि हैं। पंजाबी में अमृता प्रीतम ने अपनी एक ही रचना 'अज आंखों वारिस शाह नूं' लिख कर विभाजन की टीस को रेखांकित कर दिया। विभाजन विभीषिका को लेकर दूसरी प्रकार की किताबें समाज विज्ञान की श्रेणी में रखी जा सकती हैं। उन किताबों में विभाजन के कारण की मीमांसा प्रमुख है, विभीषिका कम है। समाज विज्ञान के पंडित शायद विभीषिका को रेखांकित करने से जानबूझ कर बचते रहे हैं। उस समय की सरकार की यह नीति का हिस्सा भी हो सकता है। सरकार दरअसल विभीषिका की चर्चा करने से बचती थी। यदि विभीषिका की चर्चा होती तो यकीनन समाज विज्ञान के पंडितों को उसकी जिम्मेदारी भी तय करनी पड़ती। यह जिम्मेदारी कम से कम तीन पक्षों के खाते में तो सीधे-सीधे आती थी। मुस्लिम लीग। मुस्लिम लीग को यह जिम्मेदारी लेने में दिक्कत भी नहीं थी। पाकिस्तान में उसको इसका परोक्ष रूप से लाभ ही होता। आखिर कितनी पार्टियां हैं, जो विश्व की प्राचीनतम सभ्यता के एक भौगोलिक क्षेत्र को विभाजित कर एक नया देश बना सकती हैं? मुस्लिम लीग को यदि यह श्रेय मिलता है तो यह तो उसके लिए मैडल ही माना जाएगा। दूसरे स्थान पर विभाजन विभीषिका की जिम्मेदारी ब्रिटिश सरकार के खाते में पड़ती है। लेकिन ब्रिटिश सरकार इस पर गौरव कर सकती है। दो सौ साल राज करने के बाद भी अपने साम्राज्यवादी हितों के लिए भारत को विभाजित करने में सफलता प्राप्त की। मजहब यूरोपीय देशों में राज्य या देश की नीति निर्धारण में

महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, लेकिन भारत में मजहब सदा व्यक्तिगत विषय होता था। उससे राज्य का कुछ लेना-देना नहीं था। ब्रिटिश नीतिकारों ने मजहब को पहचान का प्राथमिक आधार बना कर देश में लंबवत दरारें पैदा कर दीं और देश को ही विभाजित कर दिया। इस पर ब्रिटेन गर्व कर सकता था। विभाजन में तीसरी हिस्सेदारी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की है जिसने पंद्रह अगस्त 1947 से पहले विभाजन के पक्ष में बाकायदा प्रस्ताव पारित कर मुस्लिम लीग और ब्रिटिश सरकार की नीति का समर्थन ही नहीं किया, बल्कि उसमें सहायता भी की। लेकिन कांग्रेस की जिम्मेदारी केवल भारत विभाजन का प्रस्ताव पास करने से ही समाप्त हो जाती। इस प्रस्ताव के पास हो जाने से दो रास्ते खुले थे। पहला रास्ता था भारत के, खासकर बंगाल और सप्त सिंधु/पंजाब के विभाजित होने का और दूसरा रास्ता था बचे हुए भारत की सत्ता पर कांग्रेस के अधिकार का। विभाजन केवल दो हिस्सों का हुआ था। बंगाल का और सप्त सिंधु/पंजाब क्षेत्र का। पूरे देश का विभाजन नहीं हुआ था। विभाजन के बाद इन दो क्षेत्रों में क्या परिणाम निकलेंगे, क्या इसका अंदाजा कांग्रेस को नहीं था? क्या कांग्रेस यह मान रही थी कि नक्शे पर नई रेखा खिंच जाएगी, एक देश के दो देश बन जाएंगे, लेकिन लोग अपने-अपने स्थानों पर ही बैठे रहेंगे? यदि विभाजन के परिणाम का अंदाजा कांग्रेस को नहीं था तो जाहिर है कि कांग्रेस कम से कम राष्ट्रीय राजनीतिक दल कहलवाने की हकदार नहीं थी। वह केवल कुछ अंग्रेजी शिक्षा प्राप्त लोगों का क्लब मात्र था, जो भारत के लोगों की जमीनी सच्चाइयों से कटा हुआ था।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आप घर से बाहर तो बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। परिवार के सदस्य कई चीज़ों की मांग कर सकते हैं। मुहब्बत की टीस आज रात आपको सोने नहीं देगी। अलग–अलग नज़रिए के चलते आपके और आपके जीवनसाथी के बीच वाद–विवाद हो सकता है। अपने साथी के लिए कोई बेहतरीन पकवान बनाना आपके फीके पड़े रिश्तों में गर्मजोशी भर सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

सेहत बढ़िया रहेगी। आज इस राशि के कुछ बेरोजगार लोगों को नौकरी मिल सकती है जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुधरेगी। अपनी नई परियोजनाओं के लिए अपने माता–पिता को विश्वास में लेने का सही समय है। बिना किसी पूर्व सूचना के आज आपका कोई रिश्तेदार आपके घर पधार सकता है जिसकी वजह से आपका कीमती समय उनकी खातिरदारी में जाया हो सकता है।आपके लिए दिन बेहद रोमानी होने वाला है। आज किसी शादी में जा सकते हैं

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपके परिवार को आपसे बहुत ज़्यादा उम्मीदें हैं, जिसके चलते आप खीज महसूस कर सकते हैं। आपकी आर्थिक स्थिति भी इससे बिगड़ती है। अपने दोस्तों और परिवार के सहयोग के चलते आप नए आत्मविश्वास और रोमांच से भरपूर रहेंगे। आज प्रेम–संबंधों में अपने स्वतन्त्र विवेक का इस्तेमाल कीजिए। नए विचारों और आइडिया को जाँचने का बेहतरीन वक़्त। जीवन साथी के स्वास्थ्य को लेकर आप चिंतित रह सकते हैं। अपने अच्छे लेखन के साथ आज आप किसी अकल्पनीय उड़ान पर जा सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

कुछ ज़रूरी योजनाएँ क्रियान्वित होंगी और ताज़ा आर्थिक मुनाफ़ा पहुँचाएंगी। आज काम तनावभरा और थकाऊ होगा, लेकिन दोस्तों का साथ आपको ख़ुशमिज़ाज और ज़िंदादिल बनाए रखेगा। प्यार का बुख़ार आपके सर पर चढ़ने के लिए तैयार है। इसका अनुभव कीजिए। उन चीजों को दोहराना जिनका अब आपके जीवन में कोई महत्व नहीं है, आपके लिए ठीक नहीं है। ऐसा करके आप अपना वक्त ही बर्बाद करेंगे और कुछ नहीं। जिंदगी आपको अच्छे अहसास भी जरुर कराती है बस आपको इन अहसासों को समझने की जरुरत हैं

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

ख़र्चों पर क़ाबू रखने की कोशिश करें और सिर्फ़ ज़रूरी चीज़ें ही ख़रीदें। अपनी व्यस्त दिनचर्या में से थोड़ा–सा समय निकालकर अपने परिवार के साथ किसी आयोजन में शिरकत करें। यह न सिर्फ़ आपका दबाव कम करेगा, बल्कि आपकी झिझक भी मिटा देगा। आपका प्रिय आपको ख़ुश रखने के लिए कुछ ख़ास करेगा। आपको ऐसी जगहों से महत्वपूर्ण बुलावा आएगा, जहाँ से आपने इसकी कभी कल्पना भी न की हो। आज आपके वैवाहिक जीवन के सबसे अच्छे दिनों में से एक हो सकता है। आज बच्चों के साथ समय बिताकर आप कुछ सुकून भरे पल जी सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। अगर आप अपनी रचनात्मक प्रतिभा को सही तरीक़े से इस्तेमाल करें तो वह काफ़ी फ़ायदेमंद साबित होगी। पढ़ाई–लिखाई में कम रुचि के चलते बच्चे आपको थोड़ा निराश कर सकते हैं। विवादित मुद्दों को उठाने से बचें,असजता की वजह से आप वैवाहिक जीवन में ख़ुद को फँसा हुआ अनुभव कर सकते हैं। छुट्टी ज़ाया हो गयी – इस पर सोचने की बजाय बाक़ी बचे दिन को आप किस प्रकार बेहतर बना सकते हैं, इस पर विचार करें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज के दिन भूलकर भी किसी को पैसे उधार न दें और यदि देना जरुरी हो तो देने वाले से लिखित में लें कि वो पैसा वापस कब करेगा। जिन लोगों से आपकी मुलाक़ात कभी–कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। शहर से बाहर यात्रा ज़्यादा आरामदेह नहीं रहेगी, लेकिन आवश्यक जान–पहचान बनाने के लिहाज़ से फ़ायदेमंद साबित होगी। अगर आप अपने जीवनसाथी से स्नेह की आशा रखते हैं, तो यह दिन आपकी आशाओं को पूरा कर सकता है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपके भाई–बहन आपसे आर्थिक मदद मांग सकते हैं और उनकी मदद करके आप खुद आर्थिक दबाव में आ सकते हैं। हालांकि स्थिति जल्द ही सुधर जाएगी। बच्चे की पढ़ाई के बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। इस समय जो समस्याएँ आपको झेलनी पड़ रही हैं, वे क्षणिक हैं और समय के साथ वे ख़ुद–ब–ख़ुद ख़त्म हो जाएंगी। आज के दिन किसी के साथ छेड़खानी करने से बचें। आज आप सब कामों को छोड़कर उन कामों को करना पसंद करेंगे जिन्हें आप बचपन के दिनों में करना पसंद करते थे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। आज आपमें धैर्य की कमी रहेगी। इसलिए संयम बरतें, क्योंकि आपकी तल्ख़ी आस–पास के लोगों को दुःखी कर सकती है। एक प्यारी–सी मुस्कुराहट से अपने प्रेमी का दिन रोशन करें। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पूराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं। आपका जीवनसाथी आपको इतना बेहतरीन पहले कभी महसूस नहीं हुआ। आपको उनसे कोई बढ़िया सरप्राइज़ मिल सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आज के दिन अपने किसी करीबी की कोई सलाह मिल सकती है जिससे उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। आप माता–पिता को ख़ुश करने में कठिनाई महसूस करेंगे। उन्हें समझने और उनके नज़रिए से चीज़ों को देखने की कोशिश करें, आपको सकारात्मक परिणाम मिलेगा। उन्हें आपकी परवाह, स्नेह और समय की आवश्यकता है। अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं। इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। ऐसा करके आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती हैं

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपका सकारात्मक रुख़ आपके आसपास के लोगों को प्रभावित करेगा। अगर आप सूझ–बूझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं। आपको परिवार के सदस्यों और दोस्तों के साथ बिताने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा। आपको पहली नज़र में किसी से प्यार हो सकता है। आपका चुम्बकीय और ज़िन्दादिल व्यक्तित्व आपको सबके आकर्षण का केन्द्र बना देगा। किसी अच्छे स्पा में जाकर आप तरोताज़ा महसूस कर सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अगर आप लम्बे वक़्त के लिए निवेश करें, तो अच्छा–ख़ासा फ़ायदा हासिल कर सकते हैं। अपने जीवनसाथी का बोझ दूर करने के लिए घरेलू कामकाज में हाथ बटाएँ। इससे आपको साथ में काम करने का आनंद मिलेगा और जुड़ाव महसूस होगा। प्यार में थोड़ी निराशा आपको हतोत्साहित नहीं कर सकेगी। गप्पबाज़ी और अफ़वाहो से दूर रहें। वैवाहिक जीवन में आप कुछ निजता की ज़रूरत महसूस करेंगे। काम को करने से पहले ही उसके बारे में अच्छा बुरा न सोचें, बल्कि खुद को एकाग्र करने की कोशिश करें इससे सारे काम अच्छी तरह हो पाएंगे।

आज का पंचांग

दिनांक : 06 सितंबर 2025, शनिवार
विक्रम संवत : 2082
मास : भाद्रपद , शुक्ल पक्ष
तिथि : चतुर्दशी रात्रि 01:43 तक
नक्षत्र : धनिष्ठा रात्रि 10:56 तक
योग : अतिगंड प्रातः 11:12 तक
करण : गर दोपहर 02:33 तक
चन्द्रराशि : मकर प्रातः 11:22 तक
सूर्योदय : 06:02, सूर्यास्त 06:25 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:27 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 06:20 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:54 ,सूर्यास्त 06:16 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पंचक प्रातः 11:22 से चालू , अनंत चतुर्दशी व्रत , भद्रा रात्रि 01:42 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

नागरिकों की शिकायतों का निवारण सुनिश्चित करें अधिकारी : सैनी

चंडीगढ़, 05 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि अधिकारी जनभावनाओं का सम्मान करते हुए ईमानदारी से नागरिकों की शिकायतों का निवारण सुनिश्चित करें। हरियाणा सरकार अंत्योदय उत्थान के ध्येय के साथ धरातल पर कार्य कर रही है और आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान ही सरकार की प्राथमिकता है।मुख्यमंत्री शुक्रवार को गुरुग्राम में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस अवसर पर उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, पटौदी विधायक बिमला चौधरी, सोहना विधायक तेजपाल तंवर तथा गुरुग्राम विधायक मुकेश शर्मा भी उपस्थित रहे।

बैठक में कुल 18 परिवाद रखे गए, जिनमें से मुख्यमंत्री ने 14 का मौके पर ही निपटारा किया, जबकि 4 मामलों को आगामी बैठक तक लंबित रखने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन लंबित मामलों की स्टेटस रिपोर्ट अगली बैठक में प्रस्तुत करें।

बैठक के दौरान देवत कॉलोनी निवासी प्रमोद कुमार का मामला भी सामने आया। उन्होंने जुलाई माह में हुई पिछली बैठक में शिकायत रखी थी कि उनकी कॉलोनी की 24 फुट चौड़ी गली में पड़ोसी ने पिछले 16 वर्षों से 12 फुट रास्ते पर अवैध कब्जा कर रखा है, जिसके कारण उनके घर की आवाजाही प्रभावित हो रही थी। मुख्यमंत्री ने उस समय शिकायत पर नगर निगम आयुक्त गुरुग्राम तथा सदस्य, जिला शिकायत एवं कष्ट निवारण समिति प्रियव्रत कटारिया को मौके पर जाकर स्थिति की जांच करने और अवैध कब्जा पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे। शिकायतकर्ता ने शुक्रवार की बैठक में जानकारी दी कि नगर निगम द्वारा की गई कार्रवाई के उपरांत संबंधित पड़ोसी ने अवैध कब्जा हटा लिया है। उन्होंने 16 साल पुरानी समस्या का समाधान करवाने के लिए मुख्यमंत्री का धन्यवाद किया। बैठक में सूर्य विहार रेज़िडेंट वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से आई शिकायत में बताया गया कि कॉलोनी में नए 11 खंभे लगाए गए हैं, जिन पर नई तारें डलवाना आवश्यक है। ब्लॉक–1 में लगी पुरानी तारें 30 साल से भी अधिक पुरानी हो चुकी थीं और काफी नीचे लटक रही थीं, जिससे बरसात के समय दुर्घटना की आशंका बनी रहती थी। इसके अलावा कई जर्जर खंभे यातायात में बाधा उत्पन्न कर रहे थे। यह शिकायत पिछली बैठक में रखी गई थी, जिसके संबंध में मुख्यमंत्री ने आवश्यक दिशा–निर्देश दिए थे। शिकायतकर्ता ने मुख्यमंत्री का धन्यवाद करते हुए बताया कि उनकी शिकायत का समाधान हो गया है। डीएचबीवीएन ने कॉलोनी में सभी पुराने कंडक्टर बदल दिए हैं तथा सभी जर्जर खंभों को भी हटाकर नए खंभे लगाए गए हैं। बैठक में सेक्टर–85 ओरिस सोसायटी के निवासियों ने अवगत कराया कि उनकी सोसायटी के मुख्य मार्ग को द्वारका एक्सप्रेसवे से जोड़ने वाली 24 मीटर चौड़ी सड़क कुछ भू–मालिकों द्वारा अवरुद्ध कर दी गई है। इसके कारण निवासियों और स्कूल जाने वाले छात्रों को संकीर्ण और असुरक्षित मार्ग का उपयोग करना पड़ रहा है, जिससे दुर्घटना की संभावना बढ़ गई है। मुख्यमंत्री ने इस शिकायत पर संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों, डीटीपी व एसटीपी, को त्वरित कार्रवाई कर शिकायतकर्ता को राहत प्रदान करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मानेसर की मेयर डॉ इंद्रजीत यादव, जीएमडीए के प्रधान सलाहकार डी.एस. ढेसी, जीएमडीए के सीईओ श्यामल मिश्रा, मंडलायुक्त आर.सी बिढान, उपायुक्त अजय कुमार सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

मेट्रो सेवा की उपलब्धता में नम्बर वन बनने की ओर अग्रसर भारत : मनोहर लाल

चंडीगढ़, 05 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय विद्युत तथा आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि देश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मेट्रो सेवा का तेजी से विस्तार हो रहा है। जहां 2014 तक केवल 5 शहरों में 248 किलोमीटर मेट्रो सेवा थी उसे अब बढ़ाकर 24 शहरों में 1066 किलोमीटर की मेट्रो सेवा उपलब्ध है और 970 किलोमीटर मेट्रो सेवा का कार्य पाइपलाइन में है जिसके पूरा होने के बाद भारत दुनिया का नम्बर वन देश मेट्रो सेवा प्रदान करने में बन जाएगा।

मनोहर लाल शुक्रवार को गुरुग्राम विश्वविद्यालय परिसर सभागार में गुरुग्राम मेट्रो रेल लिमिटेड के तत्वावधान में आयोजित गुरुग्राम मेट्रो भूमि पूजन कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने की जबकि हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, विधायक गुरुग्राम मुकेश शर्मा, सोहना विधायक तेजपाल तंवर व पटौदी विधायक बिमला चौधरी की गरिमामयी उपस्थिति रही। केंद्रीय मंत्री व मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह को शिक्षक दिवस, ओणम और ईद के पावन पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं भी दी। इससे पूर्व सेक्टर 44 में मेट्रो सेवा का भूमि पूजन करते हुए निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम के मुख्यातिथि केंद्रीय आवास मंत्री मनोहर लाल ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के साथ करीब 5500 करोड़ रुपए की लागत से मिलेनियम सिटी सेंटर से साइबर सिटी तक, द्वारका एक्सप्रेस वे तक जाने वाले 28.5 किलोमीटर लंबे मेट्रो कॉरिडोर का भूमि पूजन किया, इस प्रोजेक्ट पर 27 स्टेशन बनेंगे। यह मेट्रो सेवा नए और पुराने गुरुग्राम को जोड़ेगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने जीएसटी की दरें घटाकर देश के विकास को लगा दिए पहिए : अनिल विज

चंडीगढ़, 05 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जीएसटी की दरें घटाकर हिन्दुस्तान के विकास को पहिए लगा दिए हैं।विज आज मीडिया कर्मियों के सवालों का जवाब दे रहे थे।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि जीएसटी की दरों में बदलाव/कमी करने से चीजें सस्ती होंगी तो ज्यादा खरीददारी होगी, ज्यादा खरीददारी होगी तो ज्यादा मांग बढेगी। ज्यादा मांग होगी तो ज्यादा कारखाने स्थापित होंगे। ज्यादा कारखाने लगेंगे तो ज्यादा रोजगार मिलेंगे। ज्यादा रोजगार मिलेंगे तो फिर और अधिक खरीददारी होगी। इस प्रकार से और कारखाने स्थापित होंगे तो और अधिक रोजगार का सृजन होगा। उन्होंने कहा कि इस प्रकार से ये चक्र चलता है।विज ने कहा कि आम आदमी की जरूरत की चीजें हैं, जैसे आटा, दूध, दही, मक्खन, दवाइयां, इश्योरेंस इत्यादि सस्ती की गई हैं, जबकि बीड़ी, तम्बाकू, शराब इत्यादि पर 40 प्रतिशत जीएसटी कर लगाया गया है। इस प्रकार से सरकार ने बुरी आदतों से दूर रहने का एक संदेश भी दिया है।उन्होंने कहा कि कुछ भी करने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति का होना अति आवश्यक है।

जीएसटी स्लैब में बदलाव से खुश हरियाणा के मंत्री

आम आदमी को मिलेगी राहत : कृष्णलाल पवार

रोहतक, 05 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने रोहतक में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से जीएसटी स्लैब में किए गए बदलावों और कुछ वस्तुओं पर टैक्स माफ करने के फैसले की सराहना की। उन्होंने कहा कि इन बदलावों से महंगाई पर प्रभावी नियंत्रण होगा और आम जनता को राहत मिलेगी।

मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुओं पर टैक्स स्लैब में कमी या छूट दी गई है, जबकि लग्जरी सामान और तंबाकू जैसे उत्पादों पर ही टैक्स बढ़ाया गया है। उन्होंने इसे आम आदमी के हित में लिया गया महत्वपूर्ण निर्णय बताया और कहा कि यह कदम भारत को वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक और कदम है। कैबिनेट मंत्री ने हरियाणा की नायब सिंह सैनी सरकार के एक साल पूरे होने पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में राज्य सरकार ने जनहित में कई महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। उन्होंने दावा किया कि सरकार ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में किए गए अधिकांश वादों को पूरा कर लिया है।इस बीच, रोहतक में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए भाजपा के हरियाणा प्रभारी सतीश पूनिया ने भी जीएसटी में किए गए बदलावों को लेकर खुशी जताई।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने की उदयपुर जोन की सड़क परियोजनाओं की समीक्षा

जयपुर, 05 सितंबर (एजेंसियां)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बारिश के कारण क्षतिग्रस्त सड़को को तत्काल दुरुस्त करवाने के निर्देश दिये है ।उन्होंने अधिकारियों को मौसम को देखते हुए फ़िल्ड में ऐक्टिव रहने और हर परिस्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए है ।उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने शुक्रवार को उदयपुर जोन की सड़क परियोजनाओं की समीक्षा कर रही थी ।

उन्होंने अधिकारियों फ़िल्ड विजिट करने और विकली रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं । उन्होंने कहा की डीएलपी अवधि की सड़को की मरम्मत शीघ्र करवाये, यदि कोई संवेदक धीमी गति से काम कर रहा है तो उसके विरुद्ध कार्यवाही की जाए ।

उन्होंने बजट 2024–25 की घोषणाओं के कार्यो को जल्द से जल्द पूरा करवाने व बजट 2025–26 की घोषणाओं की तत्काल निविदा प्रक्रिया पूरी करवाकर काम चालू करवाने के निर्देश दिये है।उन्होंने उदयपुर जोन के अन्तर्गत शामिल उदयपुर, चित्तौड़,राजसमंद और सलूंबर जिलों की सड़कों व भवनों की प्रगति की समीक्षा की। गौरतलब है कि उपमुख्यमंत्री के निर्देशों की पालना में पीडब्ल्यूडी के कार्यो की प्रगति के लिये हर सप्ताह जोनवार समीक्षा बैठक आयोजित जा रही है। इस दौरान उपमुख्यमंत्री ने उदयपुर जोन में चल रही एनएचएआई, एनएच, आरएसआरडीसी, राजस्थान स्टेट हाईवे आथोरिटी, पेचेबल व नॉन पेचेबल तथा मिसिंगलिंक सहित विभिन्न श्रेणी की सड़कों एवं भवनों की समीक्षा की। इस दौरान एसीएस पीडब्ल्यूडी प्रवीण गुप्ता, पीडब्ल्यूडी शासन सचिव डी आर मेघवाल,मुख्य अभियंता टी.सी गुप्ता सहित मुख्यालय एवं संबंधित जिलों के अधिकारी वीसी के माध्यम से उपस्थित रहे।

अतिवृष्टि प्रभावित फसलों का जल्द करें आंकलन : जोराराम कुमावत

सुमेरपुर, 05 सितंबर (एजेंसियां)। पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के केबिनेट मंत्री व स्थानीय विधायक जोर–राम कुमावत ने शुक्रवार को अपने सुमेरपुर विधानसभा में बारिश से हुए व्यापक नुकसान का आकलन करने के लिए दौरा किया। उन्होंने इलाके में वर्षा प्रभावित ग्राम पंचायत बिरामी में बिरामी की ढाणी, बड़ली, नौखरा बेरा इत्यादि गांवों का जायजा लिया और लोगों से मुलाकात की। मंत्री ने ग्रामीणों से राशन वितरण और मेडिकल सुविधाओं के बारे में जानकारी ली।

दौरे के बाद मंत्री कुमावत ने बताया कि अतिवृष्टि से जलभराव के कारण स्कूलों व अनेक सरकारी भवन, चारदिवारी क्षतिग्रस्त हो गई हैं। इसके अलावा सड़कों पर पानी भरने से उनमें गढढे बन चुके हैं। क्षतिग्रस्त सड़कों के कारण वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कच्ची बस्तियों में जलभराव के कारण वहां वर्षा जनित बीमारियों के फैलने की आशंका भी बढ गई है। वहीं, बांधों में जलस्तर लगातार बढ रहा है, ऐसे में सिंचाई विभाग के अधिकारियों को उनकी निगरानी के निर्देश दिए हैं। फसलों में पानी की निकासी नहीं होने से उनमें पीलापन दिखाई देने लगा है, जिससे उत्पादन प्रभावित होगा। ऐसे में फसल खराबे का सर्वे कर जल्द से जल्द रिपोर्ट तैयार करने के लिए तहसीदार व पटवारियों को आदेश दिए गए हैं। क्षतिग्रस्त सड़कों का आंकलन कर उनके पेचवर्क करने के आदेश पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को दिए है। वहीं, गांवों में ओवरफ्लो हो चुके तालाबों की निगरानी के लिए संबंधित ग्राम पंचायतों को हिदायत दी गई है, ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। इस दौरान मंत्री कुमावत ने पाली जिला कलेक्टर से दूरभाष पर वार्ता कर तहसीलदार को स्पेशल गिरदावरी करवाकर आंकलन रिपोर्ट जल्द से जल्द प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने नगरपालिका सभागार में अधिकारियों की बैठक ली। इसमें उन्होंने वर्षा से हुए नुकसान की स्थिति को लेकर चर्चा की। मंत्री ने क्षतिग्रस्त भवनों, सड़कों इत्यादि की मरम्मत के लिए प्रस्ताव तैयार कर राज्य सरकार को भेजने के निर्देश दिए। साथ ही जलभराव वाले स्थानों से पानी की निकासी के उचित प्रबंध करने के आदेश दिए।

अश्व अनुसंधान केंद्र में हिंदी कार्यशाला व अभिनंदन समारोह

बीकानेर, 05 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केंद्र में शुक्रवार को हिंदी राजभाषा से राष्ट्रभाषा: एक स्वप्न या सच्चाई विषय पर हिंदी कार्यशाला एवं अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभागाध्यक्ष डॉ. एस.सी. मेहता ने की। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में देश कठिन निर्णय ले रहा है और ऐसे में यह संभव है कि हिंदी राजभाषा से राष्ट्रभाषा बनने का सफर शीघ्र पूरा हो।इस अवसर पर केंद्र की पहली राजभाषा पत्रिका अश्वराज का विमोचन भी किया गया। कार्यशाला का संचालन वरिष्ठ साहित्यकार एवं समाजसेवी लूणकरण छाजेड़ ने किया।

शिक्षक दिवस पर राजस्थान स्टेट ओपन स्कूल की ऑन डिमांड परीक्षा के नवाचार का शुभारंभ

जयपुर, 05 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को बिड़ला ऑडिटोरियम में राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कक्षा 3 से 8 के विद्यार्थियों के लिए प्रखर राजस्थान 2.0 अभियान का एवं राजस्थान स्टेट ओपन स्कूल की ऑन डिमांड परीक्षा के नवाचार का शुभारंभ किया। उन्होंने शिक्षक दिवस विशेषांक शिविरा पत्रिका तथा शिक्षक सम्मान पुस्तिका का विमोचन भी किया। इस अवसर पर उन्होंने शिक्षकों को उत्कृष्ट शैक्षणिक कार्य के लिए शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया। शर्मा ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माता हैं।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

शिक्षक दिवस पर सीएम योगी आदित्यनाथ का बड़ा ऐलान

यूपी के 9 लाख शिक्षकों को मिलेगी कैशलेस इलाज सुविधा

शिक्षा मित्र, अनुदेशक और रसोइया भी इस सुविधा से जुड़ेंगे

लखनऊ, 05 सितंबर (एजेंसियां)। शिक्षक दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के लाखों शिक्षकों को बड़ी सौगात दी। राजधानी लखनऊ में आयोजित राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि प्रदेश के सभी शिक्षक अब कैशलेस इलाज सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। यह सुविधा न सिर्फ प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक, सहायता प्राप्त विद्यालयों और महाविद्यालयों के शिक्षकों के लिए होगी, बल्कि शिक्षामित्रों, अनुदेशकों और रसोइयों तक को कवर करेगी। मुख्यमंत्री ने यह ऐतिहासिक घोषणा हुए कहा कि इस फैसले से लगभग नौ लाख शिक्षक परिवार सीधे लाभान्वित होंगे। अब किसी भी बीमारी या आपातकालीन स्थिति में शिक्षकों और उनके परिजनों को आर्थिक संकट का सामना नहीं करना पड़ेगा। सीएम योगी ने इसे शिक्षकों के योगदान के प्रति सरकार की कृतज्ञता का प्रतीक बताया। मुख्यमंत्री ने शिक्षक दिवस के अवसर पर लोकभवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षकों का सम्मान, टैबलेट वितरण और स्मार्ट क्लास का लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा, प्रदेशभर के शिक्षकों से यही कहूंगा कि आप लोग अच्छा करिए हम आपके साथ में है। शिक्षक दिवस पर आप सबके मन में होगा कि और क्या हो सकता है। हम आज घोषणा करना चाहते हैं और वह यह कि प्रदेश के सभी शिक्षकों को हम कैशलेस उपचार की व्यवस्था का लाभ देंगे। इसके साथ ही शिक्षामित्र, अनुदेशक और रसोईया को भी हम इसके साथ जोड़ेंगे। यानि इस सुविधा का लाभ उत्तर प्रदेश के लगभग 9 लाख शिक्षकों यानी 9 लाख परिवारों को मिलेगा। बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा और उच्च शिक्षा विभाग जल्द से जल्द सभी औपचारिकताओं को पूर्ण करके एक समय सीमा के अंदर कैशलेस उपचार की सुविधा देने के लिए कार्य करेगा।

मुख्यमंत्री ने यह भी ऐलान किया कि शिक्षामित्रों और अनुदेशकों के मानदेय को बढ़ाने के लिए एक उच्चस्तरीय समिति गठित की गई है। समिति की रिपोर्ट आने के बाद सरकार जल्द ही इस पर सकारात्मक निर्णय लेगी। उन्होंने कहा कि सरकार का निर्णय इसलिए है कि कि यह लोग भी हमारे साथ कदम से कदम मिलाकर इस अभियान को ताकत देते है। इसके लिए बहुत शीघ्र रिपोर्ट आने वाली है और हम उसे दिशा में कुछ बेहतर करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षक केवल ज्ञानदाता नहीं, बल्कि राष्ट्र की नींव मजबूत करने वाले निर्माता हैं। उनके सम्मान और सुविधाओं की चिंता सरकार की प्राथमिकता है।

सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश के विद्यालयों की दशा सुधारने के लिए ऑपरेशन कायाकल्प और प्रोजेक्ट अलंकार जैसे अभियान चलाए गए। ऑपरेशन कायाकल्प के तहत 1.36 लाख विद्यालयों को 19 बुनियादी सुविधाओं से जोड़ा गया। वहीं प्रोजेक्ट अलंकार के जरिए अब तक 2,100 विद्यालयों को नए भवन और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया गया है।

निपुण भारत मिशन और बाल वाटिका जैसी योजनाएं बच्चों की भाषा और गणितीय दक्षता बढ़ाने के साथ ही उन्हें पोषण और बुनियादी शिक्षा से जोड़ रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले माध्यमिक शिक्षा परिषद नकल का अड्डा बन चुकी थी। बाहर के राज्यों से भी बच्चे यहां आकर नकल के सहारे पास होते थे। आज सीसीटीवी निगरानी में पारदर्शी परीक्षाएं कराई जाती हैं। 56 लाख विद्यार्थी परीक्षा देते हैं और मात्र एक माह के भीतर परिणाम घोषित कर दिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि अब यूपी बोर्ड का विद्यार्थी किसी भी बोर्ड से कमतर नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षक जीवनभर शिक्षक ही रहते हैं। उनका महत्व नौकरशाह या राजनेता से भी ऊंचा है, क्योंकि वे राष्ट्र की नींव को गढ़ते हैं। उन्होंने कहा कि यूपी के शिक्षक पूरे देश में समाज निर्माण की भूमिका निभाते रहे हैं, और यही परंपरा भविष्य में और मजबूत होगी। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा के क्षेत्र में यूपी देश के पिछड़े राज्यों में गिना जाता था। परीक्षाएं नकल और अराजकता का पर्याय बन चुकी थीं। योगी ने कहा कि आज जब यूपी शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में सुधार कर रहा है, तब वही लोग नकारात्मक माहौल बनाकर प्रदेश को पीछे धकेलने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन अब उत्तर प्रदेश नकारात्मकता में जीने वाला प्रदेश नहीं है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक तरफ प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को लेकर स्कूल मर्जर और बाल वाटिका पर दुष्प्रचार किया जा रहा था, उसी समय कई विद्यालयों के प्रधानाचार्यों और शिक्षकों ने मेहनत और नवाचार से मिसाल पेश की। उन्होंने स्वयं ही कहा कि आओ हमारे विद्यालयों को देखो। ये किसी कॉन्वेंट और पब्लिक स्कूल को टक्कर देने में सक्षम हैं। मुख्यमंत्री ने उदाहरण देते हुए कहा कि सुल्तानपुर, वाराणसी और प्रदेश के कई जिलों में विद्यालयों ने नवाचार कर यह दिखा दिया कि सरकारी स्कूल भी गुणवत्ता में किसी से पीछे नहीं हैं। उन्होंने कहा कि जब हम लिखी-पढ़ी परंपरा से हटकर काम करते हैं, तभी वह नवाचार कहलाता है और वही समाज के लिए प्रेरणा बनता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 से पहले उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड को कटघरे में खड़ा कर दिया गया था, लेकिन अब यह बोर्ड सुधार और नवाचार के साथ देश का गर्व बन रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल ज्ञान नहीं, बल्कि एक समृद्ध राष्ट्र की आधारशिला है। शिक्षक किसी नौकरशाह या नेता से कम नहीं, बल्कि समाज को दिशा देने वाले पथप्रदर्शक हैं। उन्होंने उदाहरण दिया कि अरुणाचल से लेकर मध्य प्रदेश तक आज भी उत्तर प्रदेश के शिक्षक अपनी उत्कृष्ट शिक्षा के लिए सम्मानित हैं। यही पहचान अब सकारात्मक माहौल और नवाचार के जरिए और सशक्त हो रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नई शिक्षा नीति के अनुरूप 3 से 6 वर्ष के बच्चों के लिए बाल वाटिका की शुरुआत की गई है। इस सत्र में प्रदेश में 5000 से अधिक बाल वाटिकाएं खुल चुकी हैं, जिनमें 25,000 से अधिक बच्चों ने शिक्षा की पहली सीढ़ी चढ़नी शुरू कर दी है। इन बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्रों व मुख्यमंत्री पोषण मिशन से भी जोड़ा जा रहा है, ताकि शिक्षा के साथ उनका स्वास्थ्य भी मजबूत हो और उत्तर प्रदेश की नींव सशक्त बन सके। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बाल वाटिका की पुस्तिकाएं सरल और रोचक हों, ताकि बच्चे खेल-खेल में सीखें और पढ़ाई को आनंददायक मानें। पोषण मिशन के अंतर्गत बच्चों को विविध और आकर्षक भोजन दिया जाए, जिससे उनमें रुचि जागृत हो। उन्होंने कहा कि जिन शिक्षकों ने शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार किए हैं, उनके उदाहरण प्रकाशित होकर सभी विद्यालयों तक पहुंचें और असेंबली में बच्चों के सामने रखे जाएं। इससे अन्य शिक्षक भी प्रेरित होंगे और भावी पीढ़ी के लिए शिक्षा जगत में नई दिशा तैयार होगी। इस अवसर पर माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी, बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह, प्रभारी मुख्य सचिव एवं अपर मुख्य सचिव (बेसिक एवं माध्यमिक) दीपक कुमार और महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा उपस्थित रहे।

भूटान के प्रधानमंत्री ने रामलला के दर्शन किए

अयोध्या, 05 सितंबर (एजेंसियां)। भूटान के प्रधानमंत्री दासो शेरिंग तोबगे ने आज अयोध्या के भव्य राम मंदिर में रामलला के दर्शन किए। पीएम तोबगे ने परिसर में स्थित अन्य मंदिरों में भी दर्शन-पूजन किया।

भूटान के प्रधानमंत्री ने अयोध्या स्थित होटल रामायम में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम के भी साक्षी बने। सांस्कृतिक कार्यक्रम खास तरह से भूटान की पारंपरिक शैली में आयोजित हुए।

प्रधानमंत्री दासो शेरिंग तोबगे अयोध्या एयरपोर्ट से सीधे राम मंदिर पहुंचे थे। उन्होंने करीब 1 घंटे 40 मिनट तक राम जन्मभूमि परिसर में बिताया। इस दौरान उनके साथ प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, अयोध्या के महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, विधायक वेद प्रकाश गुप्त सहित कई अन्य जनप्रतिनिधि और उत्तर प्रदेश शासन और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। उनकी अयोध्या यात्रा को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे।

पीएम तोबगे की अयोध्या यात्रा के दौरान पीएसी, सीआरपीएफ, एसएसएफ, सिविल पुलिस, एटीएस और एसटीएफ समेत सभी सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर रहीं।

प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री कार्यालय भी दौरे की निगरानी कर रहे थे। अयोध्या पहुंचने पर पीएम तोबगे का रेड-कार्पेट स्वागत किया गया।

ताजमहल तक पहुंचा यमुना का पानी

आगरा, 05 सितंबर (एजेंसियां)। आगरा में यमुना नदी खतरे के निशान से ढाई फीट ऊपर बह रही है। ताजमहल की दीवार तक पानी पहुंच गया है। पुरातत्व विभाग का कहना है कि ताज की नींव सुरक्षित है, लेकिन संरक्षित स्मारकों में सीलन का खतरा बढ़ गया है।

ताजमहल की यमुना से लगती दीवार पर बाढ़ का पानी छूने के साथ ही इस बात को लेकर फिर चर्चा शुरू हो गई है कि इस पानी से नींव को लाभ होगा या नुकसान।

हालांकि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) विभाग का कहना है कि ताजमहल से लगकर हमेशा ही यमुना बहती थी। इसकी नींव को भी जिस लकड़ी से बनाया गया है, वह पानी से खराब नहीं होती। ऐसे में फिलहाल उसकी नींव पर इस बार के पानी का क्या असर हुआ, इसका पता निरीक्षण के बाद चलेगा। ताजमहल के वरिष्ठ संरक्षण सहायक प्रिंस वाजपेई ने बताया कि जलस्तर पर नजर रखी जा रही है। रिपोर्ट बनाकर उच्चाधिकारियों को भेजी जाएगी। मुख्यालय से आगे जो भी निर्देश आएंगे, उसके अनुसार कदम उठाया जाएगा।

ताजमहल की पिछली दीवार तक यमुना की धारा टकराने लगी है। मंटोला नाला बैक मारने से आगरा किला की खाई में तीन फीट पानी भर गया है। एत्माउद्दौला के पीछे बने 12 कमरे 5 फीट पानी में डूबे हैं। ताज व्यू प्वाइंट तक पानी पहुंच सकता है। यमुना के पानी से संरक्षित स्मारकों में सीलन का खतरा बढ़ गया है। बारिश के बीच बैराजों से छोड़े जा रहे पानी से यमुना का जलस्तर बढ़ता ही जा रहा है। बृहस्पतिवार को शहर के दो मोक्षधाम डूब गए। पोइया स्थित मोक्षधाम में चिता जलाने की जगह नहीं मिली। लोगों ने पानी में खड़े होकर अपने परिजन का अंतिम संस्कार किया। वहीं ताजगंज मोक्षधाम का दूसरा प्लेटफार्म भी डूब गया। यमुना खतरे के निशान से ढाई फीट ऊपर बह रही है। अगले तीन दिन और उफान पर रहेगी। ताजमहल की दीवार तक पानी पहुंच गया है।

शहर की सीमा में दयालबाग के अमर विहार, राजश्री अपार्टमेंट से लेकर सिकंदरपुर रोड तक रास्ते में पानी भरने लगा है। कैलाश मंदिर की सीढ़ियां डूब गई हैं। मेहरा नहारगंज में 40 परिवार विस्थापित हुए हैं। मनोहरपुर, खासपुर, जगनपुर से लेकर तनौरा, नूरपुर, विसारना, मोतीमहल, महल बादशाही, कटरा वजीर खां, रामबाग बस्ती, टेढ़ी बगिया के निचले इलाकों से लोग घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जा रहे हैं।

वॉटर वर्क्स पर बृहस्पतिवार शाम पांच बजे यमुना जलस्तर 497.5 फीट था। एक दिन पहले यह 497.2 फीट था, जबकि चेतावनी स्तर 495 फीट है। रविवार तक यह 499 फीट तक पहुंच सकता है। पोइया घाट पर मोक्षधाम में दाह संस्कार के लिए लोग परेशान रहे। 1978 में यमुना में बाढ़ आने पर जलस्तर 508 फीट तक पहुंच गया था। एडीएम वित्त एवं राजस्व शुभांगी शुक्ला और एसडीएम सदर सचिन राजपूत ने पोइया घाट से लेकर यमुना किनारा तक बाढ़ संभावित क्षेत्रों का दौरा किया।

यमुना की बाढ़ से एत्मादपुर, सदर, फतेहाबाद और बाह तहसील क्षेत्र में 40 से अधिक गांव प्रभावित हैं। प्रशासन ने फिलहाल 18 गांव चिह्नित किए हैं जिनमें बाढ़ का खतरा अधिक है। यहां लोगों को घर छोड़ना पड़ सकता है। इनमें रहनकला, बुढ़ाना, नगला कटा, शाहिदपुर, वीरपुरा, पारौली, बिचौला, गिदरौन, भरापुरा, नगला धीमर, नगला पैमा, नगला तल्फी, नाहरगंज समेत 18 गांव शामिल हैं।

बच्चा बेचने वाला गिरोह पकड़ा गया, चार बच्चे बरामद

अमरोहा, 05 सितंबर (एजेंसियां)। बहराइच व लखीमपुर से बच्चों को लाकर अमरोहा में बेचने का मामला सामने आया है। इनको घरों में मजदूरी करने के लिए बेचा गया। प्रत्येक बच्चे की कीमत साढ़े सात हजार रुपए लगाई गई। जानकारी पर पहुंची बाल कल्याण समिति व अन्य विभागों की टीम ने चार बच्चों को चककालीलेट पट्टी से बरामद कर लिया। बहराइच और लखीमपुर से लाए गए चार किशोरों को मजदूरी के लिए बेच दिया गया। बाल कल्याण समिति और पुलिस टीम ने चककालीलेट पट्टी गांव से चारों बच्चों को बरामद कर लिया। आरोपी बहराइच निवासी भाग गया है। उसकी तलाश जारी है।

बरामद हुए बच्चों में दो बच्चे लखीमपुर के रहने वाले हैं जो तहेरे-चचेरे भाई है। वहीं, दो बहराइच के हैं जो ममेरे-फुफेरे भाई है। टीम को बच्चों को यहां लाकर बेचने वाले बहराइच के मुकेश की तलाश है। बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष अतुलेश भारद्वाज ने बताया कि देहात थानाक्षेत्र के चककालीलेट पट्टी गांव में चार बच्चों के खरीद-फरोख्त की सूचना मिली थी। जानकारी पर वह, चाइल्ड हेल्पलाइन के प्रभारी मुकेश, संरक्षण इकाई के कर्मचारी मुकेश व सपोर्ट पर्सन कमलेश के अलावा एएचटीयू और देहात पुलिस को लेकर गांव पहुंचे और एक घर से चार बच्चों को बरामद किया। सभी की उम्र 10 से 15 साल है।

अतुलेश भारद्वाज ने बताया कि इन बच्चों को बहराइच का रहने वाला मुकेश लेकर आया था। जानकारी मिली है कि यह सिर्फ चार ही बच्चे नहीं हैं बल्कि मुकेश बहराइच से दस बच्चे लेकर आया था। उसने बरामद हुए चार बच्चों का सौदा 30 हजार रुपये में किया था। फिलहाल आरोपी मुकेश नौगांवा सादात क्षेत्र के किसी गांव में रुका है। उधर बाल कल्याण समिति की टीम बच्चों के परिजनों से संपर्क साध रही है। शुक्रवार को बच्चों का मेडिकल कराने के बाद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जा रहा है।

अतुलेश ने बताया कि दो बच्चों का सौदा चककालीलेट पट्टी गांव निवासी महिला से हुआ था जबकि दो को किसी दूसरे गांव भेजने की तैयारी थी। चारों बच्चों को बेचकर मिली रकम मुकेश ने अपने पास रख ली है। फिलहाल मुकेश को पकड़ने की कोशिश की जा रही है। उससे पूछताछ में ही पता चलेगा वह बहराइच से बच्चों को लाकर क्यों बेचता है। क्या इसमें परिवार वालों की सहमति होती है। अभी तक मुकेश ने कितने बच्चों को बचा है इसका भी पता नहीं है। अतुलेश ने बताया कि शुक्रवार को बच्चों का मेडिकल कराया जाएगा। बच्चों के परिजनों से संपर्क किया जा रहा है, उनके आने के बाद अगली कार्रवाई की जाएगी। बच्चों को लाकर मजदूरी के लिए बेचने का गंभीर मामला है। बच्चों ने बताया कि मुकेश उन्हें दस दिन पहले अमरोहा लेकर आया था। उसने खर्चे के लिए रुपये भी नहीं दिए। जिनको बेचा गया था उनके घर और खेतों में काम करने की बात कही गई थी।

कोयला मंत्रालय द्वारा चार सिंगरेनी खदानों को पांच सितारा रेटिंग प्रदान की गई

मंचेरियाल, 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) ने पिछले वित्तीय वर्ष में चार कोयला खदानों के लिए राष्ट्रीय स्तर की फाइव स्टार रेटिंग हासिल करके एक बार फिर अपनी उत्कृष्टता का प्रदर्शन किया है रामागुंडम-3 क्षेत्र से आरजी ओसीपी-1 विस्तार येल्लांडु क्षेत्र से जेके-5 ओसीपी श्रीरामपुर क्षेत्र से भूमिगत खदान आरके-6 और आरके-न्यूटेक खदान को फाइव स्टार रेटिंग प्राप्त हुई है एससीसीएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक एन बलराम को गुरुवार को मुंबई में आयोजित एक पुरस्कार समारोह में केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी द्वारा प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किए गए सीएमडी एन बलराम ने

इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की और खदान प्रबंधन टीमों एवं कर्मचारियों को बधाई दी उन्होंने कहा कि एक ही वर्ष में चार खदानों को फाइव स्टार रेटिंग मिलना अभूतपूर्व और गर्व की बात है कोयला मंत्रालय हर साल देश की सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली खदानों को विभिन्न क्षेत्रों में उनकी उत्कृष्टता को मान्यता देते हुए स्टार रेटिंग प्रदान करता है इस प्रक्रिया को स्टार रेटिंग प्रणाली कहा जाता है इन रेटिंग्स को निर्धारित करने के लिए मंत्रालय 84 मानकों का मूल्यांकन करता है जिनमें खदान का प्रदर्शन, सुरक्षा उपाय, प्रबंधन पद्धतियाँ, उपलब्ध सुविधाएँ, पर्यावरण-अनुकूल गतिविधियाँ और श्रमिक कल्याण शामिल है राष्ट्रीय स्तर पर सर्वोच्च मानक स्थापित करने वाली खदानों में कोयला मंत्रालय की मूल्यांकन टीम सीधे निरीक्षण करती है और 84 निर्दिष्ट मापदंडों का मूल्यांकन करती है प्रारंभिक मूल्यांकन के बाद सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली खदानों का चयन किया जाता है और अंतिम चयन एक अन्य समिति द्वारा किया जाता है 100 में से 91 से अधिक अंक प्राप्त करने वाली खदानों को फाइव स्टार रेटिंग दी जाती है इस वर्ष सिंगरेनी द्वारा चार खदानों के लिए पाँच सितारा रेटिंग प्राप्त करना सराहनीय है ये पुरस्कार कंपनी द्वारा खदान प्रबंधन, पर्यावरण प्रथाओं कल्याणकारी कार्यक्रमों और उत्पादन तकनीकों में उच्च मानकों के पालन के कारण प्राप्त हुए है इसके अलावा यह भी उल्लेखनीय है कि 14 खदानों ने 100 में से 80 से 90 अंक प्राप्त किए और उन्हें फोर स्टार रेटिंग प्राप्त हुई उल्लेखनीय है कि 20 खदानों को थ्री-स्टार रेटिंग प्राप्त हुई है हालाँकि कुछ खदानों को पहले टू-स्टार रेटिंग मिली थी लेकिन इस बार सभी खदानों ने अपने प्रदर्शन में सुधार करते हुए थ्री स्टार रेटिंग प्राप्त की जो सराहनीय है।

शिक्षक दिवस पर सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों का सम्मान

चेन्नूर, 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

लायंस क्लब के तत्वावधान में, चेन्नूर मंडल और आसपास के क्षेत्रों के सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों को चेन्नूर लायंस क्लब के अध्यक्ष लायन जडी तिरुपति के नेतृत्व में सम्मानित किया गया, , लायंस क्लब के सदस्यों ने सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों ए. स्वर्णलता, सी.एच. सारदा, एन. सुनीता और एस.डी. नजीब अली को सम्मानित किया गया,

लायंस क्लब अध्यक्ष लायन जडी तिरुपति ने कहा कि शिक्षकों को सम्मानित करते हुए हमें अत्यंत प्रसन्नता हो रही है और आने वाली पीढ़ी के लिए ज्ञानवान व्यक्ति तैयार करने की शक्ति एक शिक्षक में ही निहित है,इस कार्यक्रम के तहत सचिव लायन सौधम श्रीनिवास, कोषाध्यक्ष लायन निम्मला सागर, लायन बेलमपल्ली नागराज गौड़, लायन कुंभम मल्लिकार्जुन रेड्डी, लायन कप्स प्रताप सिंह, लायन बुद्धरापु प्रकाश बाबू, के.सत्यनारायणजफा एचएम किशतमपेटा, शिक्षक जोदु मधु, शिक्षक बंदरी संतोष, बंदारी सतीश गारू ने भाग लिया है।

जुक्कल विधायक ने किया नष्ट हुए फसलों का निरीक्षण

मदनूर, 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जुक्कल विस क्षेत्र के माननीय विधायक थोटा लक्ष्मी कांताराव ने शुक्रवार के दिन अपने पार्टी कार्यकर्ता व नेताओ के साथ मिलकर मदनूर मंडल के गोजेगांव गांव का दौरा किया। हाल ही में हुई भारी बारिश से क्षतिग्रस्त हुई फसलों का निरीक्षण किया गया। इस समय विधायक ने किसानों को आश्वासन दिया कि तेलंगाना सरकार अपनी फसलें खो चुके किसानों के साथ खड़ी रहेगी और फसल का कृषि अधिकारीतो से सर्वे करने के बाद किसानों को मुआवजा राशि जल्द ही दिया ज्यायगी ।

जुक्कल विधायक ने कुमार गणेशजी की पूज्या-अर्चना की

मदनूर, 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गणेश उत्सव नवरात्रि के अवसर पर शुक्रवार के दिन जुक्कल विस क्षेत्र के माननीय विधायक थोटा लक्ष्मी कांताराव ने मदनूर मंडल केंद्र में श्री कुमार गणेश मंडल के तत्वावधान में स्थापित गणेश मूर्ति की आपने पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ पुरोहित के मंत्र उचार के साथ पूज्या अर्चना की इस के साथ गणेश जी की आरती उतारी और बाद में, उन्होंने श्रद्धालुओं के लिए आयोजित महाअन्नदान कार्यक्रम में भाग लिया और श्रद्धालुओं को स्वयं भोजन प्रसाद परोसा। इस समय गणेश कमिटी के सभासदों ने विधायक को शाल व श्रीफल से सम्मान किय।

विश्व सिद्धांतकार के रूप में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन

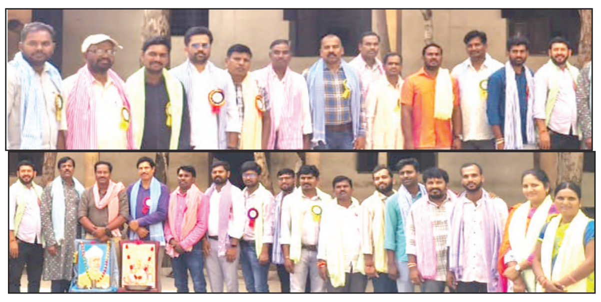

मदनूर, 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

विश्व सिद्धांतकार के रूप में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन समाज में शिक्षकों की भूमिका अनिश्चित है। स्थानिक गुरुकुल पाठशाला जूनियर कॉलेज प्रधानाचार्य नंदला गंगाकिशोर, प्रख्यात कवि एवं संस्कृत व्याख्याता वेंकट ने कहा कि गुरु ही अज्ञानता को दूर ज्ञान का प्रकाश करते हैं और विद्यार्थियों को गुरु की पूजा करनी चाहिए।तेलंगाना गुरुकुल बॉयज स्कूल एवं जूनियर कॉलेज में शुक्रवार के दिन राष्ट्रीय शिक्षक दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

तेलंगाना किसान सशस्त्र संघर्ष महोत्सव मनाएं

जगतियाल, 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जगतियाल जिले कोरुटला के प्रभाकर ग्रन्धालय में पार्टी के नेतावो सेएक समावेश किया गया जिस में सीपीआई के राष्ट्रीय नेता और पूर्व विधायक चाडा वेंकट रेड्डी ने पार्टी कार्यकर्ताओं से इस महीने की 11 तारीख से 11 तारीख तक ग्राम मंडल जिला केंद्रों पर वीरराजुंडाला फहराने और लोगों को इतिहास समझाने का आह्वान किया। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी सीपीआई जगित्याला जिला कार्यकारी परिषद की बैठक शुक्रवार को श्री प्रभाकर भवन में मुलुगुरी हनुमंतु की अध्यक्षता में हुई। बैठक में बोलते हुए चाडा वेंकट रेड्डी ने कहा कि सीपीआई पार्टी आजादी से पहले ही अपने गठन के 100

साल पूरे कर लेगी। 77वें तेलंगाना किसान सशस्त्र संघर्ष में तत्कालीन संयुक्त करीमनगर जिला संसद सदस्य बद्दाम येल्ला रेड्डी रवि नारायण रेड्डी मग्गाम मोहिनुद्दीन अरुतला कमला रामचंद्र रेड्डी बोम्मगनी धर्म भिक्षा राज बहादुर गौड़ शहीद हुए थे। योद्धा डोड्डी कोमारैय्या अनावेरी प्रभाकर सोयबुल्लाह खान शेख बंदगी चकाली ऐलम्मा हीरोइसिता भूमि कोष भुक्ति कोष विकटिक सागर कोष उन्होंने बताया कि भूमि की मुक्ति के लिए तेलंगाना सशस्त्र संघर्ष में 4500 लोग शहीद हुए, गरीबों में 10 लाख वितरित किए गए और 3000 गांवों को रजाकारों के शासन से मुक्त कराया गया। उन्होंने कहा कि 17 सितंबर 1948 को निजाम नवाब हैदराबाद राज्य का तेलंगाना में विलय हो गया। उन्होंने कहा कि यह इतिहास लोगों को समझाया जाना चाहिए। उन्होंने इस संघर्ष में इतिहास को हिंदू और मुस्लिम के रूप में विकृत करने के लिए भाजपा सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि सरकार को एक आधिकारिक कार्यक्रम आयोजित करना चाहिए और इसे तेलंगाना की पाठ्यपुस्तकों में शामिल करना चाहिए। उन्हें अगले स्थानीय निकाय चुनावों में सरपंच और एमपीटीसी के रूप में चुनाव लड़ने के लिए तैयार रहना चाहिए। सबसे पहले, सीपीआई के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव और संसद सदस्य सुरवरम सुधाकर रेड्डी ने चित्र पर माल्यार्पण किया और श्रद्धांजलि अर्पित की। सीपीआई के जिला सचिव चेन्ना विश्वनाथम, सहायक सचिव एरुगु राला भूमेश्वर, पूर्व जिला सचिव वेन्ना सुरेश एर्राडांडी भुमैया, जिला नेता सुतारी रामुलु, मोहम्मद मौलाना एंडी मुखा, मोहम्मद उस्मान कोक्कुला शांता अन्नम, राधा मैडिसेटी, किरण कोंडा राजैया, सनिगरापु प्रवीण और अन्य ने भाग लिया।

राजाकुडी शेड विध्वंस स्थानीय लोगों का सिंगरेनी अधिकारियों पर गुस्सा

मंचेरियाल, 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सिंगरेनी के मंदामरी इलाके में सोमागुडेम भारत कॉलोनी चौरास्ता स्थित राजाकुडी पर सिंगरेनी एसएंडपीसी कर्मचारियों ने अपनी ताकत दिखाई कंचारला राजमल्लू नाम का एक व्यक्ति अपनी जाति के पेशे पर विश्वास करके अपना जीवन यापन करता है उसने सोमागुडेम चौरास्ता पर जाल से एक शेड बनवाया था और हाल ही में उसने सरकंडों से अस्थायी शेड बनाने का काम शुरू किया था हालाँकि सिंगरेनी एसएंडपीसी के कर्मचारियों ने आकर राजमल्लू का शेड तोड़ दिया और उसे यहाँ निर्माण कार्य न करने के लिए कहा उसने कहा अपने जातिगत पेशे पर भरोसा करके जी रहा हूँ मेरा पेट मत मारो गिड़गिड़ाने पर भी कर्मचारियों ने दया नहीं दिखाई इसके साथ ही पीड़ित अपने लिए न्याय की माँग कर रहा है अधिकारी जिन्होंने गरीब होने के बावजूद उसका बहुत सम्मान किया उसके आस-पास बड़े-बड़े अवैध ढाँचे बनने पर भी चुप रहने के लिए कड़ी आलोचना का सामना कर रहे है तेलंगाना रजाका प्रोफेशनल्स एसोसिएशन के जिला महासचिव रामुलु और उपाध्यक्ष चंदर ने राजामल्लू के शेड को गिराए जाने की निंदा की जो 30 वर्षों से उस छोटी सी लॉन्ड्री की दुकान पर निर्भर है उन्होंने सिंगरेनी प्रबंधन के रवैये की आलोचना की और राजामल्लू के लिए न्याय की माँग की अन्यथा उन्होंने चेतावनी दी कि सभी रजा आंदोलन का रास्ता अपनाएँगे।

यादगिरिगुट्टा के बड़े नाले की सफाई कराए : सीपीएम

यादगिरिगुट्टा, 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कल्लूरी मल्लेशम सीपीएम जिला सचिवालय के सदस्य कल्लूरी मल्लेशम सीपीएम जिला सचिवालय के सदस्यों ने मांग की है कि कल्लूरी मल्लेशम सरकार यादगिरिगुट्टा कस्बे में पुलिस थाने के पास स्थित बड़े नाले की सफाई कराए और उस पर स्लैब डालकर लोगों के स्वास्थ्य की रक्षा करे। शुक्रवार को यादगिरिगुट्टा कस्बे में स्थानीय बड़े नाले की समस्याओं का सर्वेक्षण और परीक्षण किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए, कल्लूरी मल्लेशम ने मांग की कि सरकार यादगिरिगुट्टा, जो राज्य के प्रथम दिव्य स्थल के रूप में प्रसिद्ध है, के आवासीय क्षेत्रों के बीच स्थित बड़े नाले की सफाई कराए और लोगों के जीवन की रक्षा के लिए उस पर स्लैब बिछाए। वर्तमान और पूर्व विधायकों ने कहा कि नाबदान पर कोई स्लैब नहीं है, जो नाबदान से पैदल दूरी पर स्थित है, और परिणामस्वरूप, बच्चे मच्छरों, मौसमी बीमारियों और डेंगू बुखार की चपेट में आ रहे हैं, और उन्होंने मांग की कि शासक तुरंत स्लैब बिछाएँ। उन्होंने मांग की कि शहर की स्थानीय समस्याओं का समाधान किया जाए। सीपीएम नगर सचिव नुकला भास्कर रेड्डी, नेता लतीफ, ईश्वर रेड्डी, रामचंद्रम और हमाली नेता स्वामी वेंकटेश कार्यक्रम में उपस्थित थे। थिरुमलेश, मधु, स्थानीय लोग मुद्दसानी कल्पना, सुनीता, चंद्रम्मा, अरे सत्यनारायण, अरे श्रीधर, लिंगाला सत्यम और अन्य ने भाग लिया।

ईद-मिलाद पर फल वितरण

जुक्कल, 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।इस ईद-ए-मिलाद-उन-नबी (PBUH) पर पैगंबर मुहम्मद (झइणक) की 1500वीं जयंती के अवसर पर फल वितरण। जुक्कल मंडल के मुस्लिम भाई और गांव के युवा जुक्कल मंडल केंद्र के सरकारी अस्पताल में इलाज करा रहे बीमार लोगों को फल वितरित कर किया गया। वितरण के बाद, मुस्लिम भाइयों और गांव के युवाओं ने कहा कि सभी को ईद मिलाद उन नबी के अवसर पर पैगंबर मुहम्मद (उन पर शांति हो) के शब्दों का पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि समानता सभी में होनी चाहिए, (लिंग की परवाह किए बिना पुरुष और महिला समान हैं, इसी तरह, आप एक निचली जाति हैं, आप एक उच्च जाति हैं, हर कोई मानव है, उन्होंने हमें यह पहचानने के लिए कहा कि समानता सभी में होनी चाहिए, उन्होंने कहा कि हमें भी ऐसा ही करना चाहिए) बच्चों का समर्थन करना (हमें सभी के प्रति दयालु होना सीखना चाहिए, अगर किसी के पास कुछ नहीं है, तो हमें जो कुछ हमारे पास है उसमें से कुछ देना चाहिए, उन्होंने कहा कि सभी को सोचने का एक तरीका अपनाना चाहिए, माता-पिता का सम्मान करना चाहिए, यह हमारा अस्तित्व नहीं है।

बुर्का पहने एक शख्स मेडिकल कॉलेज के बाथरूम में घुसा

मंचेरियाल, 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

एक निजी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के महिला शौचालय में बुर्का पहने व्यक्ति के प्रवेश से शुक्रवार को करीमनगर में हड़कंप मच गया बुर्का पहने एक अज्ञात व्यक्ति एक महिला के साथ यहां एक निजी मेडिकल कॉलेज के महिला शौचालय में घुस गया मरीजों के तीमारदारों ने उन्हें एक महिला से सोने के गहने चुराने की कोशिश करते हुए पकड़ लिया और अस्पताल के सुरक्षाकर्मियों के हवाले कर दिया।बाद में उन्हें पुलिस के हवाले कर दिया गया यह स्पष्ट नहीं है कि बुर्का पहने एक आदमी महिला शौचालय में क्यों घुसा।

पुलिस ने गाँवों में सीसीटीवी कैमरे लगाए

जगतियाल, 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सामुदायिक पुलिस के तहत, गणेश मंडप प्रशासकों के सहयोग से कोडिम्याला, नचुपल्ली, पुदुर, चेप्याल और रामकिष्टपुर गाँवों में गणेश मंडप प्रशासकों के सहयोग से 25 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए।इस अवसर पर बोलते हुए, मलयाला के सीआई रवि ने कहा... ये सीसीटीवी कैमरे गाँवों के लोगों की सुरक्षा के लिए बहुत उपयोगी होंगे। उन्होंने कहा कि ये सीसीटीवी कैमरे गाँव के महत्वपूर्ण चौराहों, प्रवेश और निकास द्वारों पर लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी कैमरे अपराधों की रोकथाम, आरोपियों की पहचान और जाँच में तेज़ी लाने में बहुत उपयोगी होंगे। उन्होंने कहा कि लोगों के सहयोग से लगाए गए ये सीसीटीवी कैमरे गाँवों की सुरक्षा के लिए सुरक्षा कवच का काम करेंगे। उन्होंने सीसीटीवी कैमरे लगाने में सहयोग करने वाले गणेश मंडप प्रशासकों को बधाई और धन्यवाद दिया।एसएस संदीप और स्थानीय लोगों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

जीएसटी सुधारों से सरकार को 3,700 करोड़ रुपए राजस्व का होगा नुकसान : एसबीआई

नई दिल्ली,05 सितंबर (एजेंसियां)।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने अपनी नवीनतम शोध रिपोर्ट में कहा है कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कमी के जरिए जीएसटी में सुधार से 3,700 करोड़ रुपये का न्यूनतम राजस्व नुकसान होगा। दूसरी तरफ केंद्र सरकार का अनुमान है कि जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने का शुद्ध राजकोषीय प्रभाव सालाना आधार पर 48 हजार करोड़ रुपये होगा।

स्टेट बैंक ने शुक्रवार को जारी अपनी नवीनतम शोध रिपोर्ट में कहा है कि विकास और उपभोग में वृद्धि को देखते हुए न्यूनतम राजस्व हानि 3,700 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है, जबकि इसका राजकोषीय घाटे पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। रिपोर्ट में कहा गया कि जीएसटी दर को युक्तिसंगत बनाने से लागत दक्षता में सार्थक सुधार के कारण बैंकिंग क्षेत्र पर काफी हद तक सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इससे प्रभावी भारित औसत दर भी इसके 2017 में लागू होने के समय 14.4 फीसदी से घटकर 9.5 फीसदी हो गई है। रिपोर्ट के मुताबिक चूंकि आवश्यक वस्तुओं (लगभग 295) की जीएसटी दर युक्तिकरण 12 फीसदी से घटकर पांच फीसदी या शून्य हो गई है। इसलिए चालू वित्त वर्ष 2025-26 में इस श्रेणी में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित महंगाई दर यानी मुद्रास्फीति भी 0.25 फीसदी से 0.30 फीसदी तक कम हो सकती है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि कुल मिलाकर सीपीआई आधारित मुद्रास्फीति अगामी वित्त वर्ष 2026-27 तक 0.65 फीसदी से 0.75 फीसदी अंकों के बीच नियंत्रित रह सकती है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता वाली जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक में इसी हफ्ते जीएसटी के मौजूदा चार स्तरीय ढांचे को बदलकर दो स्तरीय कर दिया गया है। जीएसटी के नए स्लैब में अब 18 फीसदी एवं पांच फीसदी और कुछ चुनिंदा वस्तुओं तथा सेवाओं पर 40 फीसदी की दर शामिल है। नई दरें नवरात्रि के पहले दिन 22 सितंबर से लागू होंगी।

न्यूज ब्रीफ

सीसीआई ने एम्मार इंडिया पर प्रभुत्व के दुरुपयोग के आरोपों को किया खारिज

नई दिल्ली। सीसीआई ने एम्मार इंडिया पर प्रभुत्व के दुरुपयोग के आरोपों को किया खारिज कॉम्पटीशन कमीशन ऑफ इंडिया (सीसीआई) ने एम्मार इंडिया लिमिटेड और उससे जुड़ी कंपनियों के खिलाफ परियोजना के क्षेत्र में प्रभुत्व के दुरुपयोग और प्रतिस्पर्धा-विरोधी व्यवहार के आरोपों को खारिज कर दिया है। यह मामला एक मुखबिर की शिकायत पर आधारित था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि एम्मार ने 97 खाली भूखंडों पर बिल्डर फ्लोर और गैर-विला आवासीय इकाइयों का निर्माण कर 'सिग्नेचर विला कम्युनिटी' की पहचान को नुकसान पहुंचाया। सीसीआई ने मामले की जांच के दौरान पाया कि गुरुग्राम में विला विकास एवं बिक्री के क्षेत्र में एम्मार इंडिया की प्रभुत्वशाली स्थिति नहीं है। बाजार में कई बड़े डेवलपर्स जैसे डीएलएफ, गोदरेज, टाटा हाउसिंग, सिग्नेचर ग्लोबल और वाटिका ग्रुप सक्रिय हैं, जो उपभोक्ताओं को विकल्प उपलब्ध कराते हैं। इसलिए, एम्मार द्वारा प्रभुत्व के दुरुपयोग के आरोप प्रथम दृष्टया निराधार पाए गए। प्रतिस्पर्धा अधिनियम की धारा 3 और 4 के तहत आरोपों का कोई मामला नहीं बनता है, इस आधार पर सीसीआई ने शिकायत को खारिज कर दिया। नियामक ने कहा कि संबंधित संस्थाओं के खिलाफ कोई प्रतिस्पर्धा-विरोधी कृत्य सिद्ध नहीं हुआ है। यह फैसला प्रतिस्पर्धा के संरक्षण और बाजार में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

छोटे चाय उत्पादकों ने हरी चाय पत्तियों के लिए एमएसपी की मांग की

कोलकाता। देश के करीब 2.5 लाख छोटे चाय उत्पादक (एसटीजी) ने सरकार से हरी चाय की पत्तियों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) लागू करने की मांग की है। छोटे उत्पादकों का कहना है कि वे देश की कुल चाय उत्पादन में 50 प्रतिशत से अधिक योगदान देते हैं, लेकिन बाजार में कीमतों में गिरावट और अस्थिरता के कारण उनकी आय प्रभावित हो रही है। भारतीय लघु चाय उत्पादक संघों के परिसंघ (सीआईएसटीए) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एसटीजी ने 35 रुपये प्रति किलोग्राम के एमएसपी की मांग की है, जिससे उन्हें आर्थिक सुरक्षा मिलेगी और उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता बनी रहेगी। उन्होंने यह भी कहा कि छोटे चाय उत्पादकों को कृषि किसानों के समान दर्जा दिया जाना चाहिए ताकि वे केंद्र की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठा सकें। केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारियों से मुलाकात में मंत्रालय ने इस मुद्दे पर जमीनी स्तर पर अध्ययन कराने की बात कही है। मंत्रालय एमएसपी के निष्पक्ष और पारदर्शी कार्यान्वयन के लिए एक राष्ट्रीय मूल्य निर्धारण समिति भी गठित करेगा।

डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में टेक दिग्गजों के साथ की मुलाकात

वॉशिंगटन। अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला, गूगल के सुंदर पिचाई, मेटा के मार्क जुकरबर्ग, बिल गेट्स, एप्पल के टिम कुक सहित प्रमुख टेक्नोलॉजी नेताओं के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। ट्रंप ने इस अवसर पर इन तकनीकी नेताओं को उच्च आईक्यू वाला समूह बताते हुए उनकी प्रशंसा की और कहा कि ये लोग व्यवसाय और नवाचार में क्रांति ला रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि यह समूह दुनिया के सबसे प्रतिभाशाली लोगों का प्रतिनिधित्व करता है। मैं इस पर गर्व महसूस करता हूं। ये लोग हर उस क्षेत्र में बदलाव ला रहे हैं, जिसकी हम कल्पना भी कर सकते हैं। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पिचाई, नडेला सहित प्रौद्योगिकी जगत के दिग्गजों की मेजबानी की बैठक में ट्रंप ने इन दिग्गजों से उनके विचार साझा करने को कहा। गूगल के सुंदर पिचाई ने कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) तकनीक का युग हमारे जीवनकाल का सबसे बड़ा परिवर्तनकारी दौर है। उन्होंने कहा कि अमेरिका को इस क्षेत्र में सबसे आगे रहना होगा। पिचाई ने ट्रंप के नेतृत्व की सराहना करते हुए सहयोग की इच्छा जताई। सत्य नडेला ने कहा कि उद्योग को विशिष्ट बनाना केवल नवाचार से नहीं होता, बल्कि वैश्विक बाजार तक पहुंच से होता है। उन्होंने ट्रंप की भूमिका की सराहना की।

पूरे दिन के कारोबार से निवेशकों ने कमाए 16 हजार करोड़ रुपये

दिनभर उतार-चढ़ाव के बाद सपाट स्तर पर बंद हुआ बाजार, सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 715 अंक लुढ़का

नई दिल्ली,05 सितंबर (एजेंसियां)।

घरेलू शेयर बाजार पूरे दिन उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद सपाट स्तर पर मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुआ। के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में मामूली तेजी भी आई। इसके बाद बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से दोनों सूचकांक अपनी सारी बढ़त गंवा कर लाल निशान में गिर गए। हालांकि दिन के दूसरे सत्र में एक बार फिर खरीदारों ने मोर्चा संभाला, जिसकी वजह से शेयर बाजार निचले स्तर से रिकवरी करने में सफल रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.009 प्रतिशत की कमजोरी के साथ और निफ्टी 0.027 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे।

दिनभर के कारोबार के दौरान ऑटोमोबाइल और मेटल सेक्टर के शेयरों में जमकर खरीदारी होती रही। इसके अलावा पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, हेल्थ केयर, कंज्यूमर ड्यूरेबल और बैंकिंग इंडेक्स भी मामूली तेजी के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर, आईटी, एफएमसीजी और टेक सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह ऑयल एंड गैस और कैपिटल गुड्स इंडेक्स भी कमजोरी के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.10 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। वहीं, स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.09 प्रतिशत की बढ़त के साथ के कारोबार का अंत किया। शेयर बाजार में लगातार उतार-चढ़ाव होने और सपाट स्तर पर बंद होने के बावजूद स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 16 हजार करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद बढ़ कर 451.44 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 451.28 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 16 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,260 शेयरों में

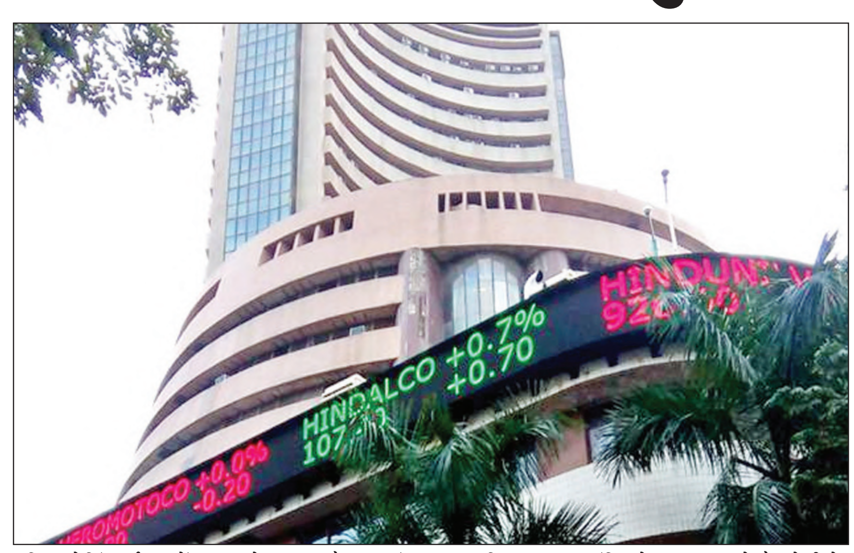

एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,134 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,957 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 169 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,776 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,411 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,365 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 14 शेयर बढ़त के साथ और 16 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 27 शेयर हरे निशान में और 23 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स 294.41 अंक उछल कर 81,012.42 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही ये सूचकांक खरीदारी के सपोर्ट से 318.55 अंक की बढ़त के साथ 81,036.56 अंक तक पहुंच गया। इस उछाल के तुरंत बाद बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 715.37 अंक टूट कर 396.82 अंक की कमजोरी के साथ 80,321.19 अंक तक गिर गया। हालांकि दोपहर एक बजे के थोड़ी देर पहले खरीदारों ने एक बार फिर मोर्चा संभाला, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में सुधार होने लगा। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स निचले स्तर से करीब 390 अंक की रिकवरी करके 7.25 अंक की मामूली गिरावट के साथ 80,710.76 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने 84.55 अंक की मजबूती के साथ 24,818.85 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 98.05 अंक की मजबूती के साथ 24,832.35 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण निफ्टी ने अपनी सारी बढ़त गंवा दी। बिकवाली के दबाव में ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 210.75 अंक लुढ़क कर 112.70 अंक की कमजोरी के साथ 24,621.60 अंक के स्तर तक गिर गया। दिन के दूसरे सत्र में खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाना शुरू कर दिया, जिससे इस सूचकांक की चाल में सुधार होने लगा।

अदाणी पावर को 1:5 के अनुपात में शेयर विभाजन के लिए शेयरधारकों की मंजूरी मिली

नई दिल्ली,05 सितंबर (एजेंसियां)।

अदाणी पावर को एक अगस्त 2025 को जारी डाक मतपत्र नोटिस के जरिये 1:5 के अनुपात में शेयर विभाजन के लिए शेयरधारकों की मंजूरी मिल गई है। कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि एक अगस्त की डाक मतपत्र नोटिस में उल्लिखित आवश्यक बहुमत के साथ प्रस्ताव को विधिवत पारित माना गया है। 10 रुपये मूल्य के प्रत्येक शेयर को दो रुपये अंकित मूल्य वाले पांच पूर्ण चुकता शेयर में विभाजित किया जाएगा, जो सभी दृष्टियों से समान होंगे। मतदान छह अगस्त सुबह नौ बजे से चार सितंबर को शाम पांच बजे तक चला। अदाणी पावर ने बताया कि निदेशक मंडल ने एक

विभाजन के बाद शेयर की संख्या 2,480 करोड़ से बढ़कर 12,400 करोड़ हो जाएगी

अगस्त 2025 को अपनी बैठक में खुदरा एवं छोटे निवेशकों की अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए शेयर विभाजन को मंजूरी दी। कंपनी ने बताया कि शेयर के उप-विभाजन/विभाजन के कारण कंपनी की अधिकृत, जारी, अभिदत्त और चुकता शेयर पूंजी में कोई बदलाव नहीं होगा।

शेयर के उप-विभाजन की रिकॉर्ड तिथि, निदेशक मंडल द्वारा सदस्यों की स्वीकृति प्राप्त होने के बाद तय की जाएगी।

रुपया एक पैसे की बढ़त के साथ 88.11 प्रति डॉलर पर

मुंबई। कमजोर अमेरिकी डॉलर और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के चलते शुक्रवार को भारतीय रुपया शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले एक पैसे की तेजी के साथ 88.11 पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 88.11 पर खुला और शुरुआती गिरावट के बाद फिर उसी स्तर पर स्थिर हो गया। गुरुवार को रुपया 88.12 पर बंद हुआ था। गुरुवार को रुपया 88.12 पर बंद हुआ था विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख से रुपये को समर्थन मिला, लेकिन विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा पूंजी निकासी ने उसकी तेजी को सीमित कर दिया। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की ताकत को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.24 फीसदी गिरकर 98.10 पर आ गया।

दुग्ध उत्पादों की जीएसटी दरों में कटौती से दूरगामी लाभ होंगे: मिल्की मिस्ट

चेन्नई। मिल्की मिस्ट डेयरी फूड लिमिटेड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि पनीर, मक्खन, घी जैसे दुग्ध उत्पादों पर जीएसटी दर घटाकर 5 प्रतिशत करने का फैसला उपभोक्ताओं और किसानों दोनों के लिए लाभकारी होगा। रत्नम ने बताया कि इस कदम से पौष्टिक और मूल्यवर्धित दुग्ध उत्पाद सस्ते होंगे, जिससे उनकी मांग बढ़ेगी। इससे नवाचार को प्रोत्साहन मिलेगा और संगठित डेयरी क्षेत्र मजबूत होगा। उन्होंने इसे केवल कर सुधार नहीं बल्कि समावेशी विकास का उत्प्रेरक बताया। दुग्ध उत्पादों पर जीएसटी घटाने से मिलेगा उपभोक्ता और किसान को लाभ रत्नम के अनुसार, यह निर्णय औपचारिक डेयरी कारोबार को बढ़ावा देगा और किसानों को बेहतर कीमत दिलाने में मदद करेगा।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी की भी घटी चमक

नई दिल्ली,05 सितंबर (एजेंसियां)।

घरेलू सर्राफा बाजार में नरमी नजर आ रही है। सोने की कीमत में 900 रुपये से लेकर 940 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। सोने की तरह चांदी भी 1,400 रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ता हो गया है। कीमत में गिरावट आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना प्रति 10 ग्राम 1,05,920 रुपये से लेकर 1,06,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, 22 कैरेट सोना 97,050 रुपये से लेकर 97,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,25,600 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,06,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 97,200 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,05,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 97,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,05,970 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 97,100 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,05,920 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 97,050 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,05,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 97,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,06,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 97,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,05,970 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 97,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,06,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 97,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,05,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 97,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अपमान का...

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तारिक अनवर ने कहा कि कांग्रेस कभी भी बिहार का अपमान नहीं कर सकती। लगता है कि केरल कांग्रेस का अकाउंट हैक हो गया है। ऐसा कोई भी व्यक्ति नहीं लिख सकता जो राजनीति समझता हो। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे केरल नेतृत्व से बात करेंगे और मामले की जांच कराएंगे।

सरकारी स्कूलों...

उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की योग्यता आमतौर पर निजी स्कूलों के शिक्षकों से बेहतर है, लेकिन फिर भी छात्र निजी स्कूलों की ओर रुख कर रहे हैं। इसका मतलब है कि हमें बुनियादी सुविधाओं, छात्र-शिक्षक संबंध और शिक्षण गुणवत्ता में सुधार करना होगा। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि राज्य के लिए एक नई शिक्षा नीति तैयार करने के लिए एक समिति गठित की गई है। इसमें शामिल हैं: पूर्व राज्यसभा सदस्य के. केशव राव, विधायक कादियम श्रीहरि और शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी। इस समिति का काम राज्य की शिक्षा प्रणाली को आधुनिक, समावेशी और छात्र-केंद्रित बनाना होगा।रेवंत रेड्डी ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की शिक्षा नीतियों का हवाला दिया। केजरीवाल को दूसरे और तीसरे कार्यकाल के लिए मुख्य रूप से शिक्षा में सुधार के कारण चुना गया। उन्होंने शिक्षा को शिक्षकों के माध्यम से गरीब वर्ग तक सफलतापूर्वक पहुंचाया। अपने भाषण के अंत में, रेवंत रेड्डी ने अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को स्पष्ट किया कि मेरा भी कुछ स्वार्थ है। अगर आप अच्छा काम करेंगे, तो मेरे लिए दूसरे और तीसरे कार्यकाल की संभावना बन सकती है। मैं कुछ भी छिपाना नहीं चाहता। मैं कड़ी मेहनत करूंगा। मैं आपके साथ मिलकर कड़ी मेहनत करूंगा। इस सीधी और भावनात्मक अपील ने समारोह में मौजूद शिक्षकों के बीच जोश भर दिया।

रेवंत रेड्डी के खिलाफ ...

उद्देश्यों से प्रेरित है। भाजपा का आरोप है कि 4 मई 2024 को रेवंत रेड्डी ने एक चुनावी रैली में भाजपा के खिलाफ भड़काऊ और मानहानिकारक बयान दिया था। उन्होंने दावा किया था कि अगर भाजपा सत्ता में आई, तो वह आरक्षण प्रणाली को खत्म कर देगी। भाजपा का कहना है कि यह बयान पूरी तरह झूठा और भ्रामक था और इसके जरिए रेड्डी ने सामाजिक तनाव पैदा करने और आरक्षण के मुद्दे पर भावनाओं को भड़काने की कोशिश की।यह न केवल भाजपा की छवि को नुकसान पहुंचाने की कोशिश थी, बल्कि राज्य के सामाजिक सद्भाव पर भी हमला था, - भाजपा के वरिष्ठ नेता। यह मामला तेलंगाना में राजनीतिक तनाव को फिर से बढ़ा सकता है। भाजपा का मानना है कि रेवंत रेड्डी के बयानों ने न सिर्फ पार्टी को निशाना बनाया, बल्कि आरक्षण जैसे संवेदनशील मुद्दे को राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया।तेलंगाना कांग्रेस ने इस कदम को राजनीतिक प्रतिशोध बताया है और कहा कि भाजपा सत्ता में नहीं होने के बावजूद राज्य के मुख्यमंत्री को परेशान करने में लगी है। यह सुप्रीम कोर्ट का दुरुपयोग है। भाजपा को चुनाव हारने का गुस्सा अभी तक नहीं उतरा।

भारत ने पीटर नवारो ...

मंत्रालय ने नवारो के सामुदायिक आधार पर आर्थिक गतिविधियों को देखने के दृष्टिकोण को अस्वीकार्य और भड़काऊ बताया। भारत में कोई भी आर्थिक गतिविधि धर्म या जाति के आधार पर नहीं चलती। यह तथ्यों से अलग, रूढ़िग्रस्त और भ्रामक दृष्टिकोण है।

जायसवाल ने जोर देकर कहा कि भारत-अमेरिका संबंध कई चुनौतियों को पार करते हुए लगातार मजबूत हुए हैं। उन्होंने कहा कि हमारा संबंध सिर्फ व्यापार तक सीमित नहीं है। यह रक्षा, तकनीक, जलवायु परिवर्तन, एच-1बी वीजा और गतिशीलता साझेदारी जैसे क्षेत्रों में गहरा है। एच-1बी वीजा मामले में भारत अमेरिका के साथ निरंतर वार्ता कर रहा है। उन्होंने क्वाड (भारत, अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया) को मुक्त, खुले और समावेशी इंडो-पैसिफिक के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बताया। क्वाड नेताओं का अगला शिखर सम्मेलन सदस्य देशों के बीच परामर्श के बाद तय किया जाएगा। प्रवक्ता ने ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट, जिसमें दावा किया गया था कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को गुप्त पत्र भेजा है, को भी पूरी तरह गलत और अफवाह बताया।ऐसी रिपोर्टें तथ्यों के बजाय कल्पना पर आधारित हैं। भारत सरकार के उच्च स्तरीय संवादों के बारे में अनुचित और गलत सूचनाएं फैलाना उचित नहीं है। जायसवाल ने ऑस्ट्रेलिया में 31 अगस्त को हुए एंटी-इमिग्रेंट प्रदर्शनों का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि कई शहरों में हिंसक प्रदर्शन हुए, जिसके बाद भारत के हाई कमीशन और वाणिज्य दूतावास तुरंत सक्रिय हो गए।हमने ऑस्ट्रेलियाई सरकार के साथ संपर्क बनाए रखा और प्रवासी भारतीयों की सुरक्षा के मुद्दों को उठाया। उन्होंने यह भी बताया कि ऑस्ट्रेलियाई सरकार और विपक्ष के कई नेताओं ने बहुसांस्कृतिकता का समर्थन किया और भारतीय समुदाय के योगदान को स्वीकार किया।ऑस्ट्रेलियाई नेताओं ने स्पष्ट किया है कि भारतीय समुदाय उनके देश के विकास और समृद्धि में अहम भूमिका निभा रहा है। यूक्रेन संघर्ष पर बोलते हुए जायसवाल ने कहा कि भारत ने हाल के शांति प्रयासों का स्वागत किया है। हमारा रुख स्पष्ट है - संघर्ष का जल्द से जल्द शांतिपूर्ण समाधान होना चाहिए। सभी पक्ष रचनात्मक तरीके से बातचीत के रास्ते पर आएं। भारत ने पीटर नवारो के बयानों को न सिर्फ तथ्यहीन बताया, बल्कि उन्हें भारत-अमेरिका संबंधों के लिए खतरा माना। साथ ही, विदेश मंत्रालय ने जोर देकर कहा कि भारत तथ्य-आधारित और सम्मानपूर्ण वार्ता के माध्यम से वैश्विक संबंध बनाए रखना चाहता है। हमारे संबंध एक व्यक्ति के विवादास्पद बयानों से नहीं डिगेंगे।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 06 सितंबर, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

शिवलाल जी की 43वीं पुण्यतिथि पर भव्य श्रद्धांजलि सभा आयोजित

लोगों ने याद किया उनका सेवाभावी जीवन

हैदराबाद, 05 सितंबर, 2025 (शुभ लाभ ब्यूरो)। धूलपेट स्थित जाली हनुमान मंदिर परिसर में शुक्रवार को पूर्व विधायक ठाकुर शिवलाल जी की 43वीं पुण्यतिथि पर भव्य श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। शिवलाल स्मारक समिति द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में हजारों लोगों ने भाग लिया और उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके जीवन एवं सामाजिक योगदान को याद किया।

कार्यक्रम के मुख्य आयोजक और शिवलाल जी के पुत्र ठाकुर जितेंद्र सिंह, निदेशक, शिवलाल एजुकेशनल अकादमी, ने भावुक होते हुए कहा कि मेरे पिताजी गरीब और मध्यमवर्ग के सच्चे सहयोगी थे। वे जनता की आवाज सुनते थे और उनकी तकलीफ को अपनी तकलीफ समझकर लड़ते थे। उन्होंने हमेशा भाईचारे, सौहार्द और सामाजिक एकता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि शिवलाल जी के विचार आज भी प्रासंगिक हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं।

लोध क्षत्रिय सदर पंचायत के संचालक मातावाले महेश सिंह ने कहा कि शिवलाल जी क्षेत्र के लिए एक परिवार के सदस्य की तरह थे। वे विधानसभा में क्षेत्र की हर समस्या उठाते थे। उनकी कमी आज भी गहराई से महसूस होती है। वे सिर्फ एक नेता नहीं, बल्कि क्षेत्र की आत्मा थे। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे शिवलाल जी के आदर्शों से प्रेरणा लें और राजनीति को सेवा का माध्यम बनाएं।

गोशामहल के पार्षद पी. लाल सिंह ने कहा कि शिवलाल जी ने आंध्र प्रदेश हिंदी अकादमी के अध्यक्ष रहते हुए हिंदी भाषा के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। कांग्रेस के विधायक होने के बावजूद वे अन्य दलों के नेताओं के साथ भी सद्भाव बनाए रखते थे। मैं उनके मार्गदर्शन में राजनीति में आया। इस बात पर सभी ने सहमति जताई कि शिवलाल जी के समय में राजनीति सत्ता से ज्यादा सेवा के बारे में थी।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग, व्यापारी, छात्र, महिला संगठन और विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। जिनमें-लाल सिंह जी (पार्षद गोशामहल), एम. शशिकला कृष्णा जी (पार्षद मंगलहाट),डी. अनिल सिंह जी (पूर्व पार्षद धूलपेट),एम. अरविंद यादव (महा मंत्री युवा कांग्रेस),श्रीमती परमेश्वरी सिंह जी (पूर्व पार्षद मंगलहाट),सी. मोहनलाल (पूर्व संचालक लोध क्षत्रिय सदर पंचायत),बी. नरेश सिंह (संस्थापक जै.लो.स.वि.स),श्रीमती प्रेमलता सिंह पटेल (विरांगना रानी अवन्ती बाई महिला समिति),राजकुमार सिंह (समाज सेवक),आनन्द सिंह (बी.आर.एस. नेता),राम सिंह जी (रवि सिंह),जानी चंद्र सिंह (पान वाले), समाज सेवी,कन्हैय्या लाल साह (कन्नु पहलवान),के. केवल सिंह (बी.आर.एस. नेता),शैलेंद्र सिंह (पूर्व अ.भ.लो.स.अ.क.स),डा. संतोष सिंह (MBBS, M.D. IDCCM, DIABETOLOGIST),एम. महेश सिंह जी (अध्यक्ष लोध क्षत्रिय मदर पंचायत),दशरथ सिंह जी (अध्यक्ष एल.के.जी.ए),जी. मुकेश सिंह जी (पूर्व पार्षद गोशामहल),गुलाब सिंह (पहलवान),आलाप-रुषोत्तम (भाजापा नेता),ढाबल वाले विरेन्दर सिंह (समाज सेवी),अविनाश देवडा (भाजापा नेता),ए. चन्द्रशेखर सिंह जी (एडवोकेट),गौकरण सिंह (लक्ष्मी नगर) (अध्यक्ष (जे.लो.म.स.वि.स),सुदेश सिंह (समाज सेवक, मंगलहाट),रविन्द्र सिंह (भाजापा नेता),रणवीर सिंह (खम्मन सिंह) (समाज सेवी),डी. सुभाष सिंह (समाज सेवी),सुधीर कुमार तिवारी (कांग्रेस नेता),लक्ष्मीनारायण कलाकार,विजय सारथी (कांग्रेस नेता),श्रीकान्त यादव (कांग्रेस) सहित कई समाजसेवी और अन्य नेता उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन सामूहिक मौन और प्रार्थना के साथ हुआ, जिसमें दिवंगत नेता की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई।

गणेश चतुर्थी के पावन पर्व पर, जय श्री कृष्णा यादव गणेश मंडल में स्थापित 'पहलवान गणेश' की भव्य प्रतिमा के दर्शन करने के लिए भारतीय जनता पार्टी के नेता मुकेश कुमार सोनी पहुँचे। इस अवसर पर उन्होंने भगवान गणेश का आशीर्वाद लिया और क्षेत्र में सुख-समृद्धि की कामना की। मुकेश कुमार सोनी के आगमन पर, नवयुग मंडल के सदस्यों में भारी उत्साह देखा गया। मंडल के सक्रिय सदस्य गुलाब यादव के नेतृत्व में, मुकेश सोनी और दीपक यादव का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस दौरान, उन्हें पुष्पगुच्छ और सम्मान प्रतीक भेंट किए गए, जो उनके प्रति स्थानीय समुदाय के स्नेह और आदर को दर्शाता है।

तेरापंथ भवन में आचार्य भिक्षु का 223वां चरमोत्सव धूमधाम से मनाया गया

हैदराबाद, 5 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेरापंथ भवन, डी.वी. कॉलोनी, सिकंदराबाद में तेरापंथ संस्थापक आचार्य भिक्षु का 223वां चरमोत्सव साध्वीश्री डॉ. गवेषणाश्री जी के सान्निध्य में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया।

राजेंद्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, साध्वीश्री डॉ. गवे-षणाश्री ने अपने प्रवचन में कहा, आचार्य भिक्षु एक ऐसी महान विभूति थे जिन्होंने तेरापंथ संघ के लिए मर्यादाएं स्थापित कीं और संविधान का निर्माण किया। उन्होंने कष्टों को उपहार के रूप में स्वीकार किया और अपने मौलिक चिंतन से नए मूल्यों की स्थापना की। उन्होंने आगे कहा कि आचार्य भिक्षु न केवल एक कुशल विधिवेत्ता थे, बल्कि एक सहज कवि और महान साहित्यकार भी थे। उनका जीवन पुरुषार्थ और प्रेरणा की गौरवमयी गाथाओं से परिपूर्ण है। आचार्य भिक्षु का उदय एक नए आलोक की सृष्टि के समान है, और उनका जीवन अनेक विशिष्टताओं का संगम था।साध्वी मयंकप्रभा जी ने अपने उद्बोधन में कहा, आचार्य भिक्षु ने अपने अंतिम समय में शिक्षा दी कि मर्यादा, आज्ञा, संगठन, समर्पण और अनुशासन का पालन करने से जीवन स्वयं ज्योतिर्मय हो जाता है। उनके जीवन का हर पहलू आत्मा और पराक्रम से परिपूर्ण था। उनका कथन शास्त्र बन गया और उनका दृष्टिकोण पंथ बन गया। साध्वी मयंकप्रभा ने आचार्य भिक्षु के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हुए उनके जीवन दर्शन को रेखांकित किया। साध्वी दक्षप्रभा जी ने मधुर गीतिका प्रस्तुत कर आचार्य भिक्षु के जीवन दर्शन को और भी प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर सिकंदराबाद तेरापंथ सभा के सह-मंत्री हुकमी चंद कोटेचा, तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष राहुल गोलछा, तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्ष नमिता सिंघी, अणुव्रत समिति की मंत्री रीता सुराणा, टीपीएफ अध्यक्ष वीरेंद्र घोषल, शांता जी बैद, चांद बैद सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी आचार्य भिक्षु के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस पावन अवसर पर सैकड़ों श्रावक-श्राविकाओं ने उपवास, आयंबिल, एकासन, पोषध जैसे तप और त्याग स्वीकार कर आचार्य भिक्षु की स्मृति में अपनी आराधना प्रस्तुत की। तेरापंथ भवन में पूरे दिन अखंड जप अनुष्ठान का आयोजन किया गया।

तेरापंथ महिला मंडल ने मंगलाचरण गीत प्रस्तुत कर समारोह में आध्यात्मिक रंग भरा।कार्यक्रम का कुशल संचालन साध्वी मेरुप्रभा जी ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित थीं, जिन्होंने इस आयोजन को अपनी भागीदारी से और भी गरिमामय बनाया।

श्रीमद् भागवत पारायण के प्रचार सामग्री का विमोचन

हैदराबाद 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद सिकंदराबाद लोहाणा महाजन, लव फॉर काऊ फाउंडेशन और हैदराबाद सुंदरकांड मंडल के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 14 सितंबर 2025 से आयोजित होने वाले श्रीमद् भागवत सप्ताह पारायण के भव्य आयोजन से संबंधित प्रचार सामग्री का विमोचन बडीचावडी स्थित श्री जलाराम बापा मंदिर में किया गया।

प्रचार संयोजक रिद्धीश जागीरदार ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि गुरुवार, 4 सितंबर 2025 को शाम 4:30 बजे श्रीमद् भागवत सप्ताह पारायण की प्रचार सामग्री का विमोचन किया गया। इस अवसर पर तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम धर्म प्रचार बोर्ड के सदस्य स्वामी कमलेश महाराज, श्री जगन्नाथ स्वामी मठ, सीतारामबाग के महंत अच्युत रामानुजाचार्य, लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल और ट्रस्टी रंजना शाह, श्री हैदराबाद सिकंदराबाद लोहाणा महाजन के चेयरमैन राजेश रामाणी और अध्यक्ष मुकेश बदीयाणी, तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति जैसे नटवरलाल गणत्रा, अनिल तन्ना, अरविंद महेता, अनिल रायठट्ठा, प्राणी मित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन के संस्थापक मंत्री रिद्धीश जागीरदार, श्री हैदराबाद सिकंदराबाद गुजराती ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष तरुण महेता, हैदराबाद सुंदरकांड मंडल की मीनाबेन ठक्कर, दक्षा घेलानी, इला राजानी, संगीता रायठट्ठा, इंदुबेन गणत्रा, धीरजबेन पोपट, सुजाताबेन तन्ना, हिनाबेन हिन्डोचा, इलाबेन राजानी, श्री गुजराती प्रगति समाज नवरात्रि उत्सव समिति की प्रधान संयोजिका भारतीबेन पटेल, ज्योतिष एवं वास्तुविद घनश्यामभाई भट्ट, पंडित भरत भट्ट, दिलीपभाई कानाबार, सामाजिक कार्यकर्ता गोपी यादव, और आलोक प्रसाद तिवारी आदि उपस्थित रहे।राजेश रामाणी ने बैठक में उपस्थित लोगों का स्वागत करते हुए बताया कि श्रीमद् भागवत पारायण का आयोजन रविवार, 14 सितंबर से शनिवार, 20 सितंबर 2025 तक प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक बडीचावडी स्थित श्री जलाराम बापा मंदिर में किया जाएगा।यह आयोजन अश्विन मास (पितृ पक्ष) के पावन अवसर पर सर्वजन हिताय, सर्वदेह, धन, विद्या, आयु, आरोग्य, सुख, समृद्धि, ऐश्वर्य, और पितृ मोक्ष प्रदान आदि के संकल्प के साथ श्री जगन्नाथ स्वामी मठ, सीतारामबाग के महंत अच्युत रामानुजाचार्य के प्रत्यक्ष पर्यवेक्षण में हो रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे लिए यह सौभाग्य की बात है कि हमें देवी स्वीकृति रामानुजा दासी के पवित्र वाणी से श्रीमद् भागवत पारायण सुनने का लाभ मिलेगा।

राजेश रामाणी ने आगे बताया कि भागवत पारायण के पहले दिन, रविवार, 14 सितंबर को मध्याह्न भोजन का प्रसाद और अंतिम दिन, शनिवार, 20 सितंबर 2025 को रात्रि में महाप्रसाद और हवन का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कई यजमानों के नाम प्राप्त हो चुके हैं, और इच्छुक व्यक्ति पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर अपने नाम अवश्य पंजीकृत कराएं।

पितृ मास में अपने पितरों के आत्म-कल्याण हेतु, श्रीमद् भागवत पारायण में पाटला पूजा के लिए मात्र 21,000 का अनुदान देकर सेवा में भाग लिया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, पोथी यजमान, प्रतिदिन यजमान, सह-यजमान और मुख्य यजमान के रूप में सहयोग करने के इच्छुक लोग भी पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर भाग ले सकेंगे।

श्री हैदराबाद सिकंदराबाद लोहाणा महाजन के अध्यक्ष मुकेश बदीयाणी ने कहा कि जलाराम बापा मंदिर की स्थापना 1982 में की गई थी, और तब से महाजन द्वारा विभिन्न सेवा कार्य आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मंदिर में पूज्य डोंगरेजी महाराज की प्रेरणा से पिछले 37 वर्षों से राम धुन के साथ प्रतिदिन अन्न प्रसाद का वितरण किया जा रहा है।

महाजन की अन्य सेवाओं में चिकित्सा सहायता, शिक्षा सहायता, और युवक-युवती परिचय सम्मेलन के माध्यम से वैवाहिक संबंध जोड़ना भी शामिल है। मंदिर में नवरात्रि उत्सव, रक्षा बंधन, दीपावली मिलन और जलाराम बापा जयंती जैसे कार्यक्रम बड़े ही धूमधाम से मनाए जाते हैं।इस अवसर पर कमलेश महाराज और अच्युत रामानुजाचार्य ने सभी सनातन धर्म प्रेमियों से कहा कि भागवत कथा पारायण परमात्मा से जुड़ने का सबसे श्रेष्ठ और सुंदर माध्यम है। उन्होंने सभी भक्तों से इस आयोजन का लाभ उठाने का अनुरोध किया।

मोइनाबाद में कथित भूमि अतिक्रमणकर्ता के खिलाफ पुलिस ने किया मामला दर्ज

हैदराबाद, 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। यह कार्रवाई एकेडेमिया स्पोर्ट्स विलेज के सीईओ द्वारा खेल भूमि पर अवैध अतिक्रमण की शिकायत के बाद की गई है। पुलिस के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फोटोग्राफर और मल्टीस्पोर्ट्स एकेडमी के सीईओ मोहम्मद शम्सुद्दीन ने मोइनाबाद के अजीजनगर निवासी मादी राम रेड्डी के खिलाफ कई धोखाधड़ी और आपराधिक गतिविधियों को लेकर शिकायत दर्ज कराई है। यह शिकायत लीज पर ली गई खेल विकास संपत्ति से संबंधित है।

अपनी शिकायत में, शम्सुद्दीन ने बताया कि अक्टूबर 2021 में, उन्होंने स्पोर्ट्स एकेडमी के विकास के लिए कुल 3 एकड़ जमीन में से 2 एकड़ के लिए मादी राम रेड्डी के साथ एक लीज समझौता किया था। हालांकि, उनका आरोप है कि मादी राम ने अवैध रूप से आस-पास की अतिरिक्त 2 एकड़ जमीन पर भी कब्जा कर लिया, जिससे कुल कब्जे वाली जमीन 5 एकड़ दिखाई दे रही है।शिकायत में यह भी कहा गया है कि मादी राम ने कई बार गैरकानूनी तरीके से लीज समझौते में बदलाव किया, इसे अगस्त 2031 तक बढ़ा दिया, विकास कार्यों को रोक दिया और संपत्ति में प्रवेश से इनकार कर दिया।

शम्सुद्दीन ने दावा किया है कि उन्होंने बुनियादी ढांचे पर 1.01 करोड़ से अधिक का निवेश किया है, जिसमें चार टेनिस कोर्ट, एक फुटबॉल मैदान और एक बीच वॉलीबॉल कोर्ट शामिल हैं। साथ ही, उन्होंने एक स्पोर्ट्स क्लब के साथ अतिरिक्त 2 करोड़ का निवेश करने के लिए भी एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) किया है।

शम्सुद्दीन ने कहा कि वह धोखे और वित्तीय नुकसान के कारण मानसिक और भावनात्मक रूप से परेशान हैं, और उनका सपना ग्रामीण एथलीटों को बढ़ावा देना और देश का गौरव बढ़ाना था। मोइनाबाद पुलिस ने धारा 318(4) और 316(1) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इंदिरानगर, उप्पुगुडा स्थित बाल गंगाधर तिलक एसोसिएशन के पास एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका नेतृत्व सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती सुमन दांडगे ने किया। इस मौके पर, उन्होंने छोटे बच्चों को खेलों में उनकी भागीदारी और प्रदर्शन के लिए पुरस्कार और उपहार वितरित किए। यह आयोजन बच्चों को प्रोत्साहित करने और उनके उत्साह को बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया था। श्रीमती दांडगे ने इस पहल के माध्यम से समाज में सकारात्मकता और सामुदायिक भावना को बढ़ावा देने का सराहनीय कार्य किया।

गणेश चतुर्थी के पावन पर्व पर, इंदोरिया परिवार के सदस्यों ने अपनी परंपरा को जीवंत रखते हुए, घर में स्थापित भगवान गणेश की मनमोहक प्रतिमा की पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस मंगल अवसर पर परिवार के सदस्य नवरत्न इंदोरिया, लोकेश इंदोरिया और ललिता इंदोरिया ने नंदा शर्मा, मयूर शर्मा, भगवान उपाध्याय और अन्य प्रियजनों के साथ मिलकर, गणपति बप्पा का आशीर्वाद लिया।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

निविदा सूचना सं. : 06-जीएस-एससी-II-25-ओटी, दिनांक 03-09-2025 PUB/1086

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से, कार्यरत सीएओ/सी/आरएसपी/एससीआर-इंजीनियरिंग/दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद, द्वारा 30-09-2025 को 15:00 बजे तक ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से निम्नलिखित कार्यों के लिए खुली निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सं.: 06-जीएस-एससी-11-25-ओटी। **कार्य का नाम:** मुख्य परियोजना प्रबंधक / गति शक्ति / हैदराबाद यूनिट के लिए परियोजना पर्यवेक्षण सेवाएँ (पी.एस.एस.) प्रदान करने हेतु प्रस्ताव के लिए अनुरोध (आर.एफ.पी.)। **विज्ञापित मूल्य:** 5,60,80,881.92 पूधरा (ई.एम.डी.): 4,30,400.00

अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएँ।

उप मुख्य अभियंता/गति शक्ति/हैदराबाद

निविदा सूचना सं.: 36/2025, दिनांक: 04-09-2025 स्टोर मदों की आपूर्ति PUB/1088

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना: निम्नलिखित निविदाएं ऑनलाइन जारी की गई हैं। निविदाकर्ताओं से अनुरोध है कि वे वेबसाइ www.ireps.gov.in पर जाएँ और अपने प्रस्ताव ऑनलाइन जमा करें। **निविदा का विवरण, मात्रा, ई.एम.डी., एस.डी. वेबसाइट पर देखे जा सकते हैं।** हाथ से जमा किए गए प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे। डाक द्वारा भेजे गए प्रस्तावों पर विचार नहीं किया जाएगा। निविदा बंद होने का समय नियत तारीख को **14:30 बजे** है। सभी स्वदेशी प्रस्तावों के लिए, बयाना राशि जमा (ई.एम.डी.) केवल ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से स्वीकार की जाएगी जो www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

निविदा सं.	संक्षिप्त विवरण
54255012	स्वचालित टिकट वेंडिंग मशीनें।
54255007A	यूनिफाइड टिकटिंग नेटवर्क में डब्ल्यू.ए.एन. पोर्ट्स वाले राउटर।
66257552	ट्रैक मशीनों के लिए ड्यूट्ज़ मेक के अतिरिक्त पुर्जों की खरीद।
76255001A	आईआरएसएम 46-2020 के लिए एमआईजी./एमएजी वेल्डिंग फिलर वायर।
45251004	ब्रशलेस अल्टरनेटर 25 किलोवाट।
45251073	120 ए.एच. वी.आर.एल.ए. बैटरी का सेट।
66257306	ट्रैक मशीनों के लिए कमिन्स मेक के अतिरिक्त पुर्जों की खरीद।
66257607	ट्रैक के लिए कैटरपिलर मेक के अतिरिक्त पुर्जों की खरीद।
66256053	प्लैसर मेक के ट्रैक मशीन के अतिरिक्त पुर्जे।
45251021A	1100 ए.एच. की लेड एसिड बैटरी।
66256285	प्लैसर मेक के ट्रैक मशीन के अतिरिक्त पुर्जे।

नोट: निविदाओं की नियत तारीखें

SL.No. 01on dt.15-09-2025. SL.No. 02 on dt.24-09-2025. SL.No. 03 & 04 on dt.25-09-2025. SL.No. 05 & 06 on dt.23-09-2025. SL.No. 07 & 08 on dt.06-10-2025. SL.No. 09 & 10 on dt.07-10-2025. SL.No. 11 on dt.13-10-2025.

शुद्धिपत्र

निविदा सूचना संख्या 31/2025 दिनांक 01-08-2025 की निविदा संख्या 76251092, जिसकी नियत तिथि 26-08-2025 थी।संक्षिप्त विवरण: सॉलिड एम.आई.जी./एम.ए.जी. वेल्डिंग फिलर वायर 1.2 मिमी व्यास क्लास-1

कृपया इसे नियत तिथि 11-09-2025 पढ़ें, मौजूदा तिथि के बजाय।

उपर्युक्त निविदाओं के अलावा, 50 लाख से अधिक मूल्य की अन्य निविदाएं भी हैं। विवरण के लिए, कृपया ऊपर दी गई रेलवे वेबसाइट पर जाएँ।

प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, सिकंदराबाद

निविदा सूचना सं.: टीआरएसओ/एससी/01/2025-26, दिनांक 04-09-2025 PUB/1087

अनुभवी ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्यों के लिए अधोहस्ताक्षरी द्वारा ई-निविदाएं आमंत्रित की हैं।

क्र.सं. 1. निविदा सं. और दि.: सी/ई.29/टीआरएसओ/एससी/12/2025-26, दिनांक: 04-09-2025 (ई-निविदा संख्या सीई-29-टीआरएसओ-एससी-12-2025-26, दि. : 04-09-2025)।**कार्य का विवरण:** भद्राचलम रोड और डोरनाकल जंक्शन क्रू लॉबी से विभिन्न क्रू चेंजिंग पॉइंट्स और साइडिंग्स तक और इसके विपरीत क्रू ट्रांसपोर्टेशन के लिए दो साल की अवधि के लिए पांच गैर-एसी एम.यू.वी. वाहनों को किराए पर लेना। **निविदा मूल्य (रु.):** 1,62,16,888/-**पूधरा (बोली सुरक्षा) (रु):** 2,31,100/- **निविदा प्रपत्र की लागत:** शून्य।**कार्य पूरा करने की अवधि:** 2 साल।**बंद होने और खुलने की तारीख और समय:** 30-09-2025 को 15:00 बजे और 30-09-2025 को 15:30 बजे।

1.निविदा की शर्तें और अन्य विवरण आई.आर.ई.पी.एस. वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध हैं।
2.सभी संभावित निविदाकर्ताओं से अनुरोध है कि वे केवल ऑनलाइन भुगतान के माध्यम से बयाना राशि जमा (बोली सुरक्षा) करें। निविदा दस्तावेज जमा करना: आई.आर.ई.पी.एस. वेबसाइट www.ireps.gov.in के माध्यम से।

वरिष्ठ मंडलीय विद्युत अभियंता, (टीआरएसओ), सिकंदराबाद।

खुली ई-निविदा सूचना सं.: डीआरएम/वर्क्स/बीजेडए/21/2025, दिनांक: 04-09-2025 PUB/1089

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए **15:00 बजे** तक और प्रत्येक के सामने उल्लिखित तारीख तक ई-निविदाएं आमंत्रित की हैं।

क्र.सं. 1. निविदा सं.: ई-37-ईस्ट-बीजेडए-2025 **कार्य का विवरण: कार्य का नाम:** एस.एस.ई. / वर्क्स / बीवीआरएम सेक्शन में मौजूदा रेल प्रकार के सी.ओ.पी. शेल्टर के स्थान पर सी.ओ.पी. शेल्टर के लिए प्रस्ताव। आई.आर.पी.एस.एम. आई.डी.: 11.06. 53.24. 3.55.064 **कार्य पूरा करने की अवधि:** 12 (बारह महीने)। **निविदा मूल्य:** 1,70,18,604.35/- **पूर्व राशि जमा:** 2,35,100.00/- **बंद होने की तारीख:** 26-09-2025।

संभावित निविदाकर्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे किसी भी निविदा में किसी भी बदलाव/शुद्धिपत्र को नोट करने के लिए निविदा बंद होने की तारीख से पहले वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएँ।

A1363 मंडल रेल प्रबंधक (वर्क्स), विजयवाड़ा

अतिरिक्त निविदा शर्तों/विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए कृपया वेबसाइट : www.ireps.gov.in या http://www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

ग्लोबल ग्रेस कैंसर रन के 8वें संस्करण का अनावरण

ऐश्वर्या राजेश और अली ने टी-शर्ट और मेडल लॉन्च किया

हैदराबाद 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अभिनेत्री ऐश्वर्या राजेश और अभिनेता अली ने आज हैदराबाद के होटल दासपल्ला, जुबिली हिल्स में आयोजित एक कार्यक्रम में ग्लोबल ग्रेस कैंसर रन-2025 के 8वें संस्करण की टी-शर्ट और मेडल का अनावरण किया। यह आयोजन दुनिया की सबसे बड़ी कैंसर जागरूकता दौड़ के रूप में जाना जाता है। इस मौके पर ग्रेस कैंसर फाउंडेशन के संस्थापक डॉ. चिन्नबाबू सुनकावल्ली के साथ-साथ नरेंद्रनाथ (एमडी, क्वाम्बिएंट डेवलपर्स), प्रशांति (एवरनॉर्थ), रमेश काजा (एस-सीएससी) और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

इस वर्ष की थीम ठींप षीं त्रीरलश रपव डलीशशप षीं डळषश रखी गई है। यह दौड़ 12 अक्टूबर 2025 को हाइब्रिड मोड (फिजिकल और वर्चुअल) में आयोजित की जाएगी।

मुख्य अतिथि ऐश्वर्या राजेश ने कहा, नकारात्मकता से भरी दुनिया में जीना कैंसर से लड़ने से भी ज्यादा मुश्किल है। उन्होंने आगे कहा, लोग मुझे जज कर सकते हैं, लेकिन मैं जानती हूं कि मैं कौन हूं। मेरे सच्चे हीरो डॉ. चिन्नबाबू सुनकावल्ली हैं, जिन्होंने ग्रेस कैंसर फाउंडेशन की स्थापना की। अगर मैं फ्री रही, तो मैं न केवल दौड़ में शामिल होऊंगी, बल्कि 10के श्रेणी में भाग भी लूंगी। उन्होंने महिलाओं से खुद से प्यार करने, अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखने और कैंसर की जांच कराने का आग्रह किया।

अभिनेता अली ने कहा, अगर माता-पिता हमें जन्म देते हैं, तो डॉक्टर हमें जीवन देते हैं। कैंसर के बारे में सकारात्मक संदेश फैलाने वाली यह दौड़ वास्तव में सराहनीय है। उन्होंने अपनी 10 अक्टूबर को आने वाली जन्मदिन का जिक्र करते हुए ग्रेस कैंसर फाउंडेशन से अपने गृह नगर राजामुंदरी में भी ऐसी ही एक दौड़ आयोजित करने का अनुरोध किया और इसके लिए हर संभव प्रयास करने का वादा किया।

डॉ. चिन्नबाबू सुनकावल्ली ने कहा, दौड़ का उद्देश्य कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाना, शारीरिक गतिविधि को एक निवारक उपाय के रूप में बढ़ावा देना और वंचितों के लिए मुफ्त घर-घर कैंसर जांच की सुविधा उपलब्ध कराना है।

इस कार्यक्रम में तीन कैंसर सर्वाइवर्स- श्रीमती विमला प्रसाद, श्रीमती वसंत कुमारी और सुश्री गीता कुमारी- ने अपनी बहादुरी भरी यात्राओं को साझा किया। उन्होंने दृढ़ता से कहा कि यदि कैंसर का पता शुरुआती चरण में चल जाए और आत्मविश्वास के साथ लड़ा जाए तो यह पूरी तरह से ठीक हो सकता है।

दौड़ से संबंधित विवरण इस प्रकार हैं: 12 अक्टूबर 2025ए स्थान (फिजिकल): गचीबोवली, हैदराबाद

संभावित भागीदारी: 30,000-40,000 धावक, जिनमें 10,000 नवोदय छात्र शामिल हैं।

दौड़ से प्राप्त आय का उपयोग मोबाइल कैंसर जांच के लिए किया जाएगा। इसका लक्ष्य 1 लाख गैर-संक्रामक रोगों की जांच करना और ग्रामीण भारत में घर-घर तक स्वास्थ्य सेवा पहुंचाना है।

ओल्ड भोईगुडा में स्थित मनोकामना गणेश मंडपम में गणेशोत्सव के पावन अवसर पर, समिति द्वारा सिखवाल ब्राह्मण समाज, हैदराबाद के प्रतिनिधियों को दर्शन के लिए आमंत्रित किया गया।इस दौरान, समाज के प्रतिनिधियों ने भगवान गणेश का आशीर्वाद लिया और क्षेत्र की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की। इस शुभ अवसर पर, रामदेव नागला, अनिल जायलवाल, राजेंद्र ओझा, संदीप जायलवाल, विजय शर्मा, पांडिया, गोपाल ओझा, अमर जायलवाल और अन्य सदस्यों ने गणेश जी के दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

लोढा, सनतनगर में आयोजित गणेश उत्सव में भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष श्यामसुंदर गौड़ का जोरदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर, सपना गुप्ता, श्रीधर और बीनू गोपाल ने उनका स्वागत किया और उनका अभिनंदन किया। यह कार्यक्रम गणेश चतुर्थी के पावन पर्व पर आयोजित किया गया था, जिसमें स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भाग लेकर भगवान गणेश का आशीर्वाद लिया।

राधे राधे समूह ने शिक्षक दिवस पर किया नित्य अन्नप्रसाद का वितरण

हैदराबाद 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे समूह, हैदराबाद द्वारा शुक्रवार, 5 सितंबर 2025 को शिक्षक दिवस और भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी तिथि के पावन अवसर पर 'नित्य अन्नप्रसाद' (नाश्ता) सेवा का आयोजन किया गया। यह सेवा सुबह 7:01 बजे पब्लिक गार्डन (पिलर--1265, नामपल्ली) और बेगमबाजार (गौशाला के पास, पुल की माता) में ज़रूरतमंदों के लिए चलाई गई।इस पुण्य कार्य में मुख्य रूप से प्रवीण जी धनधनिया परिवार, और मेसर्स केया लेगिंग्स, कोलकाता की ओर से जगत नारायण अग्रवाल ने सेवा प्रदान की।इस अवसर पर, महेश अग्रवाल, राजेश जी (योगा), अनिल भाई, गोविंद राम जी, अरुण भाई, नीलम विजयवर्गीय, लता गोयल, आशीष, किशन पाल, रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, ई-जगंन (चंपापेट), रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, मनोज शर्मा, नंदकिशोर अग्रवाल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, गोपाल गोयल और राधे राधे समूह के अन्य सदस्य भी मौजूद थे।समूह के सदस्यों ने सामूहिक रूप से इस सेवा में भाग लेकर समाज में एक सकारात्मक संदेश दिया।

शिक्षिका ताहा को उत्कृष्टता प्रशस्ति पत्र से किया गया सम्मानित

हैदराबाद, 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रीय शिक्षक दिवस 2025 के अवसर पर, सुश्री ताहा बेगम को न्यायमूर्ति पी. एस. नारायण द्वारा 'सर्वश्रेष्ठ शिक्षक' के रूप में उत्कृष्टता प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उनकी शिक्षा के प्रति समर्पण, लगन और जुनून का प्रतिफल है।

सुश्री बेगम ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि बचपन से ही उनका सपना एक शिक्षक बनने का था। अपने गुरुओं से प्रेरित होकर और ज्ञान बांटने की अपनी स्वाभाविक रुचि के कारण उन्होंने इस सपने को एक सार्थक करियर में बदला। उनकी पेशेवर यात्रा 2010 में ब्रिलिएंट ग्रामर हाई स्कूल, हैदराबाद से शुरू हुई, जहाँ उन्होंने विज्ञान विभाग में अपनी सेवाएँ दीं। इस अनुभव ने उन्हें अपने विषय ज्ञान और कक्षा प्रबंधन कौशल को मजबूत करने का मौका दिया। बाद में, उन्होंने सेंट एन'स गर्ल्स हाई स्कूल में विज्ञान और अंग्रेजी दोनों विभागों में योगदान दिया। इस भूमिका ने उन्हें अपनी बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन करने और विभिन्न पृष्ठभूमि के छात्रों के साथ जुड़ने में मदद की। समय के साथ, शिक्षण के प्रति उनके रचनात्मक दृष्टिकोण को विभिन्न स्कूलों, गैर-सरकारी संगठनों और शैक्षिक निकायों से कई पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME & DOB

I, MOUNIKA Spouse of Service No.14671401M Hav RAMAKRISHNA GARIKAPATI, Resident of Vill and PO:Athota, Teh:Kollipara, Dist:Guntur, Andhra Pradesh-522306 have changed my Name and of Birth from MOUNIKA, DOB:10-07-1994 to GARIKAPATI MOUNIKA, DOB:04-03-1995 vide affidavit dt:04-09-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB

I, SITHAL ESWAR V is legally spouse of No 14652765K, HAV(ATOELEBV), VADDE ESWARAIAH, R/o H.No-2/87, Vill & PO-Chinnapendekal, Teh-Adoni, Dist-Kurnool, A.P, I have to change my Name & Date of Birth from SEETHAL ESWAR (DOB:24-12-1986) to SITHAL ESWAR V (DOB:24-12-1987) for all purpose vide affidavit dated: 05/09/2025.

एनकेएस ग्रुप ऑफ कंपनीज द्वारा 30 वर्ष पूरे होने पर विशेष पूजा का आयोजन

हैदराबाद 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। शुक्रवार को एनकेएस ग्रुप ऑफ कंपनीज ने अपनी स्थापना के 30 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक विशेष पूजा और अनुष्ठान का आयोजन किया। यह कार्यक्रम नरसिम्हाराव नगर कॉलोनी, वनस्थलीपुरम स्थित उनके कार्यालय में आयोजित किया गया।इस अवसर पर, सबसे पहले सर्वप्रथम गणेश-लक्ष्मी पूजा संपन्न हुई, जिसके बाद बालाजी-पद्मावती पूजा की गई। पूजा के समापन के बाद गणपति हवन और आरती का आयोजन किया गया और फिर प्रसाद वितरण किया गया। इस पूरे अनुष्ठान को सुखेंद्र महाराज शास्त्री और अनिल महाराज ने विधि-विधान से संपन्न कराया।इस शुभ अवसर पर ग्रुप के चेयरमैन और सीएमडी एन. के. सिंह, उनकी पत्नी श्रीमती मालती देवी, निदेशक नंद किशोर सिंह और उनकी पत्नी श्रीमती दीपिका सिंह, निदेशक अमरजीत सिंह और उनकी पत्नी श्रीमती नेहा सिंह सहित परिवार के अन्य सदस्य जैसे सूर्यांश, गायत्री, छवि, लक्ष्यजीत, सृष्टि भी उपस्थित थे।

इसके अतिरिक्त, कंपनी के स्टाफ सदस्य डॉ. अप्पा राव, पी. सुरेश, राजेंद्र तिवारी, पवन चैतन्य और अन्य लोग भी इस विशेष आयोजन का हिस्सा बने।

एनकेएस ग्रुप ऑफ कंपनीज में न्यू हरियाणा फ्रेट कैरियर्स, स्पीडस्टर ट्रांस सॉल्यूशंस, एनएचएफसी लॉजिस्टिक्स, एनकेएस ट्रांस लॉजिस्टिक्स, और एनकेएस इंफ्रा डेवलपर्स जैसी कंपनियां शामिल हैं।

प्रधानमंत्री मोदी की तस्वीर का दुग्धाभिषेक

हैदराबाद, 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जामबाग के कॉर्पोरेटर राकेश जायसवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पुराने जीएसटी स्लैब दरों को समाप्त कर केवल दो नई स्लैब संरचनाएँ लागू करने के लिए उनकी तस्वीर का दुग्धाभिषेक का आयोजन किया।

यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री के इस साहसिक निर्णय के सम्मान में आयोजित किया गया, जिससे आम आदमी और मध्यम वर्ग के लोगों को भारी राहत मिली है। जायसवाल ने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा लिया गया यह निर्णय निश्चित रूप से गरीब और आम लोगों की मदद करेगा।

इस अवसर पर, भाजपा के वरिष्ठ नेता श्रीनिवास यादव, अमर सिंह, सुरेश तोलडी, राजू यादव, अनिल, प्रवीण बाबू, संदीप जैन, रविंदर, हरनाथ सहित कई अन्य कार्यकर्ता भी उपस्थित थे। सभी ने प्रधानमंत्री के इस जन-हितैषी कदम की सराहना की और इसे देश की आर्थिक प्रगति के लिए एक महत्वपूर्ण फैसला बताया।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा-अर्चना

हैदराबाद, 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। केबीआर पार्क में स्थित इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा और आरती बहुत धूमधाम से मनाई गई। इस पावन अवसर पर, भक्तों ने भगवान गणेश का आशीर्वाद लिया और विशेष रूप से तैयार किए गए प्रसाद का वितरण किया गया।

प्रसाद में लड्डू, लीची गोला, खड़ी बूंदी और कदम शामिल थे, जिसकी सभी भक्तों ने खूब प्रशंसा की। आज की पूजा में राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बलदेवा, माया अग्रवाल, संध्या रानी अग्रवाल, विजया, उर्मिला, तन्वी और दीपा देवी सहित कई अन्य भक्तों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस वर्ष की पूजा के मुख्य यजमानों में पी. लक्ष्मैया, ससैया गरु, राजेश केडिया, अशोक जालान, सुरेश बाबू और आनंद कुमार शामिल थे, जिन्होंने इस आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

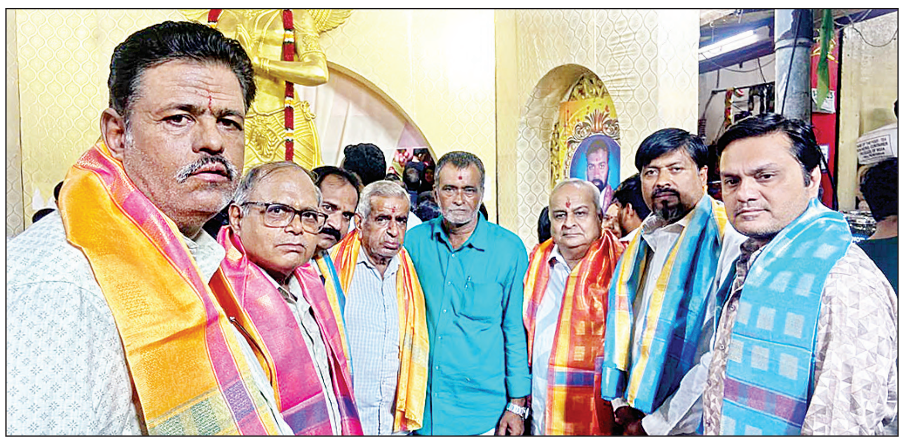

सुभाष रोड स्थित गणेश फ्रेंड्स क्लब ने अपने पंडाल में पधारे सिखवाल ब्राह्मण समाज, हैदराबाद के प्रतिनिधियों का गर्मजोशी से स्वागत और सम्मान किया। इस अवसर पर, क्लब के प्रमुख चंद्रप्रकाश तिवारी और नंदकिशोर जोशी ने सिखवाल ब्राह्मण समाज से दर्शन हेतु आए रामदेव नागला, अनिल जायलवाल, संदीप जायलवाल, राजेंद्र ओझा, गोपाल ओझा, विजय शर्मा, पांडिया और अमर जायलवाल का स्वागत किया। गणेश जी के दर्शन और आरती के बाद, समिति की ओर से इन सभी अतिथियों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

डॉ. राजेंद्रर सिंह ठकराल को 'हैदराबाद नायक' पुरस्कार से सम्मानित किया गया

हैदराबाद, 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो) । ट्रायम्पस संस्था द्वारा आयोजित एक सम्मान समारोह में, सरदार डॉ. राजेंद्रर सिंह ठकराल को उनके उत्कृष्ट सामाजिक कार्यों के लिए 'हैदराबाद नायक' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह समारोह रास्ता होटल में आयोजित किया गया था, जिसमें हैदराबाद के पुलिस आयुक्त सीवी आनंद और विधान परिषद सदस्य अमीर खान ने उन्हें यह सम्मान प्रदान किया।डॉ. ठकराल को यह सम्मान उनके द्वारा किए गए विशेष सेवा कार्यों को देखते हुए दिया गया। इसमें सबसे प्रमुख, साल 2019 में श्री गुरु विद्य सभा, अशोक बाजार, अफजलगंज के प्रधान पद पर रहते हुए 100 से अधिक दिवंगत व्यक्तियों का सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार करवाना शामिल है। यह कार्य उन्होंने व्यक्तिगत और भावनात्मक जिम्मेदारी के साथ निभाया।इसके अलावा, पिछले 30 वर्षों से लगातार समाज सेवा में उनके योगदान को भी इस सम्मान का आधार बनाया गया।पुरस्कार प्रदान करते हुए, पुलिस प्रशासन की ओर से डॉ. ठकराल को उनके सामाजिक कार्यों के लिए बधाई दी गई और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने उनके निस्वार्थ सेवा भाव और कार्यों की सराहना की।

दारुस्सलाम, गोशामहल में स्थित ऑपरेशन सिंदूर पर शर्मा परिवार द्वारा भगवान श्री गणेश की एक मनमोहक प्रतिमा स्थापित की गई। गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर स्थापित इस प्रतिमा के दर्शन और पूजा के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़े। शर्मा परिवार ने सभी भक्तों का स्वागत किया और उन्हें प्रसाद वितरित किया।

अमेरिका में भारतीय परंपराओं के साथ मनाया गया गणेश उत्सव

सेंट लुईस (मिसौरी, अमेरिका), 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अमेरिका के सेंट लुईस में, तेलंगाना की पूर्व अग्र महिला मंच की अध्यक्ष सरला अग्रवाल के निवास पर परिवार और स्थानीय भारतीय समुदाय के साथ गणेश उत्सव का भव्य आयोजन किया गया।

यह उत्सव 27 अगस्त को भगवान गणेश की प्रतिमा की विधिवत स्थापना के साथ शुरू हुआ। इसके बाद, पांच दिनों तक प्रतिदिन भजन-कीर्तन, आरती और प्रसाद वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें सभी ने पूरी श्रद्धा के साथ भाग लिया।

इस उत्सव में सरला अग्रवाल के परिवार के सदस्य दिनेश अग्रवाल, पुरवेश अग्रवाल, ननीता अग्रवाल, तुषिता अग्रवाल और छवि अग्रवाल भी शामिल रहे।इनके अलावा, स्थानीय भारतीय समुदाय से प्रीति चौहान, निहारिका वर्मा, कविता मूलंती, लीना ग्रोवर, लिस्सी स्टेफेन, गायत्री हिमपालनेरकर, कविता चंसौरिया, और रम्या जयपाल अपने-अपने परिवारों के साथ विशेष रूप से उपस्थित रहीं, जिन्होंने भक्तिमय वातावरण को और भी उल्लासपूर्ण बना दिया।

उत्सव का समापन 31 अगस्त को धूमधाम से गणेश विसर्जन के साथ गणेश मंदिर परिसर में किया गया। पांच दिनों तक चले इस आयोजन में श्रद्धा, उत्साह और सामाजिक सौहार्द का अद्भुत संगम देखने को मिला।

अत्तापुर में श्री श्याम मित्र मंडल करेगा गणेश प्रतिमाओं का भव्य स्वागत

हैदराबाद, 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। गणेश विसर्जन महोत्सव के दौरान, श्री श्याम मित्र मंडल (सूरजगढ़ निशान) इस वर्ष भी अतापुर रिंग रोड पर, 140 नंबर पिलर के पास एक पंडाल स्थापित कर रहा है। यहाँ से गुजरने वाली सभी गणेश प्रतिमाओं का भव्य स्वागत किया जाएगा।

मंडल के कार्यक्रम संयोजक श्रीकांत मित्तल ने बताया कि गणेश प्रतिमाओं के स्वागत की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। प्रतिमाओं पर फूलों की वर्षा कर उनका स्वागत किया जाएगा और उनके साथ आए भक्तों को प्रसाद वितरित किया जाएगा। यह सेवा दोपहर 2:00 बजे से शुरू होगी।

इस आयोजन में श्री राजस्थानी नवजागृति मंच अतापुर, अग्रवाल समाज शाखा अतापुर और सुंदरकांड पारायण समिति को भी आमंत्रित किया गया है, जो गणेश भक्तों की सेवा में सहयोग करेंगे।

श्याम मित्र मंडल के श्रीकांत मित्तल, तेजपाल नेहरा, डालूराम, सोहनलाल नेहरा, भंवरलाल चाहर, संतोष चौधरी, हरीसिंह शेखावत, अमित कुमार मोदी, पवन नालपुरिया, अंकुश बंसल, राजेश स्वामी, नरेंद्र जांगिड़, शशिकांत शर्मा, दिनेश शर्मा, बाबूलाल जोशी, सतनारायण अग्रवाल (सूरजगढ़), सत्येंद्र ठाकुर, अरुण पाराशर, करण सिंह जोधा, प्रकाश भाटी, बृजेश नालपुरिया, सुरेश कुमार मोदी, राम प्रसाद रीनवा, छाजूराम मीना, श्याम सुंदर जांगिड़, संतोषी सदा सुखी, राजेश शर्मा, कीर्ति सिंह (एडवोकेट), कवि पुरुषोत्तम कड़ेल, पन्नालाल शर्मा, मूलचंद शर्मा, भूपेंद्र सिंह, धनराज चौधरी, राम अवतार गुप्ता, जयश्री श्याम, लक्ष्मी निवास शारडा, घेवरचंद सांखला, राजेश साबू, मनीष शर्मा, गिरधारी लाल निठारवाल सहित कई अन्य लोगों ने इस सेवा कार्य में अपना सहयोग दिया है।

जय गणेश फ्रेंड्स क्लब, बेगम बाजार पोस्ट ऑफिस में भाग्यनगर के राजा गणेश जी के दर्शन हेतु पधारे रिदेश जागीरदार, मुकेश चौहान जैन और प्रवीन वाणीगोता का हार्दिक स्वागत करते हुए अविनाश देवड़ा और अमित लड्ढा (गग्गू भाई)।

अशोक बाजार, अफजल गंज स्थित अहीर यूथ एसोसिएशन द्वारा स्थापित गणेश पंडाल में पूजा-अर्चना करते हुए बजरंग चौधरी, पूर्व महासचिव शिवचरण अहीर, रमेश कुमार अहीर, राजकुमार अहीर, राजेंद्र जाधव, तिलक चंद्र गोप और अन्य सदस्य ।

आर्य कन्या विद्यालय में शिक्षक दिवस का भव्य आयोजन

हैदराबाद 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आर्य कन्या विद्यालय हाई स्कूल, देवीदीन बाग, सुल्तान बाजार में शिक्षक दिवस बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर श्री श्रुतिकांत भारती, जो हिंदी प्रचार सभा, हैदराबाद के विशेष अधिकारी हैं, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे।

इस खास दिन पर, विद्यार्थियों ने अलग-अलग कक्षाओं में एक-एक शिक्षक का 'रोल मॉडल' बनकर कक्षाएं लीं। विद्यालय की अध्यापिकाओं ने इन कक्षाओं का दौरा किया और छात्रों में शिक्षण के प्रति उत्सुकता और उमंग देखकर वे अत्यंत प्रसन्न हुईं। अध्यापिकाओं ने विद्यार्थियों को भविष्य में शिक्षा के क्षेत्र में आने का आह्वान करते हुए कहा कि माता-पिता के बाद राष्ट्र निर्माण में गुरु का सबसे बड़ा योगदान होता है।

इस अवसर पर डॉ. प्रतापरुद्र, प्रदीप जाजू (मंत्री, शिक्षा समिति), भक्त राम, सत्यनारायण शर्मा, और मुख्य अध्यापिका उमा तिवारी उपस्थित थीं। इसके अलावा, वाई पद्मा, वीणा शुक्ला, चित्रा, मालिनी, निखिला, अनीता, राजेंद्र, ममता जैन, मधुलता, राजेश्वरी और अन्य स्टाफ सदस्यों ने भी समारोह में भाग लिया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन, शांति पाठ और जलपान के साथ हुआ।

हिल रिज स्प्रिंग, गचीबोवली के निवासियों ने गणेश उत्सव के पावन अवसर पर गणेश पूजा और ललिता सहस्त्रनाम का पाठ किया। इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया और भक्तिभाव के साथ भगवान गणेश की आराधना की। इस अवसर पर आयोजित पूजा और अनुष्ठान में गीता अग्रवाल, आशा अग्रवाल, मंजू शर्मा, सरस्वती भारद्वाज और अन्य महिलाएँ शामिल रहीं। सभी ने मिलकर गणेश जी का आशीर्वाद लिया और इस उत्सव को सफल बनाया। यह आयोजन निवासियों के बीच एकता और धार्मिक सद्भाव को दर्शाता है।

सिकंदराबाद स्थित महाकाली मंदिर के पास, सोनी ज्वेलर्स के सामने गणेश चतुर्थी के उपलक्ष्य में प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया। यह आयोजन भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने हिस्सा लिया। इस दौरान, प्रसाद वितरण में सोनू-सचिन परवल, पवन वर्मा, नितिन वर्मा, राहुल भंडारी, संजय कोठारी, प्रीति कोठारी, नैना उपाध्याय, निशांत काश, सोनाली-पंकज वर्मा और कई अन्य लोग उपस्थित थे। सभी ने मिलकर इस धार्मिक कार्य में सहयोग दिया और भगवान गणेश का आशीर्वाद प्राप्त किया। यह आयोजन स्थानीय समुदाय में भक्ति और एकता की भावना को दर्शाता है।

सीएम रेवंत रेड्डी ने 5,106 जीपीओ को सौंपे नियुक्ति पत्र

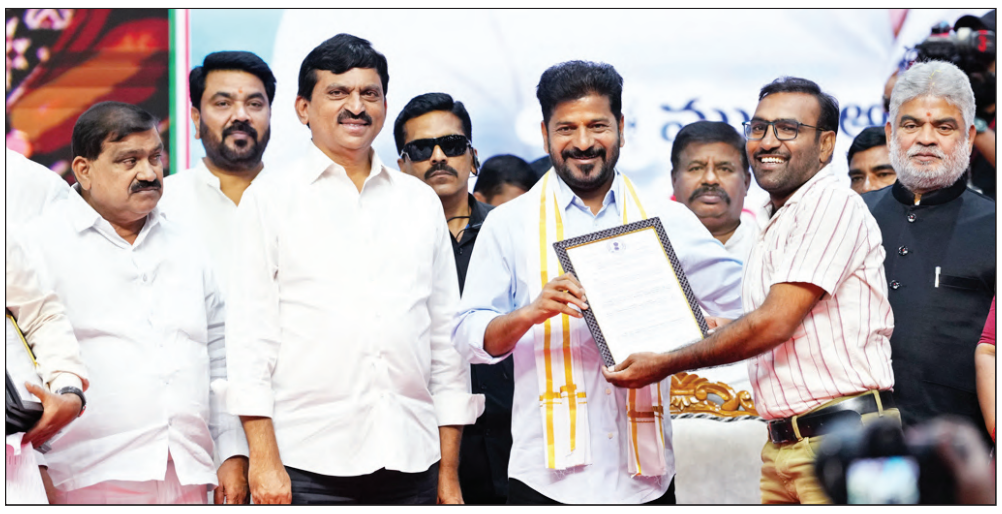

हैदराबाद, 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने आज अपने एक प्रमुख चुनावी वादे को पूरा करते हुए, हितेक्स, माधापुर में आयोजित कोलुवुला पंडगा कार्यक्रम में 5,106 ग्राम परिपालना अधिकारियों (जीप-ीओ) / ग्राम राजस्व अधिकारियों (वीआरओ) को नियुक्ति पत्र सौंपे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वीआरओ की पुनर्नियुक्ति पिछले शासन के दौरान खत्म कर दी गई राजस्व प्रणाली को जमीनी स्तर पर फिर से स्थापित करने जैसा है। उन्होंने आश्वासन दिया कि 'भू भारती अधिनियम' के तहत नई प्रणाली सरकार और गरीबों के बीच एक सेतु का काम करेगी, जिससे भूमि-संबंधी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित होगा और किसानों के हितों की रक्षा होगी।

सभा को संबोधित करते हुए, रेवंत रेड्डी ने पिछली बीआरएस सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व सरकार ने राजस्व कर्मचारियों को बदनाम किया, भूमि संघर्षों को नजरअंदाज किया और धरणी प्रणाली शुरू की, जिससे बड़े पैमाने पर भूमि अतिक्रमण हुआ।उन्होंने कहा, उन्होंने (पूर्व सरकार ने) राजस्व अधिकारियों को लुटेरों के रूप में चित्रित करने की कोशिश की। धरणी का भूत केवल जमीनों को लूटने के लिए लाया गया था। उन्होंने पिछली सरकार के दौरान अधिकारियों के खिलाफ सार्वजनिक आक्रोश की घटनाओं को भी याद किया।

मुख्यमंत्री ने तेलंगाना के लंबे भूमि संघर्षों के इतिहास पर जोर दिया और कोमुरमभीम, चकली ऐलम्मा, रवि नारायण रेड्डी और वेदिरे रामचंद्र रेड्डी द्वारा शुरू किए गए भूदान आंदोलन के योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार राजस्व अधिकारियों की गरिमा को बहाल करने और किसानों व गरीबों के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

रेवंत रेड्डी ने नए वीआरओ से कहा, आपको आप पर लगे दाग को मिटाने का अवसर दिया गया है। ईमानदारी से काम करें, लोगों को पिछले शासकों की गलत नीतियों के बारे में बताएं, और उनकी समस्याओं को हल करें।

इस कार्यक्रम में मंत्री पोंगलेटी श्रीनिवास रेड्डी, सीतक्का, विधानसभा अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद कुमार, सीएम के सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी, सरकारी सलाहकार शब्बीर अली और हरकारा वेणुगोपाल, परिषद के मुख्य सचेतक महेंद्र रेड्डी, विधायक, एमएलसी, निगम अध्यक्ष, और वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

हैदराबाद पुलिस ने शुरू की महिला घुड़सवार इकाई, डॉग स्क्वाड का भी विस्तार

हैदराबाद , 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए, हैदराबाद सिटी पुलिस ने आज देश में अपनी तरह की पहली महिला घुड़सवार इकाई की शुरुआत की।

पुलिस कमिश्नर सी.वी. आनंद ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि आर्म्ड रिजर्व की 10 महिला कांस्टेबल ने गोशामहल माउंटेड यूनिट में दो महीने का प्रशिक्षण पूरा कर लिया है। अब उन्हें बंदोबस्त, वीआईपी मूवमेंट और गश्त की ड्यूटी के लिए तैनात किया जाएगा। कमिश्नर ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य पुलिसिंग के सभी क्षेत्रों में महिलाओं को आगे लाना है।

इसके साथ ही, पुलिस अपने डॉग स्क्वाड का विस्तार 34 से 54 तक कर रही है। एकीकृत खुफिया प्रशिक्षण अकादमी (आईआईटीए) में नए कुत्तों को नशीले पदार्थों और विस्फोटकों का पता लगाने के साथ-साथ अपराधियों को ट्रैक करने के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है।

देश भर से उच्च गुणवत्ता वाली नस्लों की खरीद के लिए एक समिति का गठन किया गया है। पहले चरण में 12 कुत्तों को पहले ही शामिल किया जा चुका है।ओसमानिया जनरल अस्पताल निर्माण परियोजना के कारण, गोशामहल माउंटेड ग्राउंड और अस्तबलों को एक नई 11.5 एकड़ की जगह पर स्थानांतरित किया जाएगा। सरकार ने नए घोड़े के अस्तबल, 60 कुत्तों के लिए एक डॉग कैनल, एक सिटी सिक्योरिटी विंग भवन, वाहन यार्ड और परेड ग्राउंड के लिए धन स्वीकृत किया है। इस परियोजना के लिए निविदाएं 8 सितंबर को अंतिम रूप दी जाएंगी।गणेश विसर्जन की तैयारियों पर बोलते हुए, आनंद ने कहा कि लगभग 29,000 पुलिस कर्मियों को शिफ्टों में तैनात किया जाएगा। मार्गों की निगरानी के लिए 250 अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे और 6 ड्रोन लगाए जाएंगे। अकेले टैंक बंड पर लगभग 50,000 मूर्तियों का विसर्जन होने की उम्मीद है, जिसमें खैराताबाद गणेश का विसर्जन सुबह 6:00 बजे से दोपहर 1:30 बजे के बीच करने का लक्ष्य रखा गया है।

इस साल स्वास्थ्य कारणों से डीजे पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है, जिसमें भाग्यानगर गणेश उत्सव समिति भी सहयोग कर रही है।

इस कार्यक्रम में डीसीपी रक्षिता कृष्णमूर्ति, जी. चंद्रमोहन, दारा कविता और पी. गिरि राजू सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

तेलंगाना में निवेश की अपार संभावनाएं: उत्तम कुमार रेड्डी

हैदराबाद, 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री, कैप्टन एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने आज भारत में डेनमार्क के राजदूत रासमस अबिल्डगार्ड क्रिस्टेंसेन के साथ बैठक की। इस बैठक में उन्होंने तेलंगाना को भारत के सबसे तेज़ी से बढ़ते और निवेशक-अनुकूल राज्यों में से एक बताया। मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने राज्य की दोहरे अंकों की वृद्धि, देश में सर्वाधिक प्रति व्यक्ति आय और पिछले 18 महीनों में 3.28 लाख करोड़ के निवेश का उल्लेख किया। उन्होंने डेनिश कंपनियों को स्वच्छ ऊर्जा, फार्मा, डेयरी, आईटी, लॉजिस्टिक्स और खाद्य प्रसंस्करण जैसे क्षेत्रों में निवेश के अवसर तलाशने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना का लक्ष्य एक दशक के भीतर 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनना है और यह टिकाऊ विकास के लिए प्रतिबद्ध है। इसके तहत हैदराबाद को 'नेट-जीरो' शहर बनाने की योजना भी शामिल है।राजदूत क्रिस्टेंसेन ने बताया कि डेनिश पेंशन-समर्थित इम्पैक्ट फंड भारत में पहले से ही परियोजनाओं का समर्थन कर रहे हैं, जिसमें तेलंगाना शीर्ष प्राप्तकर्ताओं में से एक है। उन्होंने कहा कि कार्लसबर्ग और नोवो नॉर्डिस्क सहित कई डेनिश कंपनियां हैदराबाद में अपनी उपस्थिति बढ़ा रही हैं, जिसे वे बेंगलुरु के एक उभरते विकल्प के रूप में देखते हैं।दोनों पक्षों ने नवीकरणीय ऊर्जा, सिंचाई, डेयरी, जल प्रबंधन और बुनियादी ढांचे में सहयोग पर चर्चा की। राजदूत ने बैंकों से समर्थन प्राप्त करने योग्य परियोजनाओं की पहचान में सहयोग का आश्वासन दिया।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, उत्तम कुमार रेड्डी ने डेनिश उद्यमियों को तेलंगाना के पर्यटन, डेयरी और औद्योगिक क्षेत्रों में निवेश करने के लिए भी आमंत्रित किया और उन्हें त्वरित मंजूरी तथा सरकारी समर्थन का वादा किया।

पेद्दापल्ली शहर में आज पद्मावती मोटर्स के नए शोरूम का भव्य उद्घाटन हुआ। इस समारोह के मुख्य अतिथि पेद्दापल्ली के विधायक चिंताकुंटा विजया रमण राव थे, जिन्होंने फीता काटकर शोरूम का शुभारंभ किया।पद्मावती मोटर्स ईवी स्कूटी वाहनों की बिक्री करेगा और इसके मालिक श्यामसुंदर मालानी हैं।समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में कमल किशोर सारडा (अध्यक्ष, चैंबर ऑफ कॉमर्स, पेद्दापल्ली) उपस्थित रहे, जिन्होंने शोरूम के पहले ग्राहक को वाहन की चाबी सौंपी। वहीं, कैश काउंटर का उद्घाटन अक्षय बजाज और राधिका बजाज द्वारा किया गया। इस अवसर पर मालानी परिवार के सदस्य शोभा मालानी, विष्णु मालानी, स्नेहा मालानी, शरद मालानी, शीतल मालानी, सोनिका, रमन, गुंजन, निकुंज मालानी और अरुण लाहोटी सहित मारवाड़ी सेवा समाज के कई अन्य सदस्य और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

अत्तापुर में धूमधाम से मनाया गया गणेश महोत्सव

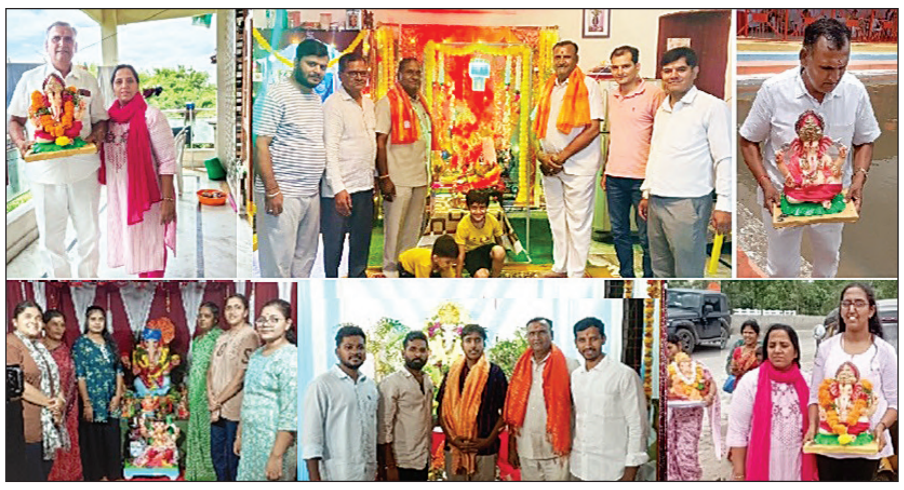

हैदराबाद, 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अत्तापुर में गणेश महोत्सव पूरे भक्तिभाव और श्रद्धा के साथ मनाया गया। लोग अपने घरों, गलियों और नुक्कड़ों पर भगवान गणेश की प्रतिमाएं स्थापित कर उनकी पूजा-अर्चना की।अत्तापुर के पुलिस इंस्पेक्टर नागेश्वर राव ने बताया कि पुलिस द्वारा स्थापित प्रतिमाओं और भक्तों की सुरक्षा पर लगातार ध्यान दिया गया। उन्होंने कहा कि कुछ प्रतिमाओं का विसर्जन हो चुका है, जबकि अन्य का विसर्जन अभी जारी है। इंस्पेक्टर राव ने बताया कि हर दिन गणेश प्रतिमाओं के सामने भक्त दिल खोलकर दान दिया।

बेगम बाजार छतरी स्थित श्री महालक्ष्मी मंदिर में, नवयुवक समिति के आमंत्रण पर, रिद्धिश जागीरदार, प्रवीण वाणीगोता, और मुकेश चौहान ने गणेश जी के दर्शन-पूजन और अन्नदानम (भोजन दान) कार्यक्रम में भाग लिया। इस धार्मिक और सामाजिक पहल के दौरान, उन्होंने समिति के सदस्यों - लड्डू यादव, पंडितजी शुक्लाजी और अन्य कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर सेवा कार्य किया। सभी उपस्थित लोगों ने मिलकर प्रसाद वितरण में सहयोग दिया और भगवान का आशीर्वाद प्राप्त किया।

तेलंगाना में अगले 5 दिनों में बिजली और तेज़ हवाओं के साथ गरज के साथ बारिश की संभावना

हैदराबाद, 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मौसम विज्ञान केंद्र ने आज कहा कि अगले पांच दिनों के दौरान तेलंगाना में अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ बारिश होने और बिजली चमकने तथा 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चलने की संभावना है।यहां जारी दैनिक मौसम रिपोर्ट में कहा गया है कि अगले सात दिनों के दौरान तेलंगाना में अलग-अलग स्थानों पर या कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है।राज्य में दक्षिण-पश्चिम मानसून कमजोर रहा है। पिछले 24 घंटों के दौरान तेलंगाना में एक-दो स्थानों पर बारिश हुई।

गणेश जी का विसर्जन करते हुए एडवोकेट प्रदीप पारथानी ।

भारतीय स्टेट बैंक
क्षेत्रीय प्रबंधक
क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय
थिरुमाला कॉम्प्लेक्स, एनटीपीसी, कृष्णा नगर, गोदावरीखानी - 505215

पट्टे पर परिसर की आवश्यकता

भारतीय स्टेट बैंक, एसबीआई की ओर से, मल्लापुर शाखा, आरबीओ गोदावरीखानी के लिए वाणिज्यिक/कार्यालय उपयोग हेतु लगभग 185.87 वर्ग मीटर (2000 वर्ग फुट) के कारपेट एरिया वाले परिसर के लिए मालिकों/मुख्तारनामा धारकों से पट्टा किराये के आधार पर प्रस्ताव आमंत्रित करता है। परिसर में पर्याप्त बिजली का भार, पानी की आपूर्ति, पार्किंग की जगह, जनरेटर रखने की जगह, ई-लॉबी और वी-सैट जैसी सभी सुविधाएँ होनी चाहिए, और इसका अग्रभाग अच्छा हो। पूरा स्थान एक ही मंजिल पर हो, अधिमानतः भूतल पर। परिसर कब्जे/उपयोग के लिए तैयार होना चाहिए या एक खाली प्लॉट होना चाहिए। विस्तृत मापदंडों, नियमों और शर्तों तथा मूल्य बोली वाले तकनीकी बोली के लिए फ़ॉर्मेट एसबीआई की वेबसाइट www.sbi.co.in या www.bank.sbi पर **https://sbi.co.in/web/sbi-in-the-news** के तहत **प्रोक्योरमेंट न्यूज़** लिंक से 03/09/2025 **से** 23/09/2025 **तक** डाउनलोड किया जा सकता है और विधिवत भरा हुआ जमा किया जाना है। सरकारी विभागों/सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों/बैंकों के स्वामित्व वाले परिसरों को प्राथमिकता दी जाएगी।

सभी तरह से पूर्ण प्रस्ताव एक सीलबंद लिफाफे में **भारतीय स्टेट बैंक, क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय, आरबीओ-खख गोदावरीखानी, थिरुमाला कॉम्प्लेक्स, एनटीपीसी, कृष्णा नगर, गोदावरीखानी, जिला: पेद्दापल्ली** - 505215 **पर** 23/09/2025 **को दोपहर** 3:00 **बजे** से पहले जमा किया जाना चाहिए। एसबीआई बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी प्रस्तावों को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। दलालों का आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

हस्ता/- क्षेत्रीय प्रबंधक
क्षेत्रीय व्यापार कार्यालय-II, गोदावरीखानी, मकान नंबर 5-6-174, पहली मंजिल, थिरुमाला कॉम्प्लेक्स, एनटीपीसी, कृष्णा नगर, गोदावरीखानी, जिला: पेद्दापल्ली-505215
ईमेल: agmr2.aoniz@sbi.co.in फ़ोन +91 9951784387.

भारतीय स्टेट बैंक
क्षेत्रीय प्रबंधक
क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय
थिरुमाला कॉम्प्लेक्स, एनटीपीसी, कृष्णा नगर, गोदावरीखानी - 505215

पट्टे पर परिसर की आवश्यकता

भारतीय स्टेट बैंक, एसबीआई की ओर से, इब्राहिमपटनम शाखा, आरबीओ गोदावरीखानी के लिए वाणिज्यिक/कार्यालय उपयोग हेतु लगभग 185.87 वर्ग मीटर (2000 वर्ग फुट) के कारपेट एरिया वाले परिसर के लिए मालिकों/मुख्तारनामा धारकों से पट्टा किराये के आधार पर प्रस्ताव आमंत्रित करता है। परिसर में पर्याप्त बिजली का भार, पानी की आपूर्ति, पार्किंग की जगह, जनरेटर रखने की जगह, ई-लॉबी और वी-सैट जैसी सभी सुविधाएँ होनी चाहिए, और इसका अग्रभाग अच्छा हो। पूरा स्थान एक ही मंजिल पर हो, अधिमानतः भूतल पर। परिसर कब्जे/उपयोग के लिए तैयार होना चाहिए या एक खाली प्लॉट होना चाहिए। विस्तृत मापदंडों, नियमों और शर्तों तथा मूल्य बोली वाले तकनीकी बोली के लिए फ़ॉर्मेट एसबीआई की वेबसाइट www.sbi.co.in या www.bank.sbi पर **https://sbi.co.in/web/sbi-in-the-news** के तहत **प्रोक्योरमेंट न्यूज़ लिंक से** 03/09/2025 **से** 23/09/2025 तक डाउनलोड किया जा सकता है और विधिवत भरा हुआ जमा किया जाना है। सरकारी विभागों/सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों/बैंकों के स्वामित्व वाले परिसरों को प्राथमिकता दी जाएगी।

सभी तरह से पूर्ण प्रस्ताव एक सीलबंद लिफाफे में **भारतीय स्टेट बैंक, क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय, आरबीओ-II गोदावरीखानी, थिरुमाला कॉम्प्लेक्स, एनटीपीसी, कृष्णा नगर, गोदावरीखानी, जिला: पेद्दापल्ली** - 505215 **पर** 23/09/2025 **को दोपहर** 3:00 **बजे** से पहले जमा किया जाना चाहिए। एसबीआई बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी प्रस्तावों को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। दलालों का आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

हस्ता/- क्षेत्रीय प्रबंधक
क्षेत्रीय व्यापार कार्यालय-II, गोदावरीखानी, मकान नंबर 5-6-174, पहली मंजिल, थिरुमाला कॉम्प्लेक्स, एनटीपीसी, कृष्णा नगर, गोदावरीखानी, जिला: पेद्दापल्ली-505215
ईमेल: agmr2.aoniz@sbi.co.in फ़ोन +91 9951784387.

सैनी टॉवर, चेर्लापल्ली में स्थापित गणपति बप्पा के दर्शन करते इन्द्र पाल सैनी, महेश सैनी, विकास शर्मा, आनन्द, रामगोपाल, जयप्रकाश, रूपेश (के.के. बना), गौरव, नंदू सिंह, किशोर, ढलराम, सौरव, कपिल, नरेश साखला, सुरेश, ज़वार, नवीन एम.जे. पुरोहित तथा श्रीनिवास।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.